आर एम जी बी
R M G B

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक

RAJASTHAN MARUDHARA GRAMIN BANK

ANNUAL REPORT 2018-19

WHAT'S INSIDE

S.No.	Particulars	Page No.
01	Letter of Transmittal	1
02	Vision, Mission & Values	2
03	Geographical Area & Regional Business Offices	3
04	Board of Directors	4
05	Executive Team	6
06	Regional Managers	7
07	Our Mentors	8
08	Highlights 2018-19	10
09	Chairman's Message	12
10	Performance at a Glance	14
11	Board of Directors' Report	18
12	Auditor's Report	106
13	Balance Sheet, Profit & Loss Account and Schedules	110

Letter of Transmittal

RAJASTHAN MARUDHARA GRAMIN BANK
Head Office : Jodhpur

Date : 28.06.2019

The Secretary,
Ministry of Finance, Dept. of Financial Services
Banking Division, Government of India
Jeevan Deep Buildings, Parliament Street,
New Delhi - 110001

Dear Sir,

In accordance with the provisions of Section 20 of the Regional Rural Banks Act 1976, I forward herewith the following documents.

A Report of Board of Directors as to the Bank's working and its activities during the period 1st April 2018 to 31st March 2019.

A copy of the audited Balance Sheet and Profit and Loss account for the year ended 31st March 2019.

A copy of the Auditor's Report in relation to the Bank's accounts for the period 1st April 2018 to 31st March 2019.

Yours faithfully,

G. K. JAIN
(Chairman)

VISION

To be the Pioneer in Rural Development and the Digitally Advanced Bank

MISSION

Committed to extend innovative banking services through transparent processes and latest technology.

VALUES

L	*Loyalty*
A	*Adaptability*
K	*Knowledge*
S	*Sustainability*
H	*Honesty*
Y	*Youth*
A	*Ability*

GEOGRAPHICAL AREA

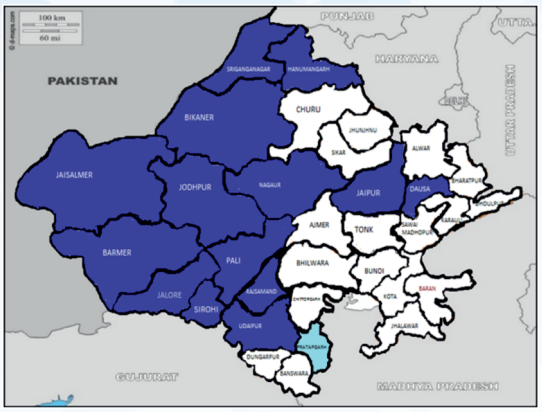

REGIONAL BUSINESS OFFICES

- **BARMER**
  1st Floor, Siyag Market, Shastri Nagar, NH-68,
  Barmer, Rajasthan - 344001
  Email - rm_barmer@rmgb.in
- **BIKANER**
  5-C-162, Jaynarayan Vyas Colony
  Bikaner, Rajasthan - 334001
  Email - rm_bikaner@rmgb.in
- **HANUMANGARH**
  Plot No. 92, Sector No. 12 L Golden Tower
  Lalchowk, Sri Ganganagar Road
  Hanumangarh Junction, Rajasthan - 335512
  Email - rm_hanumangarh@rmgb.in
- **JAIPUR-I**
  225, Vishwa Vidyalaya Nagar
  NRI Chauraha, Mahal Road, Jagatpura
  Jaipur, Rajasthan - 302017
  Email - rm_jaipur1@rmgb.in
- **JAIPUR-II**
  Lal Kothi,Tonk Road
  Jaipur, Rajasthan - 302017
  Email - rm_jaipur2@rmgb.in
- **JALORE**
  Pakshal Complex, Ist Floor
  In Front of Jalore Club, Hospital Circle
  Jalore, Rajasthan-343001
  Email - rm_jalore@rmgb.in
- **JODHPUR**
  3rd Floor, Tulsi Tower, 9th B Road, Sardarpura,
  Jodhpur, Rajasthan-342003
  Email - rm_jodhpur@rmgb.in
- **NAGAUR**
  Station Road, Behind SP Bunglow
  Nagaur, Rajasthan - 341001
  Email - rm_nagaur@rmgb.in
- **PALI-1**
  4, Kasturba Nagar, Main Road
  Above Renault Car Showroom, Naya Gaon
  Pali, Rajasthan- 306401
  Email - rm_pali1@rmgb.in
- **PALI-2**
  4,Kasturba Nagar, Main Road
  Above Renault Car Showroom, Naya Gaon
  Pali, Rajashtan-306401
  Email - rm_pali2@rmgb.in
- **SIROHI**
  Mali Samaj Hostel Road, Near Hero Showroom,
  Sirohi, Rajasthan - 307001
  Email - rm_sirohi@rmgb.in
- **SRI GANGANAGAR**
  6E/2, Meera Marg, Jawahar Nagar
  Sri Ganganagar, Rajasthan - 335001
  Email - rm_sriganganagar@rmgb.in
- **UDAIPUR**
  Kisan Bhawan, Near Reti Stand, Hiran Magri
  Udaipur, Rajasthan - 313002
  Email - rm_udaipur@rmgb.in

निदेशक मण्डल

Board of Directors

श्री ज्ञानेन्द्र कुमार जैन

अध्यक्ष

श्री बबलिश जोशी

निदेशक

श्री सी. एस. नन्द

निदेशक

श्री एस गणेशन

निदेशक

श्री श्रीकान्त त्रिपाठी

निदेशक

श्री सुरेश चन्द गुप्ता

निदेशक

श्री संदीप सांदू

निदेशक

निदेशक मण्डल

ज्ञानेन्द्र कुमार जैन
अध्यक्ष
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत नामित

भारत सरकार द्वारा नामित
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 9 की उपधारा (1) (ए) के अन्तर्गत

1. रिक्त
2. रिक्त

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 9 की उपधारा (1) (बी) के अन्तर्गत

बबलिश जोशी
सहायक महाप्रबंधक
बैंकिंग विभाग
भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर

नाबार्ड द्वारा नामित
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 9 की उपधारा (1) (सी) के अन्तर्गत

सी एस नन्द
महाप्रबंधक
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

प्रायोजक बैंक द्वारा नामित
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 9 की उपधारा (1) (डी) के अन्तर्गत

1. **एस. गणेशन**
   महाप्रबंधक (आर आर बी)
   एसोसिएट्स एण्ड सब्सिडरीज विभाग
   कॉर्पोरेट सेन्टर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मुम्बई
2. **श्रीकान्त त्रिपाठी**
   उप महाप्रबंधक (आउटरीच)
   स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
   स्थानीय प्रधान कार्यालय, जयपुर

राजस्थान सरकार द्वारा नामित
क्षे.ग्रा.बैं. अधिनियम, 1976 की धारा 9 की उपधारा (1) (ई) के अन्तर्गत

1. **सुरेश चन्द गुप्ता**
   संयुक्त सचिव
   योजना (संस्थागत वित) विभाग
   राजस्थान सरकार, जयपुर
2. **संदीप सांदू**
   राजकोश अधिकारी (शहर)
   कचहरी परिसर, पावटा, जोधपुर

वैधानिक अंकेक्षक
केन्द्रीय वैधानिक अंकेक्षक
मैसर्स पारख एण्ड कं., जयपुर

Board of Directiors

Gyanendra Kumar Jain
Chairman
Nominated Under sub Sec.(1) of Sec. 11 of the RRB Act, 1976

Nominee of Govt of India
Under sub Sec 9(1) (a) of the RRB Act, 1976

1 Vacant
2 Vacant

Nominee of RBI
Under sub Sec 9(1) (b) of the RRB Act, 1976

Bablish Joshi
Assistant General Manager
Banking Department
Reserve Bank of India, Jaipur

Nominee of NABARD
Under sub Sec 9(1) (c) of the RRB Act, 1976

C S Nanda
General Manager
National Bank for Agriculture & Rural Development
Regional Office, Jaipur

Nominee of Sponsor Bank
Under sub Sec 9 (1) (d) of the RRB Act, 1976

1. S. GANESAN
General Manager (RRB)
Associates & Subsidiaries Department
Corporate Center, State Bank of India, Mumbai

2. Srikanta Tripathy
Deputy General Manager (Outreach)
State Bank of India,
Local Head Office, Jaipur

Nominee of Govt. Of Rajasthan
Under sub Sec 9(1) (e) of the RRB Act, 1976

1. Suresh Chand Gupta
Joint Secretary
Planning (Institutional Finance) Deptt.
Govt. of Rajasthan, Jaipur

2. Sandeep Sandoo
Treasury Officer (City)
Kachahari Premises, Paota, Jodhpur

Statutory Auditors
Central Statutory Auditor
M/s Parakh & Co. Jaipur

कार्यकारी दल

Executive Team

श्री ज्ञानेन्द्र कुमार जैन
अध्यक्ष
Shri Gyanendra Kumar Jain
Chairman

श्री डी. पी. अवस्थी
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri D.P. Avasthi
Chief Vigilance Officer

श्री श्रीराम देरवाल
महाप्रबन्धक
Shri Shriram Derwal
General Manager

श्री आर. के. गुप्ता
महाप्रबन्धक
Shri R. K. Gupta
General Manager

श्री अनिल सोगानी
महाप्रबन्धक
Shri Anil Sogani
General Manager

श्री ए. के. पारीक
महाप्रबन्धक
Shri A. K. Pareek
General Manager

श्री के. एन. द्विवेदी
महाप्रबन्धक
Shri K. N. Dwivedi
General Manager

क्षेत्रीय प्रबन्धक

Regional Managers

श्री डी. डी. शुक्ला
जालोर
Shri D. D. Shukla
Jalore

श्री आर पी आत्रेय
पाली प्रथम
Shri R. P. Atrey
Pali I

श्री बलवन्त सिंह
जयपुर द्वितीय
Shri Balwant Singh
Jaipur II

श्री सत्यवीर सिंह
श्री गंगानगर
Shri Satyaveer Singh
Sri Ganganagar

श्री के. के. गुप्ता
जयपुर प्रथम
Shri K. K. Gupta
Jaipur I

श्री पंकज भार्गव
नागौर
Shri Pankaj Bhargav
Nagaur

श्री अभिमन्यु चारण
जोधपुर
Shri Abhimanyu Charan
Jodhpur

श्री कमल सक्सेना
उदयपुर
Shri Kamal Saxena
Udaipur

श्री एम. एस. चम्पावत
पाली द्वितीय
Shri M. S. Champawat
Pali II

श्री समन्दर सिंह गेहलोत
बीकानेर
Shri Samandar Singh Gehlot
Bikaner

श्री के. सी. जोशी
सिरोही
Shri K. C. Joshi
Sirohi

श्री संजीव झालानी
हनुमानगढ़
Shri Sanjeev Jhalani
Hanumangarh

श्री चतुर्भुज मीणा
बाड़मेर
Shri Chaturbhuj Meena
Barmer

हमारे परामर्शदाता

Our Mentors

श्री रजनीश कुमार
अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri Rajnish Kumar
Chairman, State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

श्री दिनेश कुमार खारा
प्रबंध निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri Dinesh Kumar Khara
Managing Director, State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

श्री एस. पी. सिंह
मुख्य महा प्रबंधक (ए. एण्ड एस.)
भारतीय स्टेट बैंक
कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई

Shri S. P. Singh
Chief General Manager (A&S)
State Bank of India
Corporate Centre, Mumbai

Developmental Activities

2018–19 के मुख्य बिन्दु

- बैंक का कुल व्यवसाय 2124.14 करोड़ रुपये (12.63%) की वृद्धि के साथ 18937.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।
- जमायें 9875.06 करोड़ रुपये से 1314.24 करोड़ रुपये (13.31%) की वृद्धि के साथ 11189.30 करोड़ रुपये हो गई है।
- CASA की हिस्सेदारी 54.71% से घटकर 51.53% हो गई है।
- अग्रिम 6937.84 करोड़ रुपये से 809.90 करोड़ रुपये (11.67%) की वृद्धि के साथ 7747.74 करोड़ रुपये हो गये हैं।
- शुद्ध लाभ 62.61 करोड़ रुपये है।
- सकल एनपीए 375.39 करोड़ रुपये (5.41%) से बढ़कर 31.03.2019 को 515.78 करोड़ रुपये (6.66%) हो गया है।
- शुद्ध एनपीए 140.58 करोड़ रुपये (2.10%) से बढ़कर 241.81 करोड़ रुपये (3.28%)हो गया है।
- प्रावधान कवरेज अनुपात 61.94% से घटकर 52.43% हो गयाहै।
- जमा की लागत 31.03.19 को 5.30% से घटकर 5.26% हो गयी है।
- प्रति शाखा कारोबार 31.03.19 को 24.29 करोड़ से बढ़कर 27.01 करोड़ हो गया है।
- प्रति कर्मचारी व्यवसाय 31.03.2019 को 6.17 करोड़ से बढ़कर 6.94 करोड़ हो गया है।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ 31.03.2019 को 2.24 लाख से बढ़कर 2.29 लाख हो गया है।
- नेटवर्थ 31.03.18 के स्तर 661.88 करोड़ से 9.46% वृद्धि के साथ 31.03.19 को 724.49 करोड़ हो गयी।
- आरक्षित निधि 31.03.18 के स्तर 479.95 करोड़ से बढ़कर 31.03.2019 को 542.56 करोड़ हो गयी हैं।
- 31.03.2019 को आस्तियों पर प्रतिलाभ 0.58% से घटकर 0.51% हो गया।
- 31.03.2019 को इक्विटी पर प्रतिलाभ 10.06% से घटकर 9.03% हो गया।
- अग्रिमों पर प्रतिफल 31.03.19 को 10.75% से आंशिक रूप से घटकर 10.14% हो गया।
- लागत आय अनुपात (व्यय अनुपात) 59.80% से बढ़कर 77.45% हो गया।
- निवल ब्याज आय 2018–19 में 450.74 करोड़ 0.87% से बढ़कर 454.65 करोड़ हो गयी।
- निवल ब्याज लाभ 31.03.19 को 4.57% से घटकर 4.02% हो गया।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31.03.18 के स्तर 10.21% से 1.57% घटकर 31.03.19 को 10.05% हो गया।
- अन्य आय 93.64 करोड़ के स्तर से 78.19% की वृद्धि के साथ 166.87 करोड़ के स्तर पर पहुँच गई है।
- अग्रिम में कृषि का भाग 6583.30 करोड़ है।
- कृषि क्षेत्र में 5675.36 करोड़ का ऋण वितरण किया गया।

Highlights 2018-19

- Total Business of the Bank has reached a level of Rs. 18937.04 crores with a growth of Rs. 2124.14 cr @ 12.63%.
- Deposits at Rs. 11189.30 Crore increased by Rs. 1314.24 Crore at 13.31% from Rs. 9875.06 Crore.
- The share of CASA has decreased to 51.53% from 54.71%
- Advances at Rs. 7747.74 Crore increased by Rs. 809.90 Crore at 11.67% from Rs. 6937.84 Crore.
- Net profit is at Rs. 62.61 cr
- Gross NPAs increased to Rs 515.78 Crore (6.66%) as on 31.3.2019 from Rs 375.39 Crore (5.41%).
- Net NPAs increased to Rs. 241.81 Cr (3.28%) from Rs. 140.58 Cr (2.10%).
- Provision Coverage Ratio decreased to 52.43% from 61.94%
- Cost of deposits decreased to 5.26% as on 31.03.19 from 5.30%.
- Business per Branch increased to Rs. 27.01 cr as on 31.03.2019 from Rs. 24.29 cr
- Business per Employee increased to Rs 6.94 cr as on 31.03.2019 from Rs. 6.17 cr
- Net Profit per Employee increased to Rs 2.29 lakh as on 31.03.2019 from Rs. 2.24 lakh
- Net worth increased to Rs. 724.49 Cr as on 31.03.19 from Rs.661.88 Cr as on 31.03.18 @ 9.46%.
- Reserves increased to Rs. 542.56 Cr as on 31.03.2019 from Rs.479.95 Cr as on 31.3.18
- Return on Assets reduced to 0.51% as on 31.3.19 from 0.58%.
- Return on Equity reduced to 9.03% as on 31.3.19 from 10.06%.
- Yield on advances marginally declined to 10.14% as on 31.3.19 from 10.75%.
- Cost to Income Ratio (Expenses Ratio) has increased to 77.45% from 59.80%
- NII was up by 0.87%. It increased to Rs 454.65 Crore in 2018-19 from Rs 450.74 Crore.
- NIM decreased to 4.02% as on 31.3.19 from 4.57%.
- Capital Adequacy Ratio at 10.05% as on 31.03.19 down by 1.57% vis-à-vis 10.21% as on 31.3.2018.
- Other Income grew by 78.19% to reach a level of Rs 166.87 Crore from Rs 93.64 Cr.
- Credit to Agriculture at Rs. 6583.30 Cr
- Disbursed Rs 5675.36 Crore to agriculture.

Chairman's Message

It gives me immense pleasure to present the 5th Annual Report of Rajasthan Marudhara Gramin Bank for the financial year 2018-19. Our Bank has its roots deep in the western territories of the largest state of our country i.e. Rajasthan. Our Bank has increased its presence in the state with continuous business growth and positioning of RMGB brand in the mindsets of our customers and inhabitants of our area of operations. We have been able to change the traditional perception of Rural Bank and established ourselves by offering digital banking products equipped with latest technology.

For the third consecutive year our Bank has shown its efficiency by registering net profit of Rs. 62.61 crore which has grown by Rs 1.55 crore over the previous year level of Rs 61.06 crore. The important factor in increasing profitability of the bank has been the interest income received from investments which has increased by 22.45% to the level of Rs 306.24 crore over the previous year level of Rs 56.15 crore. With an increase of Rs 363.43 crore in low cost deposit and efficient management, Bank has efficiently managed its borrowings thus the cost of borrowing has reduced by 15.14%.

During the year, total investment portfolio has increased by 17.07% to Rs 4252.09 crore over the previous year level of Rs 3629.12 crore. The bank has adhered to all the regulatory guidelines which have strengthened the fundamentals and with introduction of Standard Operating Procedures and processes the bank will achieve newer heights. The credit portfolio of the bank increased by 11.68% to Rs 7747.85 crore during the financial year. In order to address the concentration risk, we have focused on diversifying our advances portfolio. Total agriculture advances reduced to the level of 84.98% of the total advances as against 87.23% of the previous year.

In order to reduce the credit risk and maintain assets quality the bank has enrolled for membership of four credit rating agencies i.e. CIBIL, CRIF Highmark, Equifax and Experian. During the year gross NPA of the bank stood at 6.66% of total advances and net NPA stood at 3.28%. The Bank has introduced OTS (One Time Settlement) schemes to encourage recovery in non-performing accounts. The Bank has recovered Rs 39.96 cr by compromise during the previous year, total amount sacrificed Rs 5.04 cr in compromise schemes.

IS audit was conducted for all the 12 Regional Business Offices and Information Technology Department at the Head Office. During the year Bank's Board has reviewed all the policies and put in place for meticulous adherence. All these policies have been drafted with incorporating guidelines/instructions of GoI, RBI, NABARD and Sponsor Bank. All the operations of the bank are governed by these policies.

Being a pioneer in Financial Inclusion activities, our Bank has implemented all Social Security Schemes and Government Sponsor Scheme in our areas of operations. A total number of 22459 Atal Pension Yojana enrolments were done by the Bank during the year.

The year 2018-19 was the year of transformation for our Bank. A lot of young and dynamic officers and employees joined our workforce. We have effectively utilized training centers and expertise of State Bank of India to impart training to the young workforce. The Bank is continuously identifying training needs and imparting specialized training to bridge knowledge and expertise gap.

The Bank is focusing on establishing structures and processes to strengthen controlling offices. Key responsibility areas have been identified and shared with officers and employees. Efficiency of Assets Management Hubs has been increased to reduce Turn Around Time and establish highest standards of customer service.

The financial year 2018-19 has been important for the Bank as it has seen changes in the management at the top level and at Regional Business office levels. As the Bank has grown in stature and expertise, establishment of processes and SOPs (Standard Operating Procedures) has become significant.

The composition of the Board of Directors has also changed to incorporate in insights from experts of different domains. I am grateful to Shri D K Khara (Managing Director), Shri S P Singh (Chief General Manager, A&S) and Shri S Ganesan (General Manager, RRB), Shri S Chand (Chief General Manager, NABARD), Shri Arun Kumar Sinha (Regional Director, RBI) for their guidance and support, without which our Bank would not have performed in such a way and Brand RMGB would not have established in the minds of our customers and regulators.

I also thank, the management committee of our Bank and every staff member for their support, consideration and co-operation during this journey. All of them have accepted their targets, challenges and have performed beyond expectations. All of them are committed to establish RMGB at the pinnacle of success.

At the end, I want to thank lacs of customers for building their faith and trust in our Bank and for giving us the opportunity to serve them.

Yours Sincerely

Gyanendra Kumar Jain
{Chairman}

बैंक प्रगति एक दृष्टि में

PERFORMANCE OF THE BANK AT A GLANCE

(राशि करोड़ों में / Rs. in Crores)

INDICATORS			2016-17	2017-18	2018-19
A	**प्रधान निष्पादन संकेतक**	**KEY PERFORMANCE INDICATORS**			
1	जिलों की संख्या	No. of Districts covered	15	15	15
2	शाखाओं की संख्या	No. of Branches	666	692	701
	अ) ग्रामीण	a) Rural	502	521	524
	ब) अर्द्ध शहरी	b) Semi Urban	121	128	132
	स) शहरी	c) Urban	25	25	26
	द) महानगरीय	d) Metropolitan	18	18	19
	द) अतिलघु शाखा	e) Ultra-Small Branches	0	0	0
3	कुल स्टॉफ	Total Staff	2462	2725	2729
	(प्रयोजक बैंक स्टॉफ को छोड़कर)	(excluding Sponsor Bank Staff)			
	जिसमें से अधिकारी	of which, Officers	1368	1555	1540
4	जमाएँ	Deposits	9196.13	9875.05	11189.30
	वृद्धि %	Growth%	26.00	7.38	13.31
5	उधार बकाया	Borrowings outstanding	446.00	697.16	695.21
6	सकल ऋण एवं अग्रिम बकाया	Gross Loans & Advances outstanding	5513.42	6937.84	7747.44
	वृद्धि %	Growth %	0.11	25.84	11.67
	ऊपर 6 में से प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण	of 6 above, loans to Priority Sector	4707.70	6576.29	7292.00
	ऊपर 6 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण	of 6 above, loans to Non Target Groups	3964.17	5025.07	5611.46
	ऊपर 6 में से आ.जा./अ.ज.जा. को ऋण	of 6 above, loans to SC/ST	1504.61	1820.49	2032.93
	ऊपर 6 में से ल.कृ./सी.कृ./कृ.म. को ऋण	of 6 above, loans to SF/MF/AL	3499.37	1787.28	1847.33
	ऊपर 6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण	of 6 above, loans to Minorities	1060.78	1318.88	1472.79
	ऊपर 6 में से महिलाओं को ऋण	of 6 above, loans to Women	1045.89	1264.76	1175.84
7	साख जमा अनुपात	CD Ratio	59.95	70.26	69.24
8	विनियोजन बकाया	Investments Outstanding			
	एस एल आर विनियोजन बकाया	SLR Investments Outstanding	2867.40	2603.50	2629.39
	गैर एस एल आर विनियोजन बकाया	Non-SLR Investment Outstanding	1330.92	970.97	1554.09
B	**औसत**	**AVERAGE**			
9	औसत जमाएँ	Average Deposits	8259.71	9107.66	10361.78
	वृद्धि %	Growth %	25.78	10.26	13.76
10	औसत बकाया	Average Borrowings	870.24	579.88	724.54
	वृद्धि %	Growth %	-60.00	-33.36	24.95
11	औसत सकल ऋण एवं अग्रिम	Average Gross Loans and Advances	5867.32	6662.40	7249.41
	वृद्धि %	Growth %	19.26	13.55	8.81
12	औसत विनियोजन	Average Investments	3356.14	3190.34	4062.18
	वृद्धि %	Growth %	-16.18	-4.94	27.33
	औसत एस एल आर विनियोजन	Average SLR investments	2322.53	2634.79	2628.84
	औसत जमाओ के विरूद्ध का %	as % to average deposits	28.12	28.93	25.37
	औसत गैर एस एल आर विनियोजन	Average Non-SLR Investments	1033.61	555.55	1433.34
	औसत जमाओ के विरूद्ध का %	as % to average deposits	12.51	6.10	13.82
13	औसत कार्यशील कोष	Average working funds	10028.16	10545.69	12202.10

C	**वर्ष के दौरान वितरित ऋण**	**LOANS DISBURSED DURING THE YEAR**			
14	वर्ष के दौरान वितरित ऋण	Loans disbursed during the year	5263.55	6527.45	6238.58
	वृद्धि %	Growth %	-4.83	24.01	-4.43
	ऊपर 14 में से प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण	of 14 above, loans to Priority Sector	5089.41	6333.75	5871.84
	ऊपर 14 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण	of 14 above, loans to Non-target Groups	1375.89	1769.81	1691.49
	ऊपर 14 में से अ.जा./अ.ज.जा. को ऋण	of 14 above, loans to SC/ST	74.23	80.57	77.00
	ऊपर 14 में से ल.कृ./सी.कृ./कृ.म. को ऋण	of 14 above, loans to SF/MF/AL	3907.47	1802.87	1723.08
	ऊपर 14 में से अल्पसंख्यको को ऋण	of 14 above, loans to Minorities	608.46	664.26	634.86
	ऊपर 14 में से महिलाओं को ऋण	of 14 above, loans to Women	470.56	524.06	500.87
D	**उत्पादता (सकल व्यवसाय पर आधारित)**	**PRODUCTIVITY (based on Total Business)**			
15	प्रति शाखा	Per Branch	22.08	24.29	27.01
	प्रति स्टाफ	Per Staff	5.97	6.16	6.94
E	**वसूली निष्पादन**	**RECOVERY PERFORMANCE**	July 15 to June 16	July 16 to June 17	July 17 to June 18
16	कुल	TOTAL			
	मांग	Demand	5080.93	5635.26	6535.75
	वसूली	Recovery	4209.34	4270.86	5153.68
	अतिदेय	Over dues	871.59	1364.40	1382.07
	वसूली % (जून की स्थिति)	Recovery % (June position)	82.85	75.79	78.85
17	कृषि क्षेत्र	FARM SECTOR			
	मांग	Demand	4862.51	5440.00	6366.83
	वसूली	Recovery	4034.86	4109.46	5009.89
	अतिदेय	Over dues	827.64	1330.54	1356.94
	वसूली % (जून की स्थिति)	Recovery % (June position)	82.98	75.54	78.69
18	गैर कृषि क्षेत्र	NON-FARM SECTOR			
	मांग	Demand	218.42	195.26	168.92
	वसूली	Recovery	174.48	161.40	143.80
	अतिदेय	Over dues	43.95	33.86	25.12
	वसूली % (जून की स्थिति)	Recovery % (June position)	79.88	82.66	85.13
F	**आस्तियों का वर्गीकरण**	**ASSETS CLASSIFICATION**			
19	अ) मानक	(a) Standard	5035.06	6562.45	7231.96
	ब) अवमानक	(b) Sub-Standard	100.57	120.92	226.03
	स) संदिग्ध	(c) Doubtful	377.10	253.75	288.45
	द) डूबत	(d) Loss	0.67	0.70	1.28
	कुल	Total	5513.42	6937.84	7747.74
20	सकल ऋण के विरूद्ध मानक आस्तियों का %	Standard Assets as % to Gross Loans & Advances O/S	91.32	94.59	93.34
G	**लाभप्रदता विश्लेषण**	**PROFITABILITY ANALYSIS**			
21	ब्याज का भुगतान	Interest paid on			
	अ) जमाओं पर	a) Deposits	468.53	482.38	544.62
	ब) उधार पर	b) Borrowings	60.37	39.85	42.21
22	वेतन (अवकाश नगदीकरण सहित)	Salary (including leave encashment)	208.48	247.00	368.66
23	अन्य परिचालन व्यय	Other Operating Expenses	73.32	78.54	112.71

24	वर्ष के दौरान किये गये प्रावधान	Provisions made during the year			
	अ) एनपीए के विरूद्ध	(a) Against NPA's	55.00	83.00	40.00
	ब) अन्य प्रावधान	(b) Other Provisions	37.37	74.77	37.53
25	ब्याज प्राप्त	Interest received on			
	अ) ऋण एवं अग्रिमों पर	(a) Loans & Advances	654.34	722.89	735.24
	ब) निवेश	(b) Investments	261.04	250.08	306.24
	स) अन्य	(c) others	0.00	0.00	0.00
26	विविध आय	Other Income	100.77	93.64	166.87
27	लाभ	Profit	113.06	61.05	62.61
H	**अन्य सूचनाऐं**	**OTHER INFORMATION**			
28	अंश जमा पूंजी	Share Capital Deposit	181.93	181.93	181.93
29	डीआईसीजीसी	DICGC			
	अ) दावा निस्तारित संचयी	(a) Claims settled cumulative	0.00	0.00	0.00
	ब) प्राप्त दावे जिनका सामायोजन बकाया हैं	(b) Claims received but pending adjustment	0.00	0.00	0.00
	स) निगम के पास बकाया दावे	(c) Claims pending with Corporation	0.00	0.00	0.00
30	संचयी प्रावधान	Cumulative Provision	194.42	317.94	448.69
	अ) एनपीए के विरूद्ध	(a) Against NPAs	160.19	232.51	268.84
	ब) अमूर्त आस्तियां कपट इत्यादि के विरूद्ध	(b) Against Intangible Assets Frauds etc.	34.22	85.42	179.85
31	वर्ष के दौरान अपलेखित ऋण	Loans Written off during the year			
	अ) समझौता के तहत अपलेखन	(a) Write-offs on account of compromise settlement	12.80	10.67	3.68
	ब) वास्तविक अपलेखित	(b) Actual Written-offs	0.00	0.00	0.00
32	संचित हानि	Accumulated loss	-101.24	0.00	0.00
33	आरक्षतियाँ	Reserves	424.94	479.94	542.56
	शुद्ध एनपीए	Net NPAs	215.68	140.58	244.81
	सकल एनपीए प्रावधान का %	% Provisions to Gross NPAs	33.49	61.94	52.12
	अग्रिमों के विरूद्ध सकल एनपीए का %	% Gross NPAs to Advances	8.68	5.41	6.66
	अग्रिमों के विरूद्ध शुद्ध एनपीए का %	% Net NPAs to Advances	4.11	2.10	3.28
	सीआरएआर	CRAR	10.60	10.21	10.05

निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन 2018–19

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक के निदेशक मंडल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 की धारा 20 के तहत बैंक के पंचम वार्षिक प्रतिवेदन 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अंकेक्षित तुलन पत्र, लाभ हानि खाता एवं वैधानिक अंकेक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

व्यापार समीक्षा

बैंक का व्यवसाय 31.03.2019 को 12.36 प्रतिशत की दर से 2,124.14 करोड़ रु की वृद्धि दर्ज करते हुए 31.03.2018 के 16,812.90 करोड़ रु के मुकाबले 18,937.04 करोड़ रु पर पहुंचा। कुल व्यापार वृद्धि में 38 प्रतिशत ऋण और अग्रिम द्वारा 2,124.14 करोड़ रु तथा शेष 62 प्रतिशत जमाओं द्वारा योगदान दिया गया। वित्त वर्ष 2017–18 में जमा और अग्रिम के बीच वृद्धि का वितरण 46 प्रतिशत और 54 प्रतिशत के अनुपात में था।

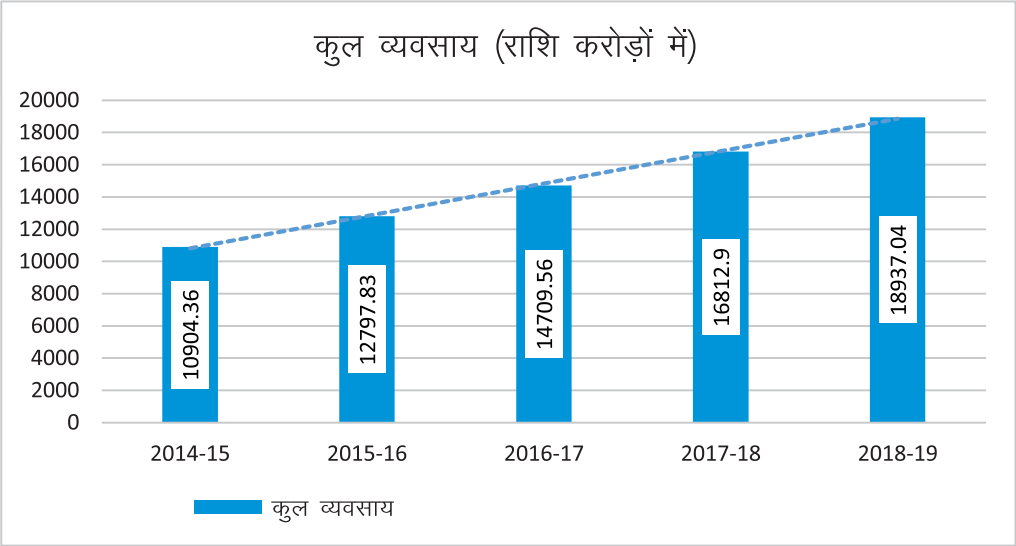

लाभ विश्लेषण

पिछले वित्त वर्ष 2017–18 में 61.06 करोड़ रूपये की तुलना में बैंक ने 2.54 प्रतिशत की वृद्धि दर से वित्त वर्ष 2018–19 में 62.61 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

पिछले वर्ष की तुलना में कुल ब्याज आय में 68.50 करोड़ रूपये की वृद्धि दर्ज की गयी, जिसमें से निवेश पर ब्याज 56.15 करोड़ रूपये है।

पिछले वित्त वर्ष के 218.83 करोड़ रूपये के परिचालन लाभ की तुलना में दिनांक 31.03.2019 को बैंक का परिचालन लाभ 140.14 करोड़ रूपये है। पेंशन देयता के प्रावधान 118.13 करोड़ रूपये के कारण वर्ष के दौरान परिचालन लाभ में 78.69 करोड़ रूपये (35.96 प्रतिशत) की कमी हुई।

Board of Directors' Report 2018-19

We have pleasure in presenting the 5th Annual Report of Rajasthan Marudhara Gramin Bank (RMGB) together with the Audited Statement of Accounts, Auditor's Report and the report on business and operations of the Bank for the financial year ended on 31st March, 2019.

Business Review

The Bank's business has registered a growth of Rs. 2124.14 Crore at 12.36 % to reach at Rs. 18937.04 crore as on 31st March 2019 as against Rs. 16812.90 Crore as on 31.03.2018. 38 % of total business growth of Rs. 2124.14 crore was contributed by Loans and Advances and the remaining 62 % by deposits with an absolute growth of Rs. 809.90 crore and Rs 1314.24 crore respectively. The distribution of growth between deposits and advances in FY 2017-18 was in the ratio of 46% and 54%.

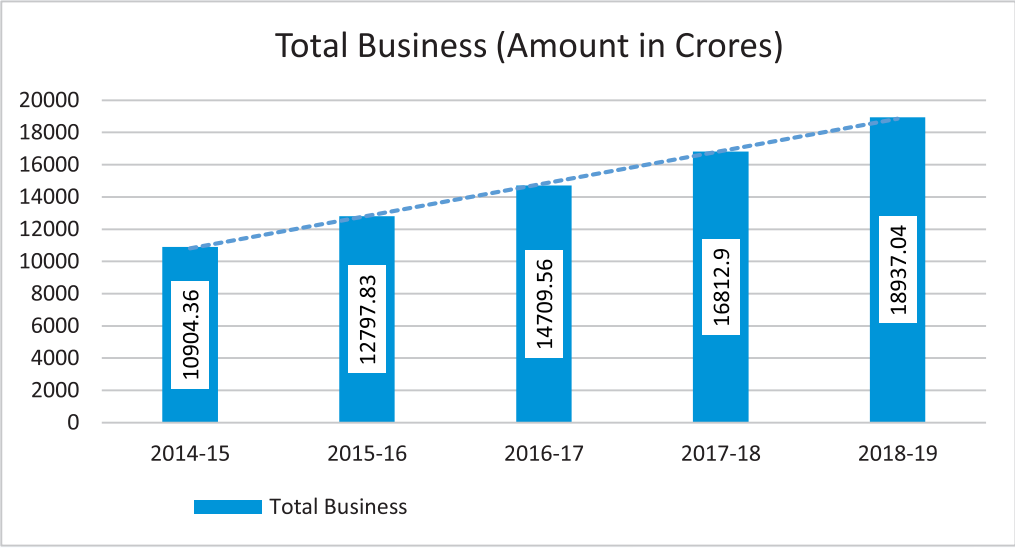

Profit Analysis

The Bank registered a Net Profit of Rs. 62.61 Crore for the year 2018-19 as against Rs. 61.06 Crore for the previous FY 2017-18 at a growth rate of 2.54%.

Increase in interest income by Rs. 68.50 Cr (which includes, interest on investment Rs. 56.15 Cr).

The Operating profit of the Bank stood at Rs. 140.14 Crore as on 31.03.19 vis-à-vis previous FY's figure of Rs. 218.83 Crore. There is a decrease of Rs. 78.69 crores (35.96%) in operating profit during this year. This is due to increase in provisioning due to pension liability of Rs. 118.13 crores this year.

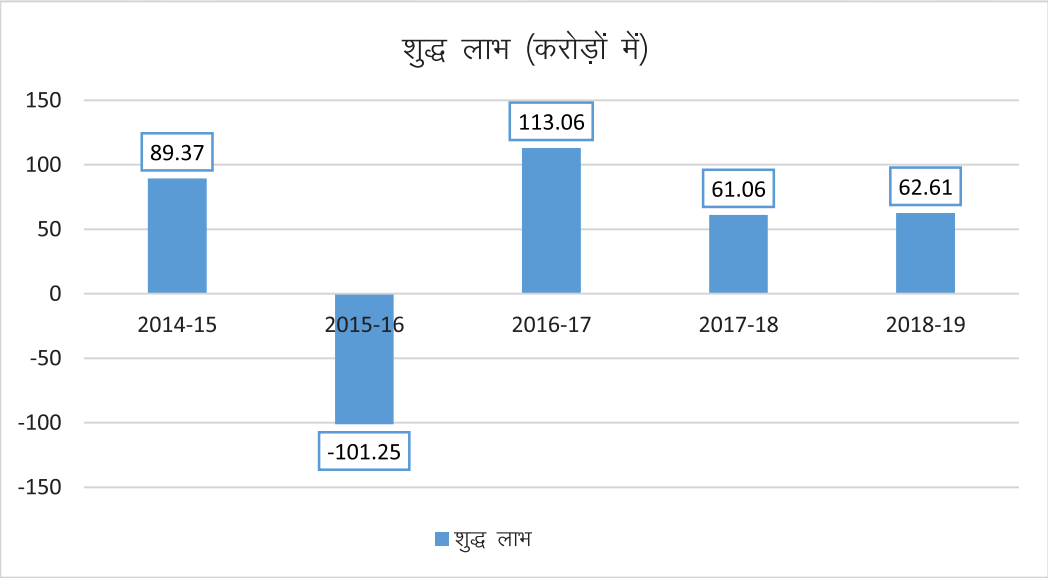

आय एवं व्यय –

(राशि करोड़ों में)

विवरण	2016-17	2017-18	2018-19	प्रतिशत वृद्धि
अर्जित ब्याज	915.39	972.98	1041.48	7.04
व्यय किया गया ब्याज	528.91	522.23	586.83	12.37
अन्य आय	100.77	93.64	166.87	78.20
अन्य व्यय	281.81	325.56	481.37	47.86
सकल लाभ/परिचालन लाभ	205.44	218.83	140.14	-35.96
कर	36.69	34.71	35.03	0.92
आस्थगित कर परिसम्पति और पहले वर्ष समायोजन (आधिक्य)	0.00	0.00	0.00	0.00
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	55.68	123.06	42.5	-65.46
पूर्व अवधि मूल्यहास और किराया	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष का शुद्ध लाभ	113.07	61.06	62.61	2.54

शुद्ध ब्याज आय

वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज की आय 1041.48 करोड़ रूपये है जबकि कुल ब्याज व्यय 586.83 करोड़ रूपये है। शुद्ध ब्याज आय 3.91 करोड़ रूपये की वृद्धि के साथ 454.65 करोड़ रूपये है, जो पिछले वर्ष 2017–18 में शुद्ध ब्याज आय के 450.74 करोड़ रूपये की तुलना में 0.87 प्रतिशत अधिक है।

ब्याज व्यय

- पिछले वित्त वर्ष में जमाओं पर देय ब्याज 482.38 करोड़ रूपये में 62.24 करोड़ रूपये (12.90:) की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष में 544.62 करोड़ रूपये हो गया।
- पिछले वित्त वर्ष 2017–18 में प्रदत्त उधार पर ब्याज 39.85 करोड़ रूपये की तुलना में 2.36 करोड़ रूपये की वृद्धि के साथ बैंक ने चालू वर्ष के दौरान 42.21 करोड़ रूपये उधार पर ब्याज (नाबार्ड से प्राप्त पुनर्वित्त) का भुगतान किया है।

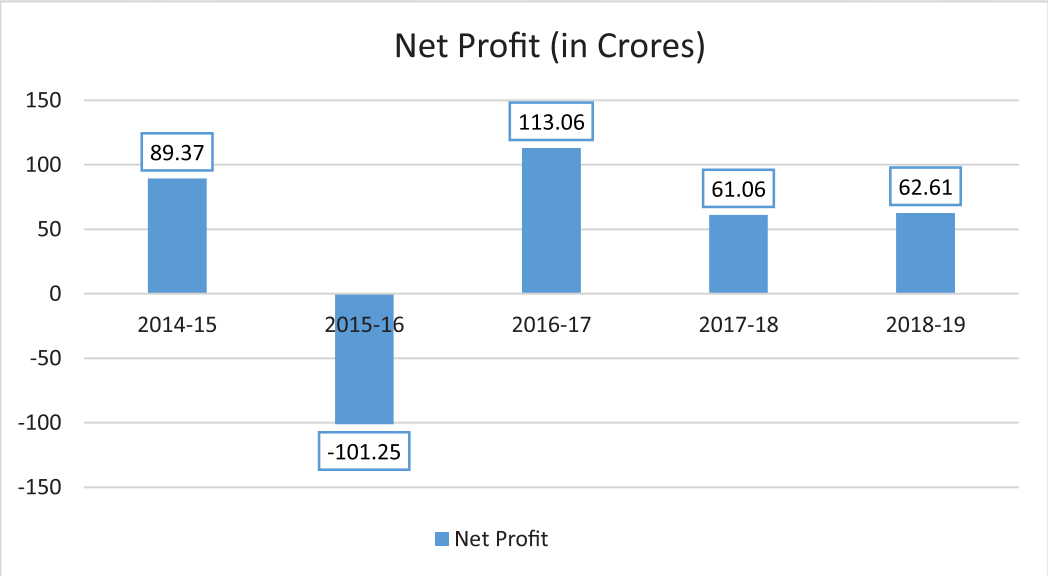

Income and Expenditure

(Rs. in Crores)

Particulars	2016-17	2017-18	2018-19	Growth %
Interest Income	915.39	972.98	1041.48	7.04
Interest Expenditure	528.91	522.23	586.83	12.37
Non-Interest Income	100.77	93.64	166.87	78.20
Non-Interest Expenditure	281.81	325.56	481.37	47.86
Gross Profit/Operating profit	205.44	218.83	140.14	-35.96
Taxes	36.69	34.71	35.03	0.92
Deferred Tax Asset & Earlier year adjustments (excess)	0.00	0.00	0.00	0.00
Provisions and Contingencies	55.68	123.06	42.5	-65.46
Prior Period depreciation & rent	0.00	0.00	0.00	0.00
Net Profit	113.07	61.06	62.61	2.54

Net Interest Income

Total interest income earned during the year is Rs. 1041.48 crores whereas total interest expenditure is at Rs. 586.83 crores. The net interest income has increased by Rs. 3.90 Crore to Rs. 454.65 crore during the year vis-à-vis Rs. 450.75 crores in 2017-18 with a growth rate of 0.87%.

Interest Expenditure

- Interest paid on deposits has increased to Rs 544.62 Crore from the last FY's figure of Rs 482.38 Crore by Rs 62.24 Crore (12.90%).
- The Bank has paid Rs 42.21 Crore towards interest on borrowings (refinance from NABARD,) during the year as against Rs 39.85 Crore of FY 2017-18 with an increase of Rs 2.36 Crore.

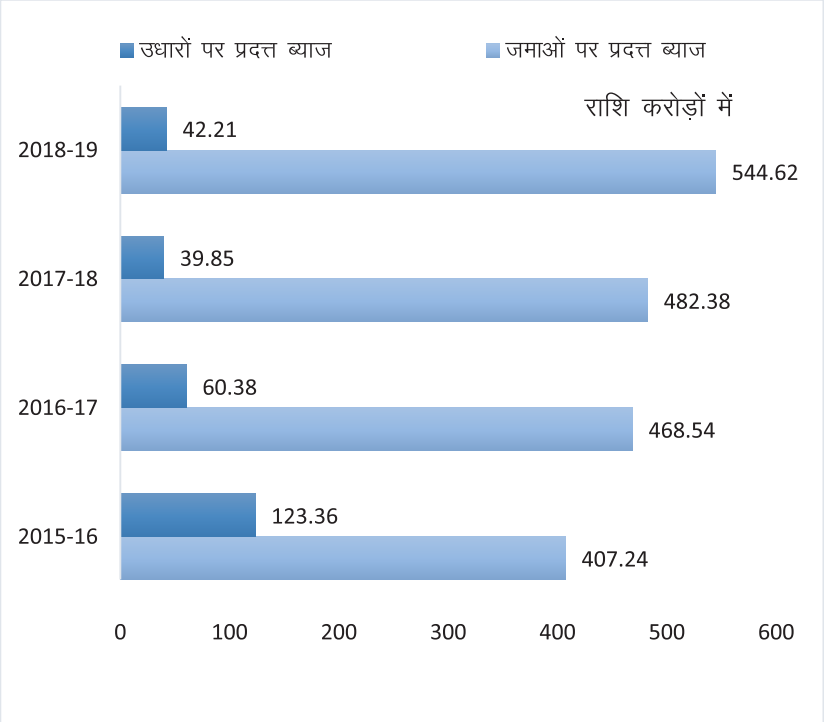

परिचालन व्यय –

पिछले वित्त वर्ष 2017–18 में व्यय हुए 325.56 करोड़ रूपये की तुलना में परिचालन व्यय 155.81 करोड़ रूपये (47.86 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष 2018–19 में 481.37 करोड़ रूपये हो गये।

ब्याज आय

- कुल वृद्धि 68.50 करोड़ रूपये (7.04 प्रतिशत) के साथ चालू वित्त वर्ष में ब्याज आय पिछले वर्ष की 972.98 करोड़ रूपये से बढकर 1041.48 करोड़ रूपये हो गयी।
- 12.35 करोड़ रूपये (1.71 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2017–18 में अर्जित 722.89 करोड़ रूपये की तुलना में चालू वित्त वर्ष में ऋण एवं अग्रिम से 735.24 करोड़ रूपये की ब्याज आय अर्जित की।
- पिछले वित्त वर्ष 2017–18 में प्राप्त 250.09 करोड़ रूपये की तुलना में विनियोजन पर प्राप्त ब्याज आय 56.15 करोड़ रूपये (22.45%) की वृद्धि के साथ 306.24 करोड़ रूपये हुई।

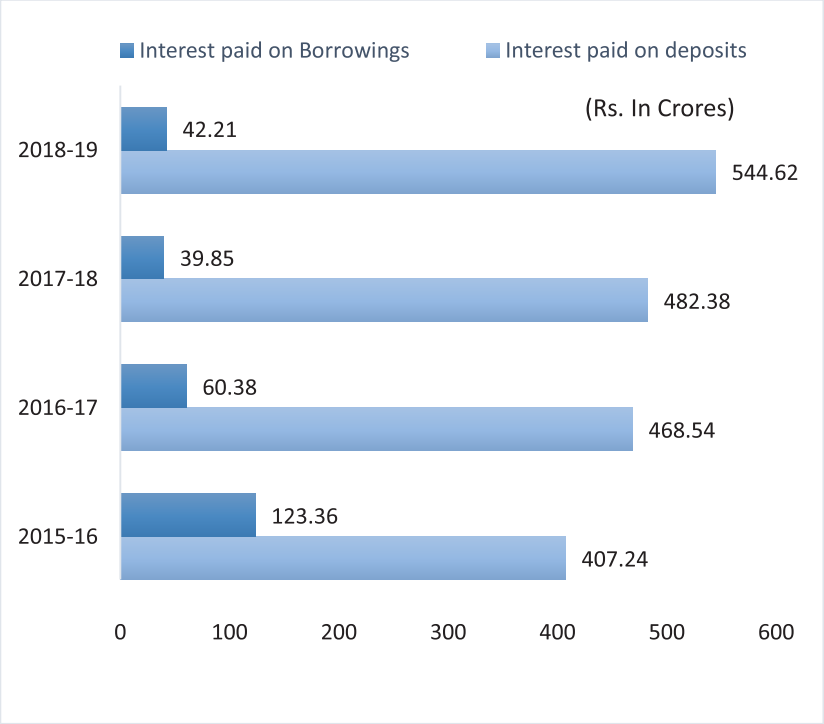

Operating Expenditure

Operating expenditure has increased by Rs. 155.81 Crore (47.86%) to Rs. 481.37 Crore in 2018-19 from Rs. 325.56 Crore in previous FY 2017-18.

Interest Income

- Interest income increased from Rs 972.98 Crore to Rs. 1041.48 Crore during the FY with an absolute growth of Rs 68.50 Crore (7.04%)
- The Bank has earned an interest income of Rs 735.24 Crore from loans and advances in current fiscal as against Rs 722.89 Crore in 2017-18 with an increase of Rs 12.35 Crore (1.71%).
- The interest income received from investments has increased by Rs 56.15 Crore at 22.45% to reach Rs. 306.24 Crore as against Rs 250.09 Crore in the previous FY.

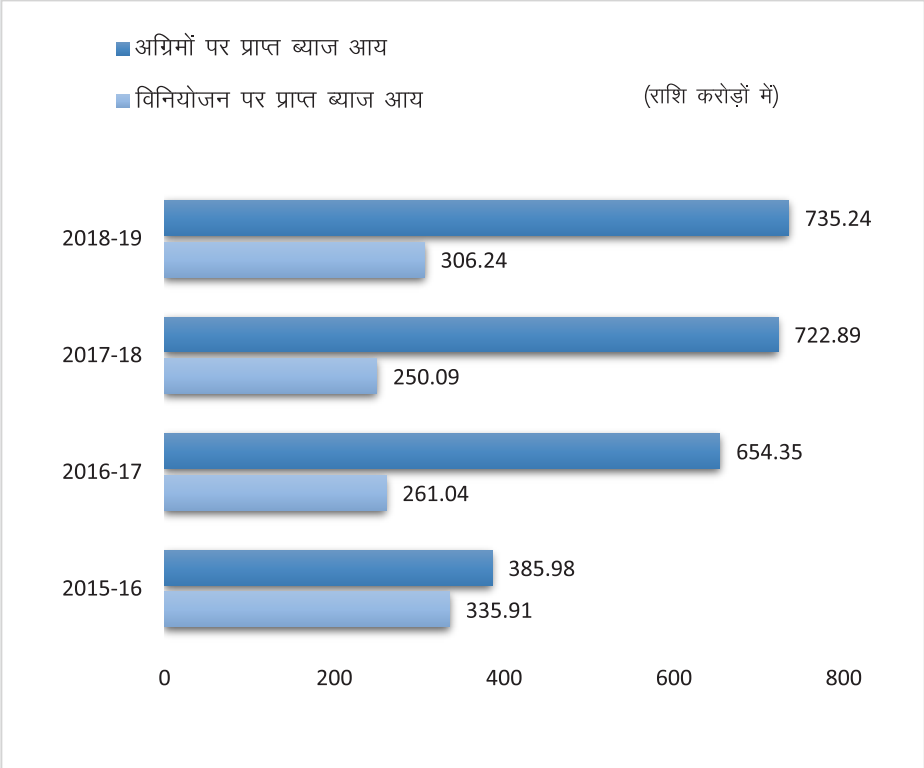

एनपीए के लिए प्रावधान –

बैंक ने वित्त वर्ष के दौरान एनपीए पर 40.00 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। अग्रिमों पर उपलब्ध कुल प्रावधान 288.99 करोड़ रूपये (मानक आस्तियों पर 20.15 करोड़ रूपये का सन्चित प्रावधान सहित) हैं।

(राशि करोड़ों में)

आस्तियाँ	2017-18		2018-19	
	बकाया	प्रावधान	बकाया	प्रावधान
मानक	6562.45	17.65	7231.96	20.15
अवमानक	120.93	12.83	226.04	24.03
संदिग्ध	253.75	218.98	288.45	243.52
हानिगत	0.71	0.71	1.29	1.29
कुल	**6937.84**	**250.17**	**7747.74**	**288.99**

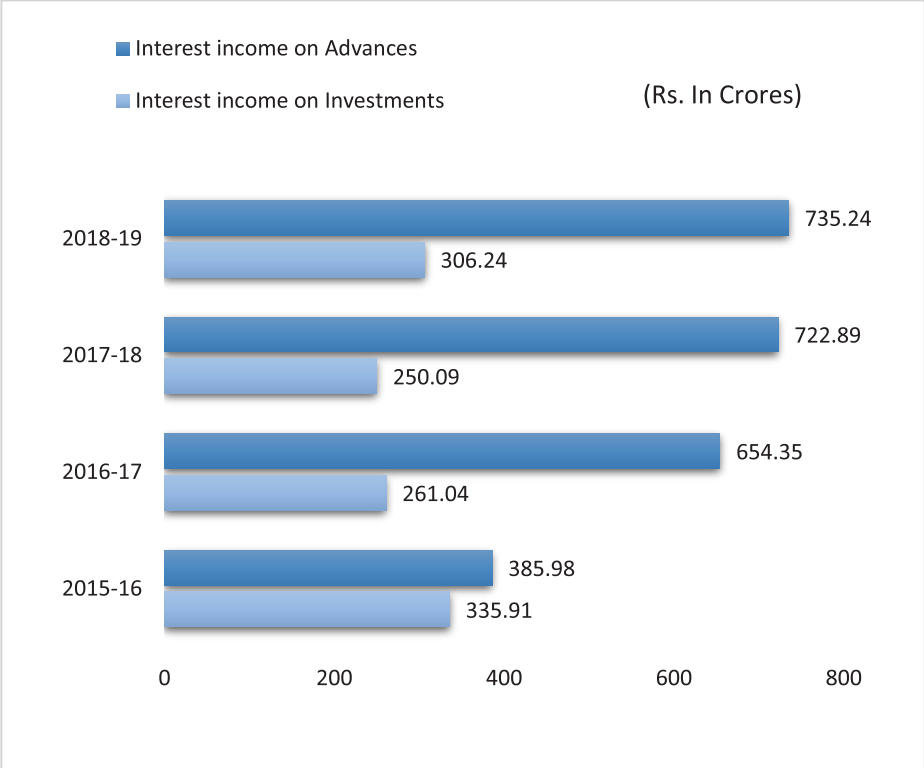

Provision for NPAs:

The Bank has made a provision of Rs. 40.00 Cr on NPAs during the year, taking the total Provisions available on Advances to Rs. 288.99 Cr (including cumulative provision of Rs.20.15 Cr on Standard Assets).

(Rs. In crores)

Assets	2017-18		2018-19	
	O/s	Provision	O/s	Provision
Standard	6562.45	17.65	7231.96	20.15
Sub Standard	120.93	12.83	226.04	24.03
Bad & Doubtful	253.75	218.98	288.45	243.52
Loss	0.71	0.71	1.29	1.29
Total	**6937.84**	**250.17**	**7747.74**	**288.99**

अनुपात विश्लेषण –

क्र.सं.	अनुपात	2017-18	2018-19	
			राशि अनुपात	% परिवर्तन
1	अग्रिमों पर प्राप्ति	10.75	10.14	-5.67
2	निवेशों पर प्राप्ति	7.53	7.54	0.13
3	जमाओं की लागत	5.30	5.26	-0.75
4	पुनर्वित्त की लागत	6.87	5.83	-15.14
5	निधियों की औसत लागत	4.95	4.81	-2.83
6	निधियों पर औसत प्रतिफल	9.07	8.54	-5.84
7	प्रबन्धन लागत	3.09	3.95	27.83
8	कार्यशील निधि के विरूद्ध विविध आय का प्रतिशत	0.89	1.37	53.93
9	निवल मार्जिन	0.75	0.80	6.67
10	वित्तीय मार्जिन	4.12	3.73	-9.47
11	जोखिम लागत	1.17	0.35	-70.09
12	सम्पतियों पर प्रतिफल	0.58	0.51	-12.07
13	प्रतिफल की सकल दर	0.39	0.36	-7.69
14	खर्च अनुपात	59.80	77.45	29.52
15	सकल गैर निष्पादित आस्तियाँ	375.39	515.78	37.40
16	निविल गैर निष्पादित आस्तियाँ	140.58	244.81	74.14
17	सकल एन.पी.ए. का प्रावधान प्रतिशत	61.94	52.12	-15.85
18	सकल अग्रिम में सकल एन.पी.ए. का प्रतिशत	5.41	6.66	23.11
19	निवल अग्रिम में निवल एन.पी.ए. का प्रतिशत	2.10	3.28	56.19
20	पूंजी पर्याप्तता अनुपात	10.21	10.05	-1.57

तुलन पत्र का आकार –

मार्च, 2018 के स्तर से 1525.43 करोड़ रूपये की वृद्धि के साथ तुलन पत्र का आकार 12928.21 करोड़ रूपये रहा।

पूंजी एवं आरक्षितियाँ

अधिकृत पूंजी–

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (संशोधन अधिनियम) 2015 के अनुसार बैंक की अधिकृत पूंजी 100 रूपये प्रति शेयर की दर से 5,00,000 शेयर कुल 5 करोड़ रूपये से बढाकर 10 रूपये प्रति शेयर की दर से 200 करोड़ शेयर कुल 2,000 करोड़ रूपये कर दी गयी।

प्रदत्त पूंजी –

बैंक की प्रदत्त पूंजी 181.93 करोड़ रूपये रही, जिसे भारत सरकार, राज्य सरकार एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 50:15:35 के अनुपात में अभिदत्त किया गया है। दिनांक 31.03.2018 को उपलब्ध 479.95 करोड़ रूपये की आरक्षितियां 62.61 करोड़ रूपये (13.04 प्रतिशत) से बढकर दिनांक 31.03.2019 को 542.56 करोड़ रूपये हो गयी।

Ratio Analysis

S.No.	Ratios	2017-18	2018-19	
			Amt /Ratio	% Change
1	Yield on advances	10.75	10.14	-5.67
2	Yield on investments	7.53	7.54	0.13
3	Cost of deposits	5.30	5.26	-0.75
4	Cost of borrowings	6.87	5.83	-15.14
5	Avg. cost of funds	4.95	4.81	-2.83
6	Avg. return of funds	9.07	8.54	-5.84
7	Cost of management	3.09	3.95	27.83
8	Misc .Income as % to Working Funds	0.89	1.37	53.93
9	Net Margin	0.75	0.80	6.67
10	Financial Margin	4.12	3.73	-9.47
11	Risk Cost	1.17	0.35	-70.09
12	Return on Assets	0.58	0.51	-12.07
13	Gross Rate of return	0.39	0.36	-7.69
14	Expenses ratio	59.80	77.45	29.52
15	Gross NPAs	375.39	515.78	37.40
16	Net NPAs	140.58	244.81	74.14
17	% Provisions to gross NPAs	61.94	52.12	-15.85
18	% Gross NPAs to advances	5.41	6.66	23.11
19	% Net NPAs to advances	2.10	3.28	56.19
20	CRAR	10.21	10.05	-1.57

Balance Sheet Size

The balance sheet size amounted to Rs. 12928.21 crores with an increase of Rs. 1525.43 Crores over March 2018 level.

Capital & Reserves

Authorized Capital:

Pursuant to The Regional Rural Banks (Amendment Act) 2015, The Bank raised the Authorized Capital of the Bank from 5,00,000 Equity Shares of Rs. 100/- each aggregating to Rs. 5 Crores to 200,00,00,000 Equity Shares of Rs. 10/- each aggregating to Rs. 2000 Crores.

Paid up Capital:

The Bank's paid up capital stood at Rs. 181.93 Cr. subscribed by Government of India, State Government and State Bank of India in the ratio of 50:15:35. The Reserves increased by Rs 62.61 Crore at 13.04% from Rs 479.95 Cr as on 31.03.18 to Rs 542.56 Cr as on 31.03.19.

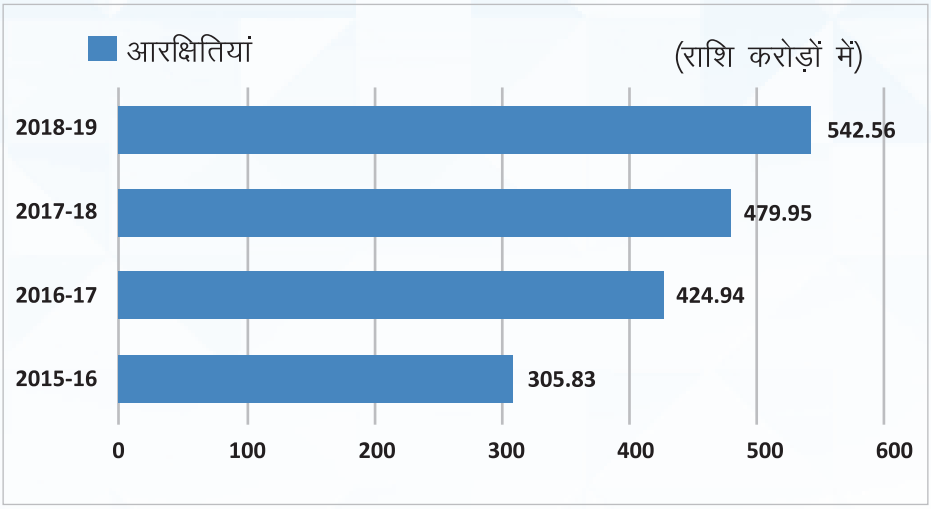

निवल मूल्य –

पिछले वित्त वर्ष में 661.88 करोड़ रूपये के निवल मूल्य की तुलना में 62.61 करोड़ रूपये (9.46:) की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष में निवल मूल्य 724.49 करोड़ रूपये रहा।

पूँजी पर्याप्तता अनुपात दिनांक 31.03.2018 के 10.21 प्रतिशत से घटकर वर्ष के अन्त में 10.05 प्रतिशत रहा, जो डॉ. के.सी. चक्रवर्ती समिति द्वारा निर्धारित पूँजी पर्याप्तता अनुपात न्यूनतम 9 प्रतिशत के स्तर से अधिक है।

टीयर –1 एवं टीयर – 2 पूँजी की सूचीवार स्थिति – पूँजी, आरक्षितियां और पूँजी पर्याप्तता अनुपात की गणना –

(राशि करोड़ों में)

क्र.सं	पूंजी	2017-18	2017-19
1	टीयर – 1		
	a. प्रदत्त पूंजी	181.93	181.93
	b. शेयर पूंजी जमा	0.00	0.00
	c. आरक्षितियां और अधिशेष	119.99	135.64
	d. पूंजी आरक्षितियां	0.00	0.00
	e. अन्य आरक्षितियां	359.96	406.92
	f. विशेष आरक्षितियां आयकर अधिनियम 1961–36 (1) (viii)	0.00	0.00
	g. लाभ हानि अधिशेष	0.00	0.00
	कुल आरक्षितियां (b+c+d+e+f+g)	479.95	542.56
	कुल टीयर – 1 पूंजी	661.88	724.49
2	टीयर–2		
	a. अघोषित आरक्षितियां	0.00	0.00
	b. पुर्नमूल्यांकन आरक्षितियां	0.00	0.00
	c. सामान्य प्रावधान एवं आरक्षितियां	91.90	102.86
	d. अस्थिरता निवेश की आरक्षितियां/निधि	0.00	0.00
	कुल टीयर–2 पूंजी	**91.90**	**102.86**
	कुल योग (टीयर 1 + टीयर 2)	**753.78**	**827.35**
3	**a.** वित्त पोषित जोखिम आस्तियों का समायोजित मूल्य (तुलन पत्र मद)	7351.75	8197.65
	b. गैर वित्त पोषित जोखिम आस्तियों का समायोजित मूल्य (तुलन पत्र मद)	30.37	31.36
	c. **कुल योग (a+b)**	**7382.12**	**8229.01**
	d. जोखिम पूर्ण सम्पति के विरूद्ध पूंजी का प्रतिशत (टीयर 1 + टीयर 2)	**10.21**	**10.05**

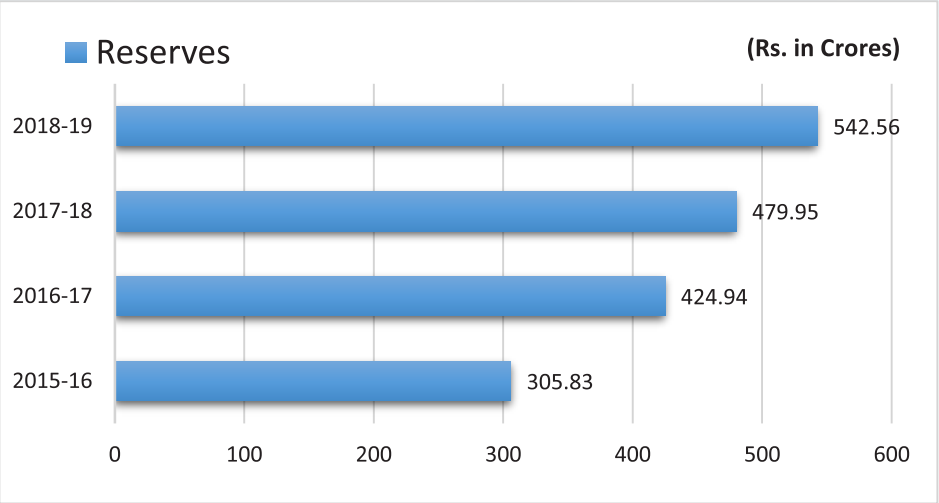

Net Worth

Net worth of the Bank stood at Rs 724.49 Crore with a growth of Rs 62.61 Crore (9.46%) over previous FY's figure of Rs 661.88 Crore.

The Capital Adequacy Ratio has reduced to10.05% at the end of the year vis-a-vis 10.21% as on 31.03.18. It is well above the level of minimum 9% stipulated by Dr. K.C Chakravarthi Committee. The following table gives the position of Tier-I, Tier-II Capital, Reserves and computation of CRAR.

(Rs. in Crores)

Capital	Capital	2017-18	2018-19
1	**Tier -I**		
	a. Paid up Capital	181.93	181.93
	b. Share Capital Deposit	0.00	0.00
	c. Statutory Reserves & Surplus	119.99	135.64
	d. Capital Reserves	0.00	0.00
	e. Other Reserves	359.96	406.92
	f. Spl. Reserve u/s 36(1)(viii) of Income Tax Act 1961	0.00	0.00
	g. Surplus in P&L	0.00	0.00
	Total reserves(b+c+d+e+f+g)	479.95	542.56
	Total Tier -I Capital	**661.88**	**724.49**
2	**Tier -II**		
	a. Undisclosed Reserves	0.00	0.00
	b. Revaluation Reserves	0.00	0.00
	c. General Provisions & Reserves	91.90	102.86
	d. Investment fluctuations Reserves/Fund	0.00	0.00
	Total Tier -II Capital	91.90	102.86
	Grand Total (Tier I + Tier II)	**753.78**	**827.35**
3	a. Adjusted value of funded risk assets i.e., balance sheet Items	7351.75	8197.65
	b. Adjusted value of non-funded risk assets i.e., balance sheet items	30.37	31.36
	c. a+b	7382.12	8229.01
	d. Percentage of Capital (Tier -I + Tier II) to Risk Weighted Assets	**10.21**	**10.05**

जमाएँ –

जमाओं में मार्च 2018 के स्तर से 13.30 प्रतिशत की दर से 1,314.24 करोड़ रु की वृद्धि दर्ज हुई। कुल जमाएँ 31.03.2018 को 9,875.05 करोड़ रु के स्तर से बढ़कर 31.03.2019 को 11,189.30 करोड़ रुपये रही।

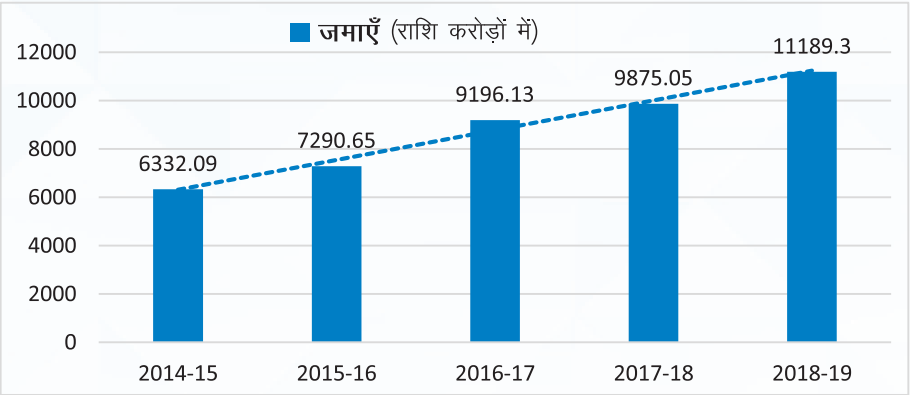

जमा मिश्रण –

कासा जमाएँ 363.43 करोड़ की वृद्धि के साथ 5,765.88 करोड़ के स्तर पर रहीं जो दिनांक 31.03.2018 की कासा जमाओं 5,402.42 करोड़ के सापेक्ष 6.73 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है। मियादी जमाएँ 950.79 करोड़ की वृद्धि के साथ 5,423.42 करोड़ रूपये के स्तर पर रहीं जो दिनांक 31.03.2018 की मियादी जमाओं 4472.63 करोड़ रूपये के सापेक्ष 21.26 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

(राशि करोड़ों में)

जमा मिश्रण	2014 -15	2015 -16	2016 -17	2017 -18	2018 -19
चालू खाते	134.54	201.23	187.41	183.13	162.88
वृद्धि	-	66.69	-13.82	-4.28	-20.25
वृद्धि प्रतिशत	-	49.57	-6.87	-2.28	-11.06
बचत खाते	3083.08	3594.57	5059.81	5219.29	5603.00
वृद्धि	-	511.49	1465.24	159.48	383.71
वृद्धि प्रतिशत	-	16.59	40.76	3.15	7.35
कुल CASA	3217.62	3795.80	5247.22	5402.42	5765.88
वृद्धि	-	578.18	1451.42	155.20	363.46
वृद्धि प्रतिशत	-	17.97	38.23	2.96	6.72
मियादी जमा	3114.45	3494.85	3948.90	4472.63	5423.42
वृद्धि	-	380.40	454.05	523.73	950.79
वृद्धि प्रतिशत	-	12.21	13.00	13.26	21.26
कुल जमा	6332.09	7290.65	9196.13	9875.05	11189.30
वृद्धि	-	958.56	1905.47	678.92	1314.25
वृद्धि प्रतिशत	-	15.14	26.14	7.38	13.31

Deposits

Deposits registered a growth of Rs. 1314.24 Crore over March 2018 level at a growth rate of 13.30%. Total deposits as on 31.03.2019 stands at Rs. 11189.30 Crore as against Rs. 9875.05 Crore as on 31.03.2018.

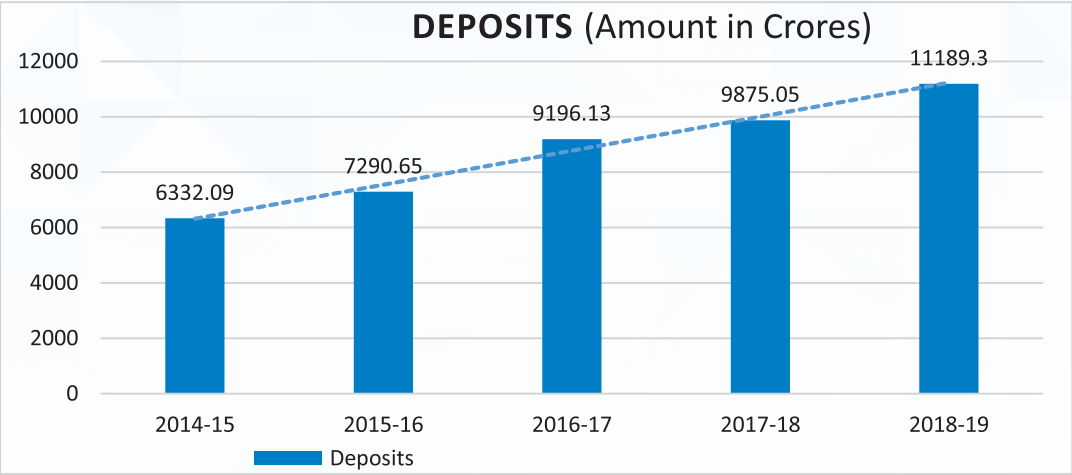

Deposit Mix

CASA deposits grew by Rs. 363.46 Cr at 6.73% to reach Rs. 5765.88 Cr as against Rs. 5402.42 Cr as on 31.03.2018. Term Deposits grew by Rs. 950.79 Cr to reach a level of Rs. 5423.42 Cr at 21.26% as against Rs. 4472.63 Cr as on 31.03.2018.

(Rs. in Crores)

Deposit Mix	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Current A/c	134.54	201.23	187.41	183.13	162.88
Growth	-	66.69	-13.82	-4.28	-20.25
Growth %	-	49.57	-6.87	-2.28	-11.06
Savings A/c	3083.08	3594.57	5059.81	5219.29	5603.00
Growth	-	511.49	1465.24	159.48	383.71
Growth %	-	16.59	40.76	3.15	7.35
Total CASA	3217.62	3795.80	5247.22	5402.42	5765.88
Growth	-	578.18	1451.42	155.20	363.46
Growth %	-	17.97	38.23	2.96	6.72
Term Deposits	3114.45	3494.85	3948.90	4472.63	5423.42
Growth	-	380.40	454.05	523.73	950.79
Growth %	-	12.21	13.00	13.26	21.26
Total Deposits	6332.09	7290.65	9196.13	9875.05	11189.30
Growth	-	958.56	1905.47	678.92	1314.25
Growth %	-	15.14	26.14	7.38	13.31

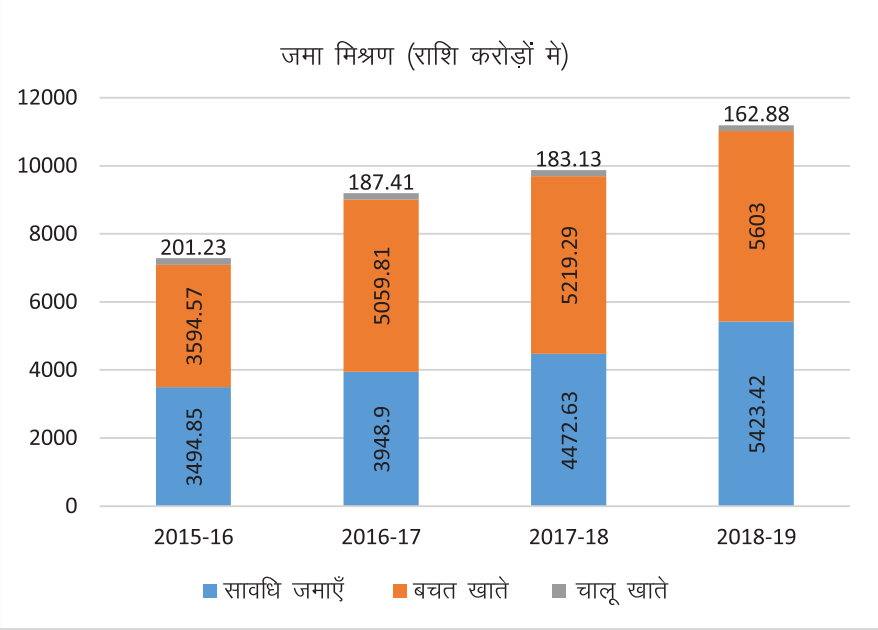

उधारियां –

दिनांक 31.03.2019 को बैंक की कुल उधारियां रू 695.21 करोड़ हैं, जबकि दिनांक 31.03.2018 को उधारियां रू 697.17 करोड़ की थीं।

(राशि करोड़ों में)

क्र.सं	संस्था	2018-19	2017-18	अन्तर
1	नाबार्ड	695.21	697.17	-1.96
2	एसबीआई	-	-	-
3	एनएचबी	-	-	-
4	मुद्रा	-	-	-
	कुल	**695.21**	**697.17**	**-1.96**

बैंक ने नाबार्ड से फसल ऋण संवितरण के विरूद्ध 20 प्रतिशत की दर से पुनर्वित्त प्राप्त किया। एसएचजी और ग्रामीण आवास ऋण के संवितरण हेतु क्रमशः नाबार्ड एवं एनएचबी द्वारा 100 प्रतिशत पुनर्वित्त प्रदत्त किया गया।

आस्तियाँ –

कुल निवेश सूची – पिछले वर्ष के 3,629.12 करोड़ रूपये की तुलना में बैंक का एसएलआर और नॉन एसएलआर निवेश 622.97 करोड़ रूपये (17.17 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ दिनांक 31.03.2019 को 4,252.09 करोड़ रूपये हो गया।

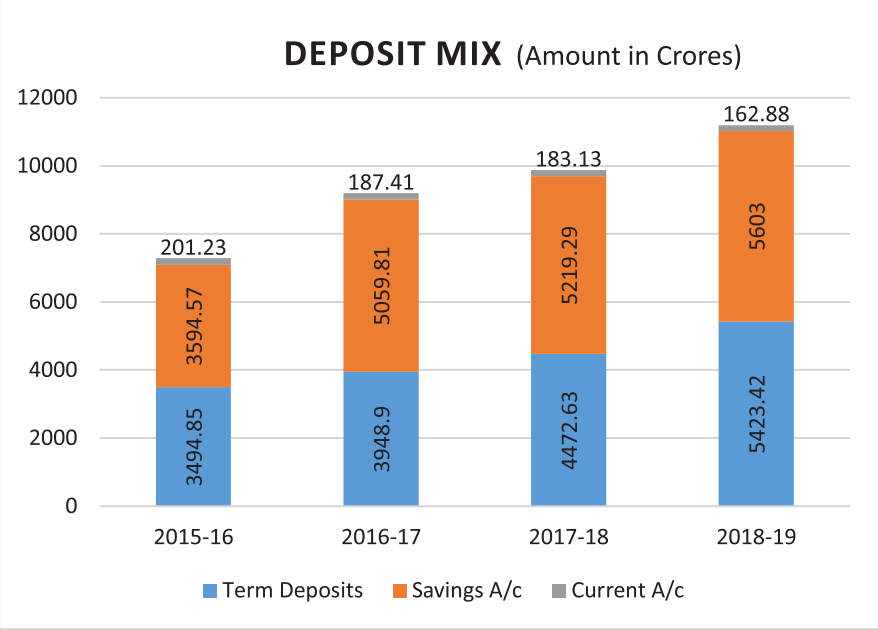

Borrowings

The aggregate borrowings of the bank as on 31st March 2019 stood at Rs. 695.21 Crore whereas it was Rs. 697.17 Crore as on 31st March 2018.

(Rs. in Crores)

S.No.	Institution	2018-19	2017-18	Variance
1	NABARD	695.21	697.17	-1.96
2	SBI	-	-	-
3	NHB	-	-	-
4	MUDRA	-	-	-
	Total	**695.21**	**697.17**	**-1.96**

The Bank has availed refinance against Crop loan disbursements from NABARD @ 20%. Refinance against SHG disbursements and Rural Housing was provided by NABARD and NHB respectively @ 100%.

Assets

Total investments portfolio– both SLR and Non-SLR - of the Bank has increased to Rs. 4252.09 Crore as on 31.03.2019 from previous year's level of Rs 3629.12 Crore by Rs. 622.97 Crore @17.17%.

(राशि करोड़ों में)

निवेश	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
एसएलआर	1424.15	1817.33	2867.41	2603.50	2629.39
वृद्धि	-	393.18	1050.08	-263.91	25.89
प्रतिशत वृद्धि	-	27.61%	57.78%	-9.20%	0.99%
नॉन एसएलआर	2428.07	1547.79	1330.92	970.97	1554.09
वृद्धि	-	-880.28	-216.87	-359.95	583.12
प्रतिशत वृद्धि	-	-36.25%	-14.01%	-27.05%	60.06%
कुल निवेश	3852.22	3365.12	4198.33	3574.47	4183.48
वृद्धि	-	-487.10	833.21	-623.86	609.01
प्रतिशत वृद्धि	-	-12.64%	-24.76%	-14.86%	17.04%

निवेश नीति :–

बैंक की निवेश नीति भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के तहत तैयार की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक के निदेशक मण्डल द्वारा समय समय पर निवेश नीति का अनुमोदन एवं समीक्षा/संशोधन किया जाता है।

एसएलआर निवेश –

बी. आर. अधिनियम 1949 की धारा 24 के अन्तर्गत बैंक द्वारा एसएलआर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निवेश नीति के अनुसार निवेश किया गया है। सभी एसएलआर निवेश केवल भारत सरकार/राज्य सरकार की प्रतिभितियों में किये गये हैं। भारतीय स्टेट बैंक के पोर्टफोलियों मैनेजमेंट सर्विसेज विभाग द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद एवं बिक्री की जाती है।

नॉन एसएलआर निवेश –

नॉन एसएलआर निवेश कॉर्पोरेट बॉण्ड/म्यूचूअल फण्ड में निवेशित किये जाते है। बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों/बॉण्ड से प्राप्य ब्याज राशि की समय पर प्राप्ति हेतु नियमित निगरानी एवं अनुसरण की जाती है। गैर एसएलआर निवेश पोर्टफोलियों में आय का कोई रिसाव नहीं हुआ है।

सीआरआर और एसएलआर –

बैंक द्वारा सीआरआर और एसएलआर के प्रति पर्याप्त शेष हेतु नियामक आवश्यकता की अनुपालना की गयी है। एनडीटीएल को ध्यान में रखते हुए सीआरआर और एसएलआर की आवश्यकताऐं ज्ञात करने के लिए बैंक में एक निर्धारित प्रणाली है। वर्ष के दौरान पर्याप्त शेष राशि रखने में कोई चूक नहीं हुई है। दिनांक 31.03.2019 को बैंक ने सीआरआर में 442.71 करोड़ रूपये और एसएलआर में 2629.39 करोड़ रूपये का निवेश किया है।

ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण निधि –

बैंक ने ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदीकरण के सम्बन्ध में अन्तरिम आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया है। दिनांक 31.03.2019 को बैंक ने ग्रेच्युटी निधि में रू 214,42,52,888.22 (रूपये दो सौ चौदह करोड़ बयालीस लाख बावन हजार आठ सौ अठ्यासी रूपये बाईस पैसा मात्र) और अवकाश नकदीकरण निधि में रू 87,12,48,278.83 (रूपये सत्तासी करोड़ बारह लाख अड़तालीस हजार दो सौ अठत्तर रूपये तिरासी पैसा मात्र) का प्रावधान किया है।

(Rs. in Crores)

Investments	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
SLR	1424.15	1817.33	2867.41	2603.50	2629.39
Growth	-	393.18	1050.08	-263.91	25.89
Growth %	-	27.61%	57.78%	-9.20%	0.99%
Non SLR	2428.07	1547.79	1330.92	970.97	1554.09
Growth	-	-880.28	-216.87	-359.95	583.12
Growth %	-	-36.25%	-14.01%	-27.05%	60.06%
Total Investments	3852.22	3365.12	4198.33	3574.47	4183.48
Growth	-	-487.10	833.21	-623.86	609.01
Growth %	-	-12.64%	-24.76%	-14.86%	17.04%

Investment Policy:

The Investment policy of the Bank has been formulated under the directives of Reserve Bank of India, NABARD and Sponsor Bank. The same was reviewed/revised and approved by the Board from time to time, conforming to the RBI guidelines.

SLR Investments

In terms of Section 24 of the BR Act 1949, the Bank has maintained investments in the avenues laid down in the Policy, to fulfill the SLR requirements. All SLR investments are made in GOI/State Government Securities only. The purchase and sale of Government Securities are undertaken by the Portfolio Management Services Department of State Bank of India on behalf of RMGB.

Non SLR Investments

Non-SLR investments are invested in Corporate Bonds/Muual Funds. The Bank has been monitoring and following up for prompt receipt of interest due from Government Securities /Bonds. There was no instance of income leakage from Non-SLR investments portfolio.

CRR and SLR

The Bank has complied with the regulatory requirement of maintenance of adequate balances towards CRR and SLR. There is a well laid down system of assessing the CRR and SLR requirements taking into account the NDTL. There was no default in maintenance of adequate balances during the year. The Bank has kept Rs 442.71 crore in CRR and Rs 2629.39 crores in SLR as on 31.03.2019.

Gratuity and Leave Encashment Fund

The Bank has taken care of provisional requirements in respect of Gratuity and Leave Encashment Fund. The total corpus as on 31.03.2019 is to the tune of Rs Rs. 214,42,52,888.22 (Rupees Two Hundred Fourteen Crore Forty Two Lakhs Fifty Two thousand Eight hundred Eighty Eight and Paisa Twenty Two only) towards Gratuity and Rs. 87,12,48,278.83 (Rupees Eighty Seven Crore Twelve Lakhs Forty Eight Thousand two hundred Seventy Eight and Paise Eighty Three only) towards Leave Encashment.

क्रेडिट पोर्टफोलियो

बैंक का क्रेडिट पोर्टफोलियो 810.01 करोड़ रूपये की वृद्धि के साथ 7,747.85 करोड़ रूपये के स्तर पर रहा जो दिनांक 31.03.2018 के क्रेडिट पोर्टफोलियो 6,937.84 करोड़ रूपये के सापेक्ष 11.68 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

कृषि ऋण

SHG को कृषि कार्यों हेतु प्रदत्त ऋण सहित कृषि व संबद्ध गतिविधियों हेतु कुल ऋण दिनांक 31.03.2018 को रु 6,051.91 करोड़ के मुकाबले रु. 532.11 करोड़ (8.79 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ दिनांक 31.03.2019 को रूपये 6,584.02 करोड़ रहे। वित्तीय वर्ष 2018–19 में कृषि क्षेत्र में बैंक के कुल ऋणियों की संख्या 3,01,117 से बढ़कर 3,07,353 हो गई है।

बैंक द्वारा कृषि हेतु पिछले वर्ष वितरित रु 6,105.22 करोड़ के मुकाबले चालू वर्ष में 5,638.21 करोड़ वितरित किया गया। कृषि व संबद्ध गतिविधियों हेतु ऋण कुल ऋण भाग के पिछले वित्तीय वर्ष के 87.23 प्रतिशत के मुकाबले 31.03.2019 को 84.98 प्रतिशत रहा।

संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड प्रणाली के तहत फसल ऋण

भारत सरकार और नाबार्ड के निर्देशों के अनुसार, हमने 28.02.2013 से फसल ऋण लेने वालों के लिए संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड योजना लागू की है। केसीसी के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक के पास उत्पाद उपलब्ध हैं। इस केसीसी उत्पाद के अनुसार, किसान अपने केसीसी खाते में अपने अधिशेष धन को जमा कर सकते हैं और अपनी आवश्यकता के अनुसार आहरित कर सकते हैं और उन्हें अलग बचत बैंक खाते को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है। केसीसी खाते में जमा शेष के लिए बचत बैंक खाते के लिए लागू ब्याज देने का प्रावधान है। इसके अलावा, ऋण सीमा 5 साल के लिए तय की जा रही है और कुल स्वीकृत सीमा के लिए दस्तावेज प्राप्त किए जाते हैं, जिसमें वर्तमान वित्त पैमानों और निवेश की भविष्य की लागत को ध्यान में रखते हुए वर्ष–वार साख सीमाएं तय की जाएंगी।

हमने पूर्व वित्तीय वर्ष के रु. 5,377.45 करोड़ के 2,29,175 केसीसी के मुकाबले 31.03.2019 की स्थिति अनुसार रु. 6,028.31 करोड़ के 2,44,303 केसीसी जारी किये।

हमने पिछले वित्तीय वर्ष 2017–18 में 3,27,346 केसीसी धारको को वितरित रु 5,956.88 करोड़ के मुकाबले वर्ष 2018–19 के दौरान 3,01,245 केसीसी धारको को रु 5,638.21 करोड़ वितरित किये। सभी शाखाओं को निर्देश दिये गये हैं कि 70 वर्ष की आयु तक के सभी केसीसी धारकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (पीएआईएस) के तहत पाँच वर्ष के कार्ड धारण अवधि के दौरान रु 50,000 के जोखिम कवरेज के साथ कवर करें। च।ै के तहत ऋणी के पास दो विकल्प उपलब्ध हैं कि वे एक वर्ष का रु 12 या पांच वर्ष हेतु रु 45 का प्रीमियम हेतु भुगतान कर सकते हैं। एक वर्ष की प्रीमियम राशि रु 12 में ऋणी द्वारा रु 4 का भुगतान किया जायेगा जबकि रु 8 बैंक द्वारा वहन किया जायेगा। इसी प्रकार पांच वर्ष की प्रीमियम राशि रु 45 में ऋणी द्वारा रु 15 का भुगतान किया जायेगा जबकि रु 30 बैंक द्वारा वहन किया जायेगा।

ब्याज सहायता

भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार, बैंक सभी फसल ऋण लेने वालों के लिए रु 3.00 लाख तक 7 प्रतिशत ब्याज दर लागू कर रहा है और तदनुसार हम भारत सरकार से वर्ष 2018–19 के लिए 2 प्रतिशत ब्याज सहायता की राशि रु. 69,12,13,279 के लिए दावा करेंगे। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, हम शीघ्र पुनर्भुगतान करने वाले किसानों को ब्याज सहायता प्रोत्साहन से संबंधित लाभ रु. 47,78,56,436 पारित कर चुके हैं और तदनुसार दावा प्रस्तुत किया जाएगा।

Credit Portfolio

The credit portfolio of the Bank rose by 11.68% to Rs. 7747.85 Cr during the financial year ended 31.03.2019 from the previous year level of Rs. 6937.84 Cr, thus showing an absolute growth of Rs. 810.01 Cr.

Credit to Agriculture

Total credit to agriculture and allied activities including agriculture-portion of SHG lending, stood at Rs 6584.02 Crore as on 31.03.2019 as against Rs 6051.91 Crore as on 31.03.2018 with a growth of Rs 532.11 Crore (8.79 %). Total number of Bank's borrowers in Agriculture sector has increased to 307353 vis-à-vis 301117 in FY 2017-18.

The Bank has disbursed Rs. 5638.21 Crore to agriculture during the year as against the previous year's disbursal of Rs 6105.22 Crore.

Total credit to agriculture and allied activities constitutes 84.98% of the total credit portfolio as on 31.03.2019 vis-à-vis 87.23 % as at the end of previous FY.

Crop loans under revised Kisan Credit Card System

As per the directions of Government of India and NABARD, we have implemented revised Kisan Credit Card system for crop loan borrowers from 28.02.2013. According to the guidelines of revised KCC, we have introduced a product in the CBS for a period of 5 years. As per this system, the farmers can remit their surplus funds in their KCC account and can draw according to their requirement and they need not maintain separate Savings Bank account. There is a provision for giving interest as applicable for Savings Bank account for the credit balances in the KCC account. Further, loan limits are being fixed for 5 years and documents are obtained for the terminal limit. Year-wise limits will be fixed based on present Scales of Finance and keeping in view the future cost of investment.

We have issued 244303 KCCs as on 31.03.2019 with an outstanding credit of Rs 6028.31 Crore as against previous FY level of 229175 KCCs for Rs 5377.45 crores.

During the year 2018-19, we have disbursed an amount of Rs 5638.21 Crore to 301245 KCC holders as against Rs 5956.88 Crores to 327346 KCC holders in FY 2017-18. Instructions were issued to all the branches to cover all KCC holders up to the age of 70 under Personal Accident Insurance Scheme(PAIS) during the five-year card holding period, with risk coverage of Rs. 50,000/-. Under the PAIS borrowers have two options available. They can pay premium of either Rs. 12/- for one year or Rs. 45/- for five years. For one year, premium of Rs. 12/- amount of Rs. 8/- is being borne by the bank and Rs. 4/- is to be paid by the borrower. Similarly, For five years premium of Rs. 45/- amount of Rs. 30/- is being borne by the bank and Rs. 15/- is to be paid by the borrower.

Interest Subvention

As per Government of India guidelines, Bank is implementing 7% interest rate to all the crop loan borrowers up to Rs.3.00 lakhs and accordingly we will claim an amount of Rs 69,12,13,279/- towards 2% interest subvention from the GOI for the year 2018-19. As per the directives of Government of India, we have passed on the benefit relating to interest subvention incentive to the extent of Rs 47,78,56,436/- to the prompt repayers and we will be submitting the claim accordingly.

ग्राम सभाओं का आयोजन

शाखाएं बैंक के सभी ग्राहकों के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन कर रही हैं। मुख्यतः इसमें सभी किसानों को कृषि ऋणों के नवीनीकरण के संबंध में शिक्षित किया जाता है। ग्राम सभाओं का आयोजन प्रातः व सांयकाल में किया जाकर अधिकाधिक किसानों को उनके कृषि ऋणों तथा नवीनीकरण के संबंध में जागरूक बनाया जाता है। आयोजित की जानेवाली ग्राम सभाओं में न केवल शाखा का स्टॉफ बल्कि क्षेत्रीय कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय का स्टॉफ भी उक्त आयोजन में भाग ले रहे हैं, जिससे अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं।

संयुक्त देयता समूह

संयुक्त देयता समूहों के माध्यम से भूमिहीन किसानों की स्थिति में अपेक्षित सुधार के साथ अर्थ से वंचित किसानों की वित्तीय समस्याओं का निवारण हुआ है।

बैंक द्वारा दिनांक 31.03.2019 तक संयुक्त देयता समूहों को रू. 28.09 करोड़ का वित्त पोषण कर कुल 5,636 संयुक्त देयता समूहों को लाभान्वित किया गया। चालू वित्तीय वर्ष में 483 संयुक्त देयता समूहों को रू. 3.39 करोड़ का वित्त पोषण किया गया।

स्वयं सहायता समूह

पिछले वर्ष 5,081 स्वयं सहायता समूह के बकाया रू 24.72 करोड़ की तुलना में इस वर्ष हमारे बैंक द्वारा 5,290 स्वयं सहायता समूहों (इसमें 47,610 ग्रामीण महिलाएं सम्मिलित) को ऋण वितरित किया गया, जिसमें दिनांक 31.03.2019 तक बकाया रू 25.23 करोड़ है। पिछले वित्तीय वर्ष की ऋणात्मक वृद्धि की तुलना में इस चालू वर्ष में कुल ऋण वितरण बकाया में स्वयं सहायता समूहों की बकाया राशि में रू 0.51 करोड़ (2.06 प्रतिशत) वृद्धि दर्ज की है।

पिछले वर्ष की तुलना में बैंक द्वारा 1,176 स्वयं सहायता समूहों को 8.88 करोड़ रूपये के विरूद्ध 1,383 सवयं सहायता समूहों को 10.67 करोड़ रूपये का ऋण वितरण किया गया।

चालू वित्तीय वर्ष 2018–19 में डे–एनआरएलएम स्वयं सहायता समूहों के बैंक लिंकेज हेतु लक्ष्यों के 100 प्रतिशत अर्जन पर आरजीएवीपी, राजस्थान सरकार के द्वारा बैंक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। एनआरएलएम द्वारा दिये गये लक्ष्य 3,995 के विरूद्ध 4,197 स्वयं सहायता समूहों को वित्त पोषण कर बैंक द्वारा 105.06 प्रतिशत लक्ष्यार्जन किया गया।

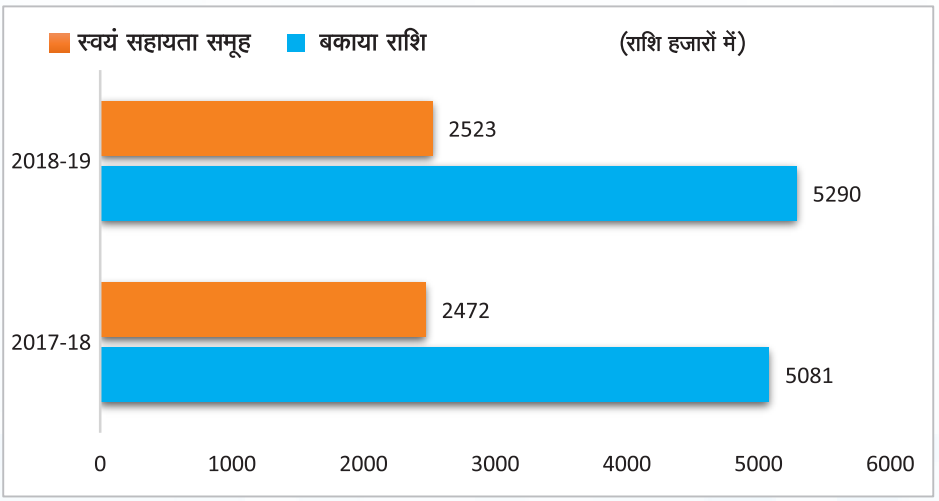

Conducting of Grama Sabhas

All branches have conducted Grama Sabhas for the customers, mainly for the purpose of educating the farmers in renewing the crop loans. To ensure maximum coverage of farmers, Grama Sabhas were conducted in the evenings and mornings and sensitized farmers to renew their crop loans. Apart from operating staff at Branches, functionaries from ROs, Head Office have participated in the Grama Sabhas, which is yielding very good results.

Joint Liability Groups (JLGs)

JLGs are expected to overcome the problem of tenant farmers getting deprived of institutional credit.

The Bank has financed an amount of Rs 28.09 Crores to the 5636 JLGs as on 31.03.2019. During the year 483 groups were financed amounting Rs. 3.39 crores.

Self Help Groups

Our Bank has financed 5290 Self Help Groups (Covering about 47,610 rural women) with an outstanding portfolio of Rs 25.23 Crore as on 31.03.2019 as against previous year's level of 5,081 Groups with outstanding credit of Rs 24.72 Crore. The total loans outstanding under SHG segment has increased by Rs 0.51 Crore at a growth rate of 2.06% during the year 2018-19 against previous year negative growth.

The Bank has disbursed Rs 10.67 Crore to 1383 Groups during the year as against Rs 8.88 Crore disbursed to 1176 SHGs during the previous year.

Bank has received appreciation letter from Department of RGAVP, Rajasthan Government regarding achievement of more than 100% achievement in Day-NRLM SHG Bank linkages during the FY 2018-19. Bank has achieved 105.06% target in SHG under NRLM and financed 4197 SHG NRLM against allotted target 3995.

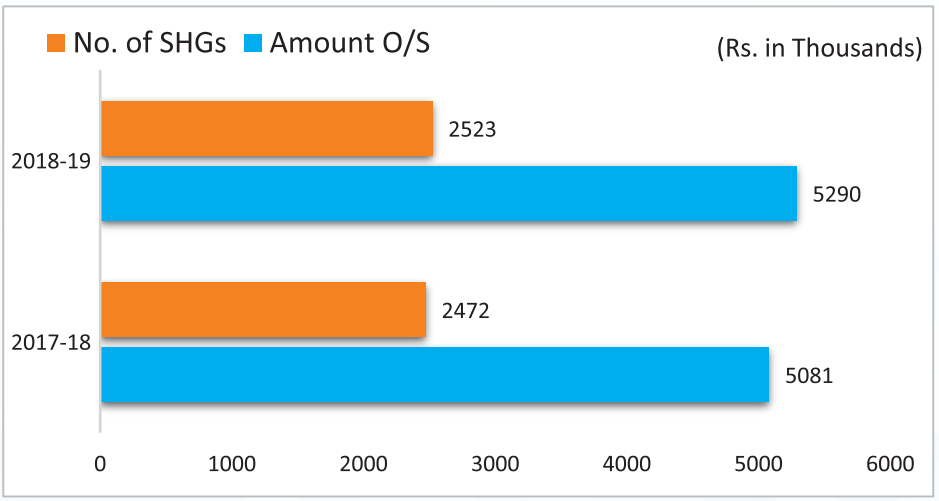

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) – आजीविका – ब्याज सहायता योजना

हमारे बैंक ने नाबार्ड पत्र क्रमांक 249 / MCID&LS / 2013–14 दिनांक 26.11.2013 द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार एनआरएलएम (NRLM) योजना लागू की है।

सरकार ने गरीबी निवारण के लिए अधिक ध्यान और गति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना – एसजीएसवाई (जो वित्त वर्ष 2010–11 से अस्तित्व में थी) का पुनर्गठन किया। मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के कुशल और प्रभावी संस्थागत मंच तैयार करना है ताकि उन्हें स्थायी आजीविका संवर्द्धन के माध्यम से घरेलू आय में वृद्धि करने में मदद मिल सके और वित्तीय सेवाओं में सुधार हो सके।

इस योजना के तहत, एनआरएलएम या अन्य केंद्रीय या राज्य सरकार के विभागों या नाबार्ड या किसी भी गैर–सरकारी संगठनों द्वारा प्रवर्तित सभी महिला एसएचजी, जो हमारे बैंक से जुड़ी हैं, योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। योजना के अनुसार, भारत सरकार ने श्रेणी –1 के तहत देश भर में 250 पिछड़े जिलों की पहचान की है, जिनमें से हमारे अधिसूचित क्षेत्र में 2 जिले उदयपुर और दौसा शामिल है।

इन 2 जिलों में ऐसी सभी महिला स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख रुपये तक 7% ब्याज दर से ऋण दिया गया है और सरकार 7% और वास्तविक ब्याज दर (12.5%) के अंतर तक अधिकतम 5.5% ब्याज सहायता प्रदान करेगी । इसके अलावा, शीघ्र भुगतान करने वाले एसएचजी को 3% अतिरिक्त ब्याज सहायता प्रदान की जायेगी।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम)

भारत सरकार ने स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (SJSRY) को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM) के रूप में पुनर्गठित किया। एनयूएलएम का SEP (Self Employment Programme) घटक व्यक्तिगत और समूह उद्यमों और एसएचजी के शहरी गरीबों की स्थापना में सहायता के लिए ऋण पर ब्याज सब्सिडी के प्रावधान के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है। योजना के तहत, (अ) व्यक्तिगत उद्यमों के लिए 2 लाख रुपये और समूह उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण जिस पर 7 प्रतिशत से अधिक ब्याज दर हैं, पर ब्याज अनुदान उपलब्ध है। 7 प्रतिशत और ब्याज की प्रचलित दर के बीच के अंतर को NULM के तहत बैंकों को प्रदान किया जाएगा (ब) शहरी क्षेत्रों में SHG 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं 7 प्रतिशत और ब्याज की प्रचलित दर के बीच के अंतर को NULM के तहत बैंकों को प्रदान किया जाएगा इसके अलावा, भारत सरकार द्वारा पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार शीघ्र पुनर्भुगतान करने पर सभी महिला स्वयं सहायता समूहों को अतिरिक्त 3 प्रतिशत ब्याज उपदान भी प्रदान किया जाएगा।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र संख्या : FIDD- CO- Plan- BC- No-14/04-09-01/2015-16 दिनांक 3 दिसंबर 2015, जो दिनांक 01.01.2016 से प्रभावी है के अनुसार बकाया अग्रिम में 75 प्रतिशत अग्रिम प्राथमिकता क्षेत्र का होना चाहिए, जिसमें निम्न ऋण घटग सम्मिलित हैं (a) कृषि (कृषि ऋण, कृषि संरचना व सहायक गतिविधियाँ) (b) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (विनिर्माण और सेवा क्षेत्र, केवीआई और PMJDY के तहत ओवरड्राफ्ट) (c) शिक्षा (d) आवास (e) सामजिक बुनियादी ढांचा (f) नवीकरणीय ऊर्जा (g) कमजोर वर्ग और (h) अन्य (SHG/JLG, व्यथित व्यक्ति, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए राज्य प्रायोजित संगठनों को ऋण)

National Rural Livelihood Mission (NRLM) - Aajeevika – Interest Subvention Scheme

Our Bank has implemented NRLM Scheme as per the guidelines issued by NABARD vide letter No 249/MCID-LS/2013-14 dated 26.11.2013.

The Government restructured Swarnajayanthi Grama Swarozgar Yojana - SGSY (which was in existence since FY 2010-11) into National Rural Livelihoods Mission (NRLM) to provide greater focus and momentum for poverty reduction. The Mission aims at creating efficient and effective institutional platforms of the rural poor enabling them to increase household income through sustainable livelihood enhancements and improved access to financial services.

Under the Scheme, all Women SHGs promoted by NRLM or other Central or State Government Line Departments or NABARD or any NGOs, which are linked with our Bank, are eligible to avail the benefits of the Scheme. As per the Scheme, GOI identified 250 backward districts all over the country under Category-I, of which we have two districts in our notified area namely Udaipur and Dausa.

All such Women SHGs in the two districts have been extended credit at 7% rate of interest upto Rs. 3 Lakhs and Government would subvent to the extent of difference between 7% and actual rate of interest (12.5%) subject to a maximum of 5.5%. Apart from this, prompt paying SHGs will be extended an additional 3% subvention.

National Urban Livelihood Mission (NULM)

Government of India restructured Swarna Jayanti Shahari Rozgar Yojana (SJSRY) as National Urban Livelihood Mission (NULM). The SEP (Self Employment programme) component of NULM focuses on providing financial assistance through a provision of interest subsidy on loans to support establishment of Individual and Group Enterprises and SHGs of urban poor. Under the Scheme, (a) Interest subsidy, over and above 7% of ROI is available on a Bank loan of Rs 2 Lakh to individual enterprises and Rs 10 Lakh for Group Enterprises. The difference between 7% p.a. and the prevailing ROI will be provided to Banks under NULM; (b) SHGs in urban areas can avail Bank loan at 7% ROI. The difference between 7% p.a. and the prevailing ROI will be provided to Banks under NULM. Further, an additional 3% interest subvention will be provided to all women SHGs for prompt repayment as per repayment schedule by GOI.

Priority Sector Lending

In terms of RBI Circular No: FIDD. CO. Plan. BC. No.14/04.09.01/2015-16 dated December 3, 2015, w.e.f 01.01.2016, 75% of outstanding advances should be towards Priority Sector, which constitutes loans extended to (a) Agriculture (Farm credit, Agriculture infrastructure, Ancillary activities) (b) Micro, Small and Medium Enterprises (Manufacturing and Service Sector, KVI and OD to PMJDY) (c) Education (d) Housing (e) Social Infrastructure (f) Renewable Energy (g) Weaker Sections and (h) Others (SHG/JLG, distressed persons, Loans to State Sponsored Organizations for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes).

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको को प्राथमिकता क्षेत्र हेतु लक्ष्य निम्नानुसार तालिका में दर्शाये गये हैं।

श्रेणी	लक्ष्य
कुल प्राथमिक क्षेत्र	75 प्रतिशत (कुल बकाया का)
कृषि	18 प्रतिशत (कुल बकाया का)
छोटे व सीमान्त किसान	8 प्रतिशत (कुल बकाया का)
अति लघु उद्योग	7.5 प्रतिशत (कुल बकाया का)
कमजोर वर्ग	15 प्रतिशत (कुल बकाया का)

बैंक का प्राथमिकता क्षेत्र ऋण कुल अग्रिमों का 94.12 प्रतिशत है। निरपेक्ष रूप से, कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण 31.03.2018 को बकाया रु. 6,576.29 करोड़ की तुलना में 31.03.2019 को रु. 7,292 करोड़ रहा।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र संख्या FIDD-CO-Plan-BC23/04-09-01/2015&16 दिनांक 07.04.2016 के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के ई–कुबेर पोर्टल पर क्रय–विक्रय एक सतत प्रक्रिया है। वर्ष के दौरान क्रय–विक्रय किये गए सभी पी.एस.एल.सी. की वैधता अवधि वित्तीय वर्ष के अंत में 31 मार्च को समाप्त हो जाती है।

ई–कुबेर पोर्टल पर पी.एस.एल.सी. की क्रय–विक्रय हेतु भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार हमारे द्वारा ई–कुबेर पोर्टल पर पी.एस.एल.सी. का क्रय–विक्रय किया जा रहा है। वर्ष 2018–19 के दौरान, बैंक द्वारा प्राथमिक सेक्टर के आधिक्य अग्रिमों की बिक्री की गयी एवं रु 39.78 करोड़ का प्रीमियम अर्जित किया गया।

सरकारी प्रायोजित योजनाएँ

बैंक ने वर्ष के दौरान सरकारी प्रायोजित योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, 31.03.2019 को विभिन्न योजनाओं के तहत कुल वित्त और विभिन्न योजनाओं में बकाया ऋण निम्नानुसार हैं :–

31.03.2019 को सरकारी प्रायोजित योजनाओं की स्थिति

(राशि लाखों में)

योजना	31.03.2019 को बकाया		01.04.2018 से 31.03.2019 तक वितरित/ स्वीकृत	
	इकाईयो की संख्या	राशि	इकाईयो की संख्या	राशि
PMEGP	395	697.13	88	250.82
NULM	340	175.99	78	63.85
NRLM	2122	947.50	786	589.53
POP	3785	572.91	476	104.43
Total	**6642**	**2393.5**	**1428**	**1008.6**

गैर–कृषि क्षेत्र ऋण

इस वर्ष के दौरान, हमने हाउसिंग, एजुकेशन लोन, मॉर्गेज लोन, एमएसएमई आदि के लिए खुदरा ऋण की हिस्सेदारी बढ़ाने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है, हमारी लाभप्रदता बढ़ाने हेतु ऋण प्रभाग में विविधता लाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करके परिचालन कर्मचारियों की क्षमता निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसका प्रदर्शन निम्न प्रकार है:

Targets for Priority sector as allotted to RRBs are as under

Categories	Targets
Total Priority Sector	75% of total outstanding
Agriculture	18% of total outstanding
Small and Marginal Farmers	8% of total outstanding
Micro Enterprises	7.5% of total outstanding
Weaker Sections	15% of total outstanding

The Bank's priority sector lending constitutes 94.12 % of total advances. In absolute terms, total priority sector lending stood at Rs 7,292 Crore as on 31.03.2019 as against Rs 6,576.29 Crore as on 31.03.2018. There is a growth of Rs 715.71 Crore @ 10.88.

Priority Sector Lending Certificates

As per RBI master circular No. FIDD.CO. Plan. BC 23/04.09.01 /2015-16 dated 07.04.2016 of PSLC, trading on e-Kuber portal is an ongoing process. All traded PSLCs will expire by March 31st and will not be valid beyond the reporting date (March 31st), irrespective of the date it was first sold.

According to the SBI instructions on trading in "Priority Sector Lending Certificates" through CBS e-Kuber portal, we are trading on e-Kuber portal. During the year 2018-19, the bank has sold out excess priority sector advances and earned a premium of Rs. 39.78 Crore.

Government Sponsored Schemes

The Bank has participated in Government Sponsored Schemes actively during the year and as on 31.03.2019, the total finance extended under various Schemes and loan outstanding in various schemes are as under.

Position of Government Sponsored Schemes as on 31.03.2019.

(Rs. in Lakhs)

Scheme	O/S as on 31.03.2019		Disbursement/Sanction from 01.04.2018 to 31.03.2019	
	No. of Units	Amount	No. of Units	Amount
PMEGP	395	697.13	88	250.82
NULM	340	175.99	78	63.85
NRLM	2122	947.50	786	589.53
POP	3785	572.91	476	104.43
Total	**6642**	**2393.5**	**1428**	**1008.6**

Non-Farm Sector Lending

During the year, we have focused more on increasing the share of retail lending to Housing, Education Loans, Mortgage Loans, MSME etc. Capacity building of the operating staff has been given top priority by conducting training program to diversify the credit portfolio to increase our profitability. The performance is as under.

(राशि करोड़ो मे)

क्र.सं	खंड	बकाया वर्ष 2017–18		बकाया वर्ष 2018–19	
		खाता संख्या	राशि	खाता संख्या	राशि
1	आवास ऋण	4474	215.72	5430	321.68
2	मोर्गेज ऋण	6838	121.03	5676	146.76
3	शिक्षा ऋण	365	9.18	335	10.07
4	सू.ल.और म.उद्यम	44419	281.05	46079	358.60
5	व्यक्तिगत ऋण	6331	47.40	6498	42.19
6	अन्य	19286	211.55	11652	284.52
	कुल	**81713**	**885.93**	**75670**	**1163.83**

सी.एस.आई.एस. योजना

भारत सरकार ने 01.04.2009 से स्वीकृत/वितरित शिक्षा ऋण खातों में छात्रों को राहत प्रदान करने के लिए CSIS योजना (ब्याज अनुदान के लिए केंद्रीय योजना) प्रारम्भ की है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों, जिनकी वार्षिक सकल पारिवारिक आय 4.50 लाख रुपये तक है, के द्वारा प्राप्त शिक्षा ऋण इस योजना के तहत पात्र हैं। हमारा बैंक प्रत्येक वर्ष कैनरा बैंक (नोडल एजेंसी) के सीएसआईएस पोर्टल पर 2009–10 से 2016–17 तक पात्र छात्रों के लिए इस योजना के तहत ब्याज सब्सिडी का दावा करता रहा है। सभी वर्षों के लिए सभी दावों को हमारे बैंक में और आंशिक रूप से वित्त वर्ष 2016–17 के लिए निपटाया गया है।

वित्त वर्ष 2016–17 के लिए, हमने 28 शिक्षा ऋण खातों के संबंध में रु 6,60,532 का दावा किया है और भारत सरकार से कुल रु 2,16,381 की राशि प्राप्त की है।

वित्त वर्ष 2017–18 के लिए, हमने 27 शिक्षा ऋण खातों के संबंध में रु 8,01,494 का दावा किया है जो अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

भारतीय प्रतिभूतिकरण परिसम्पति पुनर्निर्माण और प्रतिभूति स्वत्व की केन्द्रीय रजिस्ट्री (CERSAI)

हमारे बैंक ने RBI के दिशा निर्देशों के अनुरूप और निर्देशों की अनुपालना में CERSAI के साथ पंजीकरण किया, हमारे सभी ऋणों के संबंध में साम्यिक/पंजीकृत बंधक और दृष्टिबंधन, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज अधिनियम, 2002 (SARFAESI अधिनियम) के तहत 31.03.2017 को CERSAI के साथ पंजीकृत किए गए हैं।

इसके साथ, हमारे बैंक के पक्ष में निर्मित सुरक्षा हित का विवरण नागरिकों/अन्य बैंकों/वित्तीय संस्थाओं को जानकारी हेतु सार्वजनिक डोमेन पर उपलब्ध है, जिसके परिणामस्वरूप एक ही संपत्ति के खिलाफ संभावित धोखाधड़ी/कई वित्तपोषण को रोका जा सकता है।

साख सूचना कंपनियां

हमारा बैंक CIBIL (क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड) का सदस्य है। CIBIL भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा लाइसेंस प्राप्त और क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनी (विनियमन) अधिनियम 2005 द्वारा शासित पहली क्रेडिट सूचना कंपनी है। CIBIL बैंकों और अन्य ऋणदाताओं से मासिक आधार पर ऋण और क्रेडिट कार्ड से संबंधित 'व्यक्तियों और गैर–व्यक्तियों' (वाणिज्यिक संस्थाओं) के भुगतानों को एकत्र करता है और उनका रखरखाव करता है। इस जानकारी का उपयोग करके क्रेडिट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (CIR) और क्रेडिट स्कोर विकसित किया जाता है, जिससे ऋणदाता के ऋण आवेदनों का मूल्यांकन और अनुमोदन कर सकते हैं।

(Rs. in Crores)

S.No	Segments	O/s 2017-18		O/s 2018-19	
		No of A/Cs	Amount	No of A/Cs	Amount
1	Housing Loans	4474	215.72	5430	321.68
2	Mortgage Loans	6838	121.03	5676	146.76
3	Education Loans	365	9.18	335	10.07
4	MSME	44419	281.05	46079	358.60
5	Personal Loans	6331	47.40	6498	42.19
6	Others	19286	211.55	11652	284.52
	Total	**81713**	**885.93**	**75670**	**1163.83**

CSIS Scheme

Government of India has introduced CSIS Scheme (Central Scheme for Interest Subsidy) for providing relief to students who were sanctioned / disbursed from 01.04.2009. Education loans availed by the students from economically weaker sections whose annual gross family income is upto Rs 4.50 Lakhs, are eligible under the scheme. Our bank has been claiming Interest subsidies under this scheme for the eligible students since 2009-10 to 2016-17 on the CSIS portal of Canara Bank (Nodal Agency) every year. All the claims for all years have been settled to our bank and partially settled for FY-2016-17.

For the FY 2016-17, we have claimed an amount of Rs 660532 /- in respect of 28 education loan accounts and received total amount Rs. 216381 from Government of India.

For the FY-2017-18, we have claimed an amount of Rs. 801494/- in respect of 27 education loan accounts which is yet to be received.

Central Registry of Securitization Asset Reconstruction and Security Interest of India (CERSAI)

Our Bank had registered with CERSAI in terms of RBI guidelines and complied with the instructions. Equitable/Registered mortgages and Hypothecation in respect of all our loans, which are covered under Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (SARFAESI Act) as on 31.03.2017 have been registered with CERSAI.

With this, the details of the security interest created in favour of our bank is available on a public domain for search by citizens / other banks / FIs as a result of which the potential fraud / multiple financing against the same property can be prevented.

Credit Information Companies

Our Bank has been a member of CIBIL (Credit Information Bureau (India) Limited). CIBIL is the first Credit Information Company licensed by the RBI and governed by the Credit Information Companies (Regulation) Act of 2005. CIBIL collects and maintains records of individuals' and non-individuals' (commercial entities) payments pertaining to loans and credit cards from Banks and other lenders on a monthly basis. Using this information, a Credit Information Report (CIR) and Credit Score is developed, enabling lenders to evaluate and approve loan applications.

हमारा बैंक नियमित रूप से डेटा अपलोड करता रहा है और हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाएँ अपने ऋण निर्णयों में ऋण आवेदकों की साख सम्बन्धी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

तीन अन्य क्रेडिट इंफॉर्मेशन कम्पनियां, अर्थात, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एक्सपेरियन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को आरबीआई द्वारा पंजीकरण प्रमाणपत्र दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्र क्रमांक DBR No- CID-BC-60 / 20-16-056 / 2014.15 दिनांक 15.01.2015 को रद्द करते हुए सलाह दी है कि सभी क्रेडिट संस्थानों के पास सभी क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी के सदस्य बनने के लिए एक अधिदेश है। तदनुसार हम उपरोक्त तीन क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनी के भी सदस्य बन गए हैं।

आस्ति गुणवत्ता– गैर निष्पादित आस्तियों का प्रबंधन

बैंक द्वारा गैर निष्पादित आस्तियों को कम करने हेतु वर्ष पर्यन्त प्रयास किये गये। बैंक द्वारा शाखावार संभावित एनपीए खातों की पहचान कर इन खातों का दैनिक आधार पर गहनता से अनुसरण किया गया है ताकि खाता एनपीए श्रेणी में परिवर्तित न होने पावे। एनपीए खातों की वसूली को गति देने हेतु बैंक द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय वार नोडल वसूली अधिकारी पदनामित किये गये। बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के तहत वसूली कार्यवाही की गई। इसके साथ साथ ही बैंक द्वारा कठिन / संदिग्ध वसूली वाले खातों को समझौता आधार पर वसूली कर के बंद करने के भी प्रयास किये गये।

दिनांक 31.03.2019 को बैंक का सकल एनपीए का स्तर रु. 51,578.42 लाख था जो कुल अग्रिमों का 6.66 प्रतिशत है तथा दिनांक 31.03.2019 को निवल एनपीए रु. 24,481.13 लाख रहा है, जो निवल अग्रिमों का 3.28 प्रतिशत है।

बैंक के एनपीए की स्थिति निम्नानुसार है :–

(राशि लाखों में)

क्र.सं.	विवरण		2017-2018	2018-2019
1.	वर्ष के प्रारम्भ में एन.पी.ए.		47835.87	37539.02
2.	वर्ष के दौरान एन.पी.ए. में कमी	नकद वसूली एवं अपग्रेडेशन	53210.46	24509.36
		अपलेखन	1067.61	367.97
3.	वर्ष के दौरान एन. पी. ए. में वृद्धि		43981.22	38916.73
4.	वर्ष के अन्त में सकल एन. पी. ए		37539.02	51578.42
5.	सकल अग्रिम में सकल एन. पी. ए. प्रतिशत		5.41%	6.66%
6.	वर्ष के अन्त में निवल एन. पी. ए		14058.21	24481.13
7.	एन. पी. ए. का प्रावधान		23251.72	26883.75
8.	निवल अग्रिम में निवल एनपीए का प्रतिशत		2.10%	3.28%

समझौता द्वारा वसूली

बैंक द्वारा एनपीए / एयूसी खातों के अतिदेयों की वसूली हेतु यद्यपि कोई प्रयास नहीं छोड़ा गया तथापि बैंक द्वारा संदिग्ध / कठिन वसूली वाले खातों में अन्तिम प्रयास के रुप में समझौता आधार पर वसूली करने के भी प्रयास किये गये। बैंक द्वारा समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न समझौता योजनाओं के अन्तर्गत 8971 ऋण खातों में समझौता आधार पर कुल रु. 3,995.57 लाख की वसूली की गई।

We have been uploading the data regularly and all our Regional Offices and Branches are accessing the credit history of the loan applicants in their credit decisions.

Three other CICs, viz., Equifax Credit Information Services Private Limited, Experian Credit Information Company of India Private Limited and CRIF High Mark Credit Information Services Private Limited have been granted Certificate of Registration by RBI.

Reserve Bank of India vide its letter No. DBR No. CID.BC.60/20.16.056/2014-15 dated 15.01.2015 has advised that all Credit Institutions have a mandate to become members of all CICs. Accordingly, we have taken membership of the above three CICs also.

Asset Quality – Management of Non-Performing Assets

Efforts were made by the Bank to reduce NPA round the year. The Bank has identified branch wise potential NPA accounts and closely monitored these accounts on daily basis so that account may not fall in to NPA category. The Bank had designated region wise Nodal Recovery Officers to accelerate the pace of recovery in NPA accounts. Bank had also initiated recovery actions under SARFAESI Act. Besides that, Bank had also made efforts to liquidate the difficult NPA accounts by way of compromises.

The level of gross NPA as on 31.03.2019 is Rs. 51578.42 lakhs which is 6.66 % of total advances and net NPA as on 31.03.2019 is Rs. 24481.13 lakhs which works out to be 3.28 % of net advances.

The position of NPA is as under:

[Amt. in lakhs]

S.No.	PARTICULARS		2017-2018	2018-2019
1.	NPAs at the beginning of the year		47835.87	37539.02
2.	Reduction in NPAs during the year	Cash recovery & up gradation	53210.46	24509.36
		Write off	1067.61	367.97
3.	Additions to NPAs during the year		43981.22	38916.73
4.	Gross NPAs at the end of the year		37539.02	51578.42
5.	Gross NPA as % to total Advances		5.41%	6.66%
6.	Net NPA at the end of the year		14058.21	24481.13
7.	Provision for NPA		23251.72	26883.75
8.	Net NPA as % to net Advances		2.10%	3.28%

Recovery through Compromise

Bank has left no stone unturned for recovery of overdue to reduce NPA/AUC loan accounts, the Bank also made its efforts of recovery in non-performing accounts by way of compromise as a last resort. During the year under review, Bank has recovered Rs. 3995.57 lakhs in 8971 accounts by way of compromise proposals.

समझौता प्रस्तावों की वसूली प्रगति निम्नानुसार है :–

(राशि लाखों में)

क्र.सं.	योजना	खातों की संख्या	वसूली योग्य राशि	समझौते के तहत प्राप्त राशि
1.	RMGB OTS Scheme	4772	4001.01	2262.56
2.	RMGB ऋण समाधान योजना	4199	4362.11	1733.01
	योग	**8971**	**8363.12**	**3995.57**

ऋण खातों का अपलेखन :–

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ''संग्रहण के तहत अग्रिम'' मद में राशि अंतरित नहीं की गयी है। हांलाकि समझौता प्रस्तावों में राशि रु. 503.38 लाख का अपलेखन किया गया है।

ऋणों की वसूली

बैंक ऋणों की वसूली न केवल निधियों के पुनःचक्रीकरण एवं बैंक साख के निरन्तर प्रवाह हेतु एक अहम घटक है अपितु बैंक की लाभप्रदता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अतः बैंक द्वारा ऋणों की वसूली के प्रयास वर्ष भर लगातर जारी रखे गये।

(राशि लाखों में)

सहकारिता वर्ष	श्रेणी	मांग	संग्रहण	अतिदेय	वसूली %
2017-18 (जुलाई–जून)	I) अल्पावधि कृषि	569095.03	456966.28	112128.75	80.30
	II) सावधि ऋण (कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियाँ)	67587.95	44022.26	23565.69	65.13
	III) गैर कृषि गतिविधियाँ	16892.36	14379.93	2512.43	85.13
	योग	**653575.34**	**515368.47**	**138206.87**	**78.85**

अतिदेयों का वर्गीकरण

बैंक ऋणों के अतिदेयों का क्षेत्रवार एवं आयुवार वर्गीकरण निम्नानुसार है :–

(राशि लाखों में)

सहकारिता वर्ष	श्रेणी	अतिदेयों का अवधिवार वर्गीकरण							
		1 वर्ष से कम		1 से 3 वर्ष तक		3 वर्ष से अधिक		योग	
		खाते	राशि	खाते	राशि	खाते	राशि	खाते	राशि
2017-18 (जुलाई–जून)	I) अल्पावधि कृषि	32480	80448.36	10322	25184.79	4136	6495.60	46938	112128.75
	II) सावधि ऋण (कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियाँ)	30478	6557.94	5659	3345.78	14579	13661.97	50716	23565.69
	III) गैर कृषि गतिविधियाँ	11838	671.57	2051	514.44	3411	1326.42	17300	2512.43
	योग	**74796**	**87677.87**	**18032**	**29045.01**	**22126**	**21483.99**	**114954**	**138206.87**

The progress in regard to compromise proposals is as under: -

[Amt. in lakhs]

S.No.	Schemes	No. of Accounts	Amount Recoverable	Amount Received through Compromise
1.	RMGB OTS Scheme	4772	4001.01	2262.56
2.	RMGB RIN SAMADHAN YOJNA	4199	4362.11	1733.01
	TOTAL	**8971**	**8363.12**	**3995.57**

Writing off Loans

During the year under report, the Bank has not transferred any amount to Advance under Collection head. However the bank has written off/sacrificed Rs. 503.38 lakhs in compromise schemes.

Recovery of Loans

Recovery of advances is not only main factor for recycling of funds and continuity of the credit flow but also play a vital role in the profitability of Bank. Hence, Bank kept up its efforts round the year for recovery. Bank's recovery position is as under: -

[Amt. in lakhs]

Cooperative Year	Category	Demand	Collection	Overdue	% Recovery
2017-18 [July -June]	i. Short Term Agriculture	569095.03	456966.28	112128.75	80.30
	ii. Term Loan (Agri. & Allied)	67587.95	44022.26	23565.69	65.13
	iii. Non Agricultural activities	16892.36	14379.93	2512.43	85.13
	TOTAL	**653575.34**	**515368.47**	**138206.87**	**78.85**

Classification of Over dues

The sector wise and age wise classification of over dues advances is as under: -

[Amt. in lakhs]

Cooperative Year	Category	PERIOD- WISE BREAKUP OF OVERDUES							
		Less than 1 year		1-3 years		> 3 years		Total	
		A/Cs	Amt.	A/Cs	Amt.	A/Cs	Amt.	A/Cs	Amt.
2017-18 (July-June)	i. Short Term Agriculture	32480	80448.36	10322	25184.79	4136	6495.60	46938	112128.75
	ii. Term Loan (Agri. & Allied)	30478	6557.94	5659	3345.78	14579	13661.97	50716	23565.69
	iii. Non Agri. Activities	11838	671.57	2051	514.44	3411	1326.42	17300	2512.43
	TOTAL	**74796**	**87677.87**	**18032**	**29045.01**	**22126**	**21483.99**	**114954**	**138206.87**

आस्तियों का वर्गीकरण

दिनांक 31.03.2019 को बकाया ऋणों के आस्तिवार वर्गीकरण की स्थिति निम्नानुसार है:–

[Amt. in Crores]

आस्ति	2015-16		2016-17		2017-18		2018-19	
	बकाया	%	बकाया	%	बकाया	%	बकाया	%
मानक आस्तियाँ	4791.83	87.01	5035.06	91.32	6562.45	94.59	7231.96	93.34
अवमानक आस्तियाँ	380.30	6.91	100.57	1.82	120.92	1.74	226.03	2.91
संदिग्ध आस्तियाँ	334.47	6.07	377.10	6.84	253.75	3.66	288.45	3.72
हानिगत आस्तियाँ	0.56	0.01	0.67	0.01	0.70	0.01	1.28	0.01
एनपीए	**715.33**	**12.99**	**478.35**	**8.68**	**375.39**	**5.41**	**515.78**	**6.66**
कुल अग्रिम	**5507.17**	**100**	**5513.42**	**100**	**6937.84**	**100**	**7747.74**	**100**

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली – निरीक्षण एवं अंकेक्षण

बैंक की सभी गतिविधियां आंतरिक अंकेक्षण के अधीन है, जिनमे विभिन्न प्रकार के अंकेक्षण सम्मिलित है यथा

(अ) जोखिम केन्द्रित आंतरिक अंकेक्षण (RFIA) (ब) समवर्त्ती लेखा परीक्षा

जोखिम आधारित आंतरिक अंकेक्षण

अंकेक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिये प्रायोजक बैंक के निर्देशानुसार दिनांक 01.04.2017 से बैंक में नई जोखिम केन्द्रित आतंरिक अंकेक्षण प्रणाली को लागू किया गया है, जिसमे निम्नानुसार मापदण्डो के अनुरूप रेटिंग प्रणाली है –

रेटिंग	अंको की सीमा
Well Controlled – A+	>=850
Adequately Controlled - A	>=700 and <850
Moderately Controlled - B	>=600 and <700
Unsatisfactorily Controlled - C	<600

Asset Classification

Asset wise classification of advances as on 31.03.2019 is as follows: -

[Amt. in Crores]

Assets	2015-16		2016-17		2017-18		2018-19	
	O/s	%	O/s	%	O/s	%	O/s	%
Standard	4791.83	87.01	5035.06	91.32	6562.45	94.59	7231.96	93.34
Sub Standard	380.30	6.91	100.57	1.82	120.92	1.74	226.03	2.91
Bad & Doubtful	334.47	6.07	377.10	6.84	253.75	3.66	288.45	3.72
Loss	0.56	0.01	0.67	0.01	0.70	0.01	1.28	0.01
Total NPAs	**715.33**	**12.99**	**478.35**	**8.68**	**375.39**	**5.41**	**515.78**	**6.66**
Total Advances	**5507.17**	**100**	**5513.42**	**100**	**6937.84**	**100**	**7747.74**	**100**

Internal Control System – Inspection & Audit

All activities of the Bank are subjected to internal audit function, which comprises different types of audits namely (a) Risk Focused Internal Audit (RFIA) , (b) Concurrent Audit.

Risk Focused Internal Audit (RFIA)

For strengthening of the audit system the new format of RFIA has been introduced in the Bank w.e.f. 01.04.2017 as advised by our Sponsored Bank, with the following rating system parameter-wise marks.

Rating	Range of Marks
Well Controlled – A+	>=850
Adequately Controlled - A	>=700 and <850
Moderately Controlled - B	>=600 and <700
Unsatisfactorily Controlled - C	<600

प्रत्येक मापदण्ड के तहत आंवटित अंको को भी निम्नानुसार संशोधित किया गया है –

क्र.सं.	मानक(पेरामीटर)	संशोधित अंक
1	व्यवसाय विकास	100
2	साख जोखिम प्रबन्धन	450
3	परिचालन जोखिम प्रबन्धन	410
4	बाह्य अनुपालना	30
5	सेल्फ ऑडिट	10

Well Controlled - A+ एवं Adequately Controlled - A शाखाओं के अंकेक्षण का कार्य गत अंकेक्षण तिथि से 18 माह के भीतर सम्पादित किया जाता है जबकि Moderately Controlled - B एवं Unsatisfactorily Controlled -C शाखाओं का अंकेक्षण गत अंकेक्षण तिथि से 01 वर्ष के भीतर करवाया जाता है।

वर्ष के दौरान 502 शाखाओं के निरीक्षण बकाया था जिसमे से सभी 502 शाखाओं का निरीक्षण करवाया गया। उक्त शाखाओं द्वारा प्राप्त रेटिंग निम्नानुसार है –

रेटिंग	वित्तीय वर्ष 2018–19 मे निरीक्षित 502 शाखाएँ
Well Controlled – A+	29
Adequately Controlled - A	468
Moderately Controlled - B	05
Unsatisfactorily Controlled - C	-
Total	**502**

जहाँ भी आवश्यक हो, सुधारात्मक उपाय करके लेखा परीक्षको द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टो को निपटाया गया है। विभाग ने निष्पक्ष एवं बिना किसी पूर्वाग्रह के अपने कार्यो को अंजाम दिया है, जिससे प्रणालियों और प्रकिया को मजबूत करने में मदद मिली है।

वर्ष के दौरान 354 शाखाओं की रिपोर्ट समापन हेतु बकाया थी एवं उक्त सभी 354 शाखाओ की रिपोर्ट को बन्द कर दिया गया है।

समवर्त्ती लेखा परीक्षा

आंतरिक नियंत्रक प्रणाली के एक भाग के रूप मे, नाबार्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015–16 में समवर्त्ती लेखा परीक्षा शुरू की गई एवं जिसमें प्रायोजक बैंक के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2018–19 में संशोधन किया गया। वर्तमान में 208 शाखाओं, 25 एएमएच एवं प्रधान कार्यालय के तीन विभाग के समवर्ती लेखा परीक्षा कार्य 58 सेवानिवृत बैंक अधिकारियों एवं चार्टेड एकाउण्टेड फर्म द्वारा किया जा रहा है।

समवर्ती लेखा परीक्षा के क्षेत्र में (अ) नकदी का संचालन (ब) प्रतिभूतियों की सुरक्षित अभिरक्षा (स) विवेकाधिकार का उपयोग (द) उचन्ति एवं सस्पेन्स खाते (य) समाशोधन अंतर (व) ऑफ बेलेन्स शीट आईटम, सुरक्षा दृष्टिकोण एवं आस्तियों के गुणवत्ता की जांच (र) आय जांच / रिसाव को सम्मिलित किया गया है।

The marks allotted under each parameter have also been revised as under:

S.N	Parameter	Revised Format - Marks
1	Business Development	100
2	Credit Risk Management	450
3	Operational Risk Management	410
4	External Compliance	30
5	Self - Audit	10

Branches with 'Well Controlled – A+' and 'Adequately Controlled - A' ratings are audited within 18 months from the previous audit date while the Branches with 'Moderately Controlled - B' and 'Unsatisfactorily Controlled - C' rated branches are audited within a year.

During the year 502 branches have fallen due for Audit and all 502 branches have been audited. Rating acquired by 502 branches is as under:

Rating	Out of 502 Branches audited during 2018-19
Well Controlled – A+	29
Adequately Controlled - A	468
Moderately Controlled - B	05
Unsatisfactorily Controlled - C	-
Total	**502**

The reports submitted by the Auditors have been dealt with by taking corrective measures, wherever necessary. The Department has carried out its operations with fair and without prejudice which helped in strengthening the systems and procedures.

Out of 354 Audit Reports which have fallen due for closure during the year and all 354 reports have been closed.

Concurrent Audit

As a part of internal control system in our Bank, Concurrent Audit is introduced from the financial year 2015-16 as per the policy guidelines issued by NABARD. Which was further amended as per guidelines received from sponsor Bank, during the Year 2018-19. Presently 208 Branches, 25 AMH & Head Office (Three departments) are being audited by 58 retired bank officials & 33 chartered accountant firms engaged as concurrent Auditor.

The Scope of Concurrent Audit is designed to cover (a) handling of cash (b) safe custody of securities (c) exercise of discretionary powers (d) sundry and suspense accounts (e) clearing differences (f) off balance sheet items, security aspects, verification of Assets Quality etc.(g) Income verification/Leakage

अनुपालना ऑडिट

70 शाखाओं की अनुपालना ऑडिट (बन्द की गई रिपोर्ट का 20 प्रतिशत) सम्पादित करवायी गई है।

आई एस ऑडिट

कॉरपोरेट ऑफिस एसबीआई, मुंबई के निर्देशानुसार सीसा क्वालीफाईड एसबीआई के रिटायर्ड प्राधिकारी से 12 क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय मय आईटी विभाग का निरीक्षण करवाया गया।

अन्य प्रशासनिक इकाईयो का निरीक्षण

सभी 12 क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, एएमएच एवं दो विभाग (लेखा एवं कार्यालय प्रशासन विभाग) के निरीक्षण का कार्य सम्पादित करवाया गया।

लेखा परीक्षा समिति

ऑडिट कमेटी जिसका गठन आरबीआई, नाबार्ड, भारत सरकार द्वारा नामित निदेशकों को सदस्य एवं एसबीआई द्वारा नामित निदेशक को अध्यक्ष के रूप में सम्मिलित करते हुए किया गया , जिसकी वर्ष मे तीन बार बैठक की गई एवं निम्न क्षेत्रों पर चर्चा की गई।

- किये गये विभिन्न निरीक्षणों की स्थिति पर
- जोखिम आधारित आंतरिक निरीक्षण एवं समवर्त्ती लेखा अंकेक्षण मे पायी गई सामान्य असंगतियों पर
- जिन शाखाओं की आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्ट "असंतोषजनक" पायी गई एवं समवर्ती लेखा अंकेक्षण मे पायी गई विसंगतियो की समीक्षा एवं आवश्यक कार्यवाही पर
- बडी शाखाओं की जोखिम आधारित आंतरिक अंकेक्षण एवं समवर्ती अंकेक्षण मे पायी गई विसंगतियों पर आवश्यक कार्यवाही पर
- जिन शाखाओं की ऑडिट रेटिंग निम्न श्रेणी में परिवर्तित हुई
- नाबार्ड अंकेक्षण, वैधानिक अंकेक्षण, प्रबन्धन अंकेक्षण, RFIA, समवर्ती अंकेक्षण की अनुपालना
- बैंक के खातों में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये और बैंक द्वारा जोखिमो की संभावना को नियंत्रित करने के लिये लेखांकन नियंत्रण हेतु लेखांकन नीतियों/प्रणाली नियंत्रणो की समय – समय पर समीक्षा
- एलएफएआर में पायी गई विसंगतियां
- आंतरिक गृह व्यवस्था, इंटर ऑफिस रिकोनसाईलेसन एवं बकाया प्रविष्टियाँ

प्रबन्धन अंकेक्षण

बैंक में दिनांक 09.02.2018 को प्रायोजक बैंक एसबीआई द्वारा प्रबन्धन ऑडिट करवायी गई जिसकी अनुपालना रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई एवं कोरपोरेट ऑफिस, एसबीआई द्वारा उक्त रिपोर्ट को बन्द कर दिया गया।

Compliance Audit:

Compliance Audit was conducted at 70 (20% of branches whose report were closed) branches during this year as per the schedule.

IS Audit

IS Audit has been conducted at 12 Regional Business Offices and Head Office including IT Cell with the help of CISA qualified retired SBI official as per the instructions of Corporate Centre, State Bank of India, Mumbai.

Audit of other Administrative Units

All the twelve Regional Business Offices, AMH and two departments i.e. FAC & Office Administrative Department have also been audited.

Audit Committee of the Board

The Audit Committee, constituted with one SBI-nominee-director as Chairman and nominee directors of RBI, NABARD and Govt. of India as members has met 3 times during the year and reviewed the following areas:

- Position of Conducting of different Audits
- Common irregularities observed in (a) Risk Focused Internal Audits (b) Concurrent audit
- Special Audits
- Review and follow-up action on the Internal Audit Reports, particularly of "Unsatisfactory" branches and large branches and also on Concurrent Audit observations.
- Follow-up action on irregularities pointed out by Internal Auditors at large branches in RFIA and in the Concurrent Audit Reports.
- Branches where audit rating is downgraded.
- Compliance for NABARD inspection Report, Statutory Audit Report, Management Audit, RFIA, Concurrent Audit reports.
- Periodical review of the accounting policies/systems controls in the Bank with a view to ensuring greater transparency in the Bank's accounts and adequacy of accounting controls to address the risks faced or likely to be faced by the Bank.
- Findings of LFAR
- Position of housekeeping and Inter Office reconciliation and outstanding entries.

Management Audit

The Management Audit of our Bank was conducted by our Sponsor Bank, SBI on 09.02.2018. We have submitted our compliance to the Management Audit Report and report has been closed by State Bank of India, Corporate Office, Mumbai.

नाबार्ड निरीक्षण बैंकिंग विनियमन अधिनियम एक्ट 1949 की धारा 35 (6) के तहत

नाबार्ड द्वारा 11 जून 2018 को बैंक का निरिक्षण किया एवं निरिक्षण में बैंक को अति उतम रेटिंग प्रदत की गई।

बैंक नीति की रूपरेखा

हमने बैंकिग के सभी क्षेत्रो की पहचान करने की कोशिश की है ओर हमारे दृष्टिकोण में स्थिरता के लिए एक नीतिगत रूपरेखा तैयार की है। नीति की रूपरेखा तैयार करते समय रिजर्व बैक ऑफ इंडिया, नाबार्ड, प्रायोजक बैक एसबीआई एवं बैंकिग के सामान्य सिद्धान्तो को ध्यान मे रखा गया है। बैक बोर्ड द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित नीतियाँ निम्नानुसार है

1 ग्राहक अधिकार नीति
2. केवाईसी/एएमएल नीति
3. साख नीति
4. मूल्यह्रास नीति
5. बिजनेस कन्टीन्यूटी प्लान
6. स्थानान्तरण नीति
7. डिबारमेन्ट नीति
8. अंतर बैंक सहभागिता नीति
9. निवेश नीति
10. समवर्ती लेखा नीति
11. आई एस ऑडिट नीति एवं संशोधित जोखिम आधारित आंतरिक अंकेक्षण (रफिया)
12. आस्ति देयता प्रबन्धन नीति
13. वित्तीय साक्षरता केन्द्र नीति
14. मुआवजा नीति
15. इंटरनेट बैकिंग नीति
16. बैंक एवं ऑफिस हेतु परिसर किराये पर लेने एवं छोड़ने की नीति
17. इलेक्ट्रोनिक वेस्ट (ई – वेस्ट) प्रबन्धन नीति
18. सूचना तकनीकी नीति (मानक एवं प्रकिया)
19. इन्फोरमेशन सिक्योरिटी पॉलिसी(मानक एवं प्रकिया)
20 प्रशिक्षण पॉलिसी
21. अपलेखन नीति
22. शिकायत निवारण नीति
23. व्हीसल ब्लोअर नीति

NABARD Inspection under Section 35(6) of the Banking Regulation Act 1949

The NABARD Inspection has been conducted on 11th June, 2018 and the Rating awarded is Very Good. Final Compliance for the Report was submitted in time.

Policy Framework of the Bank

We have tried to identify all areas of Banking and put in place a policy framework for consistency in our approach. While framing the Policies, all extant instructions of Reserve Bank of India, NABARD, Sponsor Bank and general principles of banking as envisaged in various Acts governing the Banking, have been taken into account. Our Bank has the following policies now on record, duly deliberated in the Board Meetings and approved by the Board.

1. Customer Rights Policy
2. KYC / AML Policy
3. Credit Policy
4. Depreciation Policy
5. Business Continuity Plan
6. Transfer Policy
7. Debarment Policy
8. Inter Bank Participation Policy
9. Investment Policy
10. Concurrent Audit Policy
11. IS Audit Policy & Revised Risk Focused Internal Audit(RFIA)
12. Asset Liability Management Policy
13. Financial literacy Centers Policy
14. Compensation Policy
15. Internet Banking Policy
16. Hiring & De-Hiring of Premises For Branches & Offices Policy
17. Electronic Waste (E-Waste) Management Policy
18. Information Technology (IT) Policy with Standard & Procedures
19. Information Security (IS) policy with Standard & Procedures
20. Training Policy
21. Write-Off policy
22. Grievance Redressal Policy
23. Whistle Blower Policy

उपरोक्त नीतियां बैक के कामकाज के हर प्रमुख क्षेत्र पर प्रभावी और सिद्ध प्रणाली एवं प्रकियाओं को सुनिश्चित करने में सहायक हैं। उक्त नीतियां विनियामक आवश्यकताओं का पालन करने मे स्टाफ के मार्गदर्शन का कार्य करती है।

वित्तीय समावेशन

स्वतत्रंता प्राप्ति के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा बैंकिंग उद्योग को वित्तीय समावेशन की आवश्कता रही है। वित्तीय समावेशन का उद्देश्य लाभकारी तकनीकों का प्रयोग कर वित्तीय सेवाओं से वंचित समाज के लोगों को जोड़ना रहा है।

गाँवों में निवास करने वाले गरीब प्रायः अपनी छोटी वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति गाँव के साहूकरों के चंगुल में फंस कर ही कर पाते है। यह कर्ज का जाल जीवन भर चलता है। इस कर्ज से छुटकारा पाने का फिर कोई रास्ता नहीं बचता। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे लोगों के पास संसाधन नहीं होने से बचत करना भी मुश्किल होता है।

हमारा बैंक (भारत सरकार, राजस्थान सरकार तथा भारतीय स्टेट बैंक का संयुक्त उपक्रम) इनके जीवन में सुधार का कार्य करता है। इनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए बैंक द्वारा नवीन तकनीकों का प्रयोग कर इनके घर पर बैंकिंग सुविधाओं को पहुँचाने का अभूतपूर्व कार्य बैंक द्वारा किया जा रहा है।

वित्तीय समावेशन की कड़ी में 2210 बैंक मित्रों तथा 32 अति लघु शाखाओं द्वारा कार्य किया जा रहा हैं। 2210 बैंक मित्रों में से 1000 बैंक मित्रों को माईक्रो एटीएम प्रदान किये गये है।

बैंक मित्रों के द्वारा प्रयोग में लिये जा रहे माईक्रो एटीएम के माध्यम से किसी भी समय बैंकिंग लेन–देन सीबीएस प्लेटफार्म पर किया जा सकता है। बैंक मित्र के द्वारा निम्नानुसार बैंकिंग संव्यवहार व कार्य किये जाते हैः–

अ) बचत तथा आवर्ती जमा खाता खोलना।

ब) रोकड़ निकासी, जमा तथा कोष अन्तरण।

स) एईपीएस संव्यवहार – (On us & Off us)

द) रूपे डेबिट कार्ड संव्यवहार – (On us & Off us)

य) रूपे किसान क्रेडिट कार्ड से On us संव्यवहार।

बैंक मित्रों के द्वारा समस्त वित्तीय समावेशन से संबंधित कार्य उनके पास धारित माईक्रो एटीएम के माध्यम से ऑन लाईन सम्पन्न किये जाते है तथा लाभार्थी के संव्यवहार बॉयोमेट्रिक सत्यापन के सिद्धान्त पर तत्काल बैंक के सीबीएस सर्वर पर तकनीकी सेवा प्रदाता कम्पनी के माध्यम से सम्पन्न हो जाते है।

चालू वित्तीय वर्ष के आरम्भ में बैंक मित्रों के द्वारा किये गये संव्यवहार 25,75,927 (राशि रू. 1082.29 करोड़) दिनांक 31.03.2019 को बढ़ कर 45,98,196 (राशि रू. 1881.51 करोड़) पर पहुँच गये है। वित्तीय वर्ष 2018–19 में बैंक मित्रों के द्वारा संव्यवहार में 56 प्रतिशत तथा राशि में 57.52 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करवाई हैं।

तुलना करने पर बैंक के रू. 10,000/– तक के कुल संव्यवहारों में बैंक मित्रों के 30 प्रतिशत संव्यवहार सम्मिलित है। वित्तीय वर्ष 2018–19 के अन्त तक बैंक मित्रों के द्वारा कुल 6,94,486 बचत खातें संचालित किये जा रहे थे तथा आगामी वित्तीय वर्ष हेतु 25 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार बैंक मित्रों के द्वारा 648 (रू. 7.98 लाख शेष सहित) बैंक आवृत्ति खाते संचालित किये जा रहे थे तथा इस हेतु भी आगामी वित्तीय वर्ष में 25 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

These policies are meant to help ensure that the Bank has an effective and proven systems and procedures on every key area of the Bank's functioning. They also guide the operating staff to comply with the regulatory requirements

Financial Inclusion

Financial Inclusion has been the concern of Indian economy and banking industry since the independence. Leveraging technology is the basic idea behind our initiative in providing Banking Services at the doorsteps of the unbanked and underprivileged people of the society.

The rural poor had long been in the clutches of money lenders to meet their immediate financial needs for decades. This traps them into debt for their life time. There were no means for these people to come out of these debt traps and lead a debt free lives. Thrift was an unusual habit in these group of people in the rural areas.

As a Bank (established jointly by Government of India, State Bank of India and State Government) we have made difference in their lives. Using technology has greatly galvanized our efforts to bring in unprecedented transformation in providing banking facilities to these people at their door steps.

As part of financial inclusion, the bank has 32 USB Branches and 2210 Bank Mitras, out of which 1000 are equipped with micro ATMs. 32 USB branches.

The Bank Mitras uses a hand held Micro ATM devices to carry out the banking transactions in real time on our CBS platform. The following banking transactions are enabled at Bank Mitra Points:

a. Account opening both SB & RD

b. Cash withdrawal, deposit and fund transfer

c. AEPS transactions both Onus and Off us

d. Rupay Debit card transactions both Onus and Off us

e. Rupay Kisan credit card Onus transactions

The entire Financial Inclusion (FI) operations at Banking Correspondent Agents work on the principle of Biometric verification of the beneficiaries through micro ATMs and are online, hitting our CBS server instantly through Third Party Integration, which facilitates updation of transactions carried out by Banking Correspondent Agents on real time basis, in CBS Server, via TSPs' Servers.

No. of Bank Mitra transactions have increased from 25,75,927 (Involving an amount of Rs. 1082.29 Crore) to 45,98,196 (Involving Rs.1881.51 Crore) as on 31.03.2019. We have achieved 56% growth in the number of transactions and 57.52% growth in amount of transactions during FY 2018-19.

Bank Mitras have shared 30% of the number of transactions compared with the total bank transactions below Rs. 10000/-. At the end of the FY 2018-19, number of SB Accounts opened and maintained by Bank Mitras is 6,94,486 and we have set a target of 25% growth during the coming FY. Number of RD Accounts opened and maintained by Bank Mitras is 648 (with a balance of Rs. 7.98 lac) and we have set a target of 25% growth during the coming FY.

वित्तीय समावेशन खाते – आधार सीडींग

प्रधानमंत्री जनधन तथा भामाशाह योजनान्तर्गत सक्रिय 1978581 खातों में से 1881439 (95.09 प्रतिशत) खातों में दिनांक 31.03.2019 तक आधार सीडींग की जा चुकी है।

वित्तीय समावेशन – सामाजिक सुरक्षा योजनाएं (पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई तथा एपीवाई)

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना भारत सरकार द्वारा संचालित एक वर्ष हेतु बीमा योजना है, जिसका वार्षिक नवीनीकरण तथा किसी भी परिस्थिति में मृत्यु पर बीमा राशि देय है। इस योजना में 18 से 50 वर्ष की आयु तक के व्यक्ति जिनका बैंक में खाता है, ऑटो डेबिट की सुविधा प्राप्त कर अपनी सहमति प्रदान करते हुए सम्मिलित हो सकते है। बैंक खाते में मुख्यतः केवाईसी हेतु आधार नम्बर आवश्यक है। इस योजना में रू. 2.00 लाख का नवीनीकरण सुविधा युक्त बीमा एक वर्ष हेतु 01 जून से 31 मई तक की समयावधि हेतु से किया जाता है। किसी भी कारण बीमित की मृत्यु पर रू. 2.00 लाख का बीमा कवर उपलब्ध है। दिनांक 01.09.2018 से संशोधित प्रीमियम राशि की तालिका निम्नानुसार है :–

नामांकन माह	माह हेतु देय प्रीमियम	प्रीमियम राशि
जून, जुलाई व अगस्त	4 त्रैमास–पूर्ण पॉलिसी हेतु	रू. 330.00 + Tax (प्रशासनिक व्यय रू. 41.00 प्रति पॉलिसी धारक)
सितम्बर, अक्टूबर व नवम्बर	3 त्रैमास	रू. 258.00 + Tax (प्रशासनिक व्यय रू. 33.00 प्रति पॉलिसी धारक)
दिसम्बर, जनवरी व फरवरी	2 त्रैमास	रू. 172.00 + Tax (प्रशासनिक व्यय रू. 22.00 प्रति पॉलिसी धारक)
मार्च, अप्रेल व मई	1 त्रैमास	रू. 86.00 + Tax (प्रशासनिक व्यय रू. 11.00 प्रति पॉलिसी धारक)

पॉलिसी नवीनीकरण हेतु वार्षिक प्रीमियम राशि रू. 330/– प्रति पॉलिसी खाता धारक के बचत खाते से ऑटो डेबिट जैसा कि ग्राहक द्वारा दिनांक 31 मई से पूर्व विकल्प दिया गया हो, योजना पर लागू होगी।

चालू वित्तीय वर्ष 2018–19 में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 14637 ग्राहकों का बीमा किया गया तथा वर्तमान में उक्त योजना के कुल 106962 खाते सक्रिय है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनान्तर्गत दिनांक 31.03.2019 तक 726 दावों का निस्तारण करवा कर रू. 14.52 करोड़ का भुगतान करवाया जा चुका है।

Financial Inclusion Accounts – Aadhar Seeding

Out of 19,78,581 Operative PMJDY & BHAMASHA accounts, 18,81,439 accounts (95.09%) have been seeded with Aadhar as on 31.03.2019.

Financial Inclusion- Social Security Schemes (PMJJBY, PMSBY,APY)

Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana(PMJJBY)

PMJJBY is a one-year life insurance scheme, backed by Government of India, renewable from year to year, offering coverage for death. People in the age group of 18 to 50 years having a bank account who give their consent to join / enable auto-debit, are eligible. Aadhar would be the primary KYC for the bank account. The life cover of Rs. 2 lakhs shall be for the one year period stretching from 1st June to 31st May and will be renewable. Risk coverage under this scheme is for Rs. 2 Lakh in case of death of the insured, due to any reason. The revised rates of premium will be applicable w.e.f. 01.09.2018 as follows-

Month of enrolment	Premium Payable for	Premium amount payable
June, July & August	Entire policy year i.e. 4 quarters	Rs. 330/- plus applicable taxes, if any (This includes administrative charges payable to Banks which is currently Rs 41/ - per subscriber)
September, October & November	3 quarters	Rs. 258/- plus applicable taxes, if any (This includes administrative charges payable to Banks which is currently Rs 33/- per subscriber)
December, January & February	2 quarters	Rs. 172/- plus applicable taxes, if any (This includes administrative charges payable to Banks which is currently Rs 22/ - per subscriber)
March, April & May	1 quarter	Rs. 86/- plus applicable taxes, if any (This includes administrative charges payable to Banks which is currently Rs 11/ - per subscriber)

The renewal policy premium is Rs. 330 per annum which is to be auto-debited in one installment from the subscriber's bank account as per the option given by him on or before 31st May of each annual coverage period under the scheme.

We have enrolled new 14,637 customers under Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana during FY 2018-19, taking the total accounts to 1,06,962. Total 726 claims worth Rs 14.52 Cr amount was settled under PMJJBY as on 31.03.2019.

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दुर्घटना पर मृत्यु अथवा विकलांगता पर आधारित एक वर्षीय बीमा योजना है, जिसे वार्षिक आधार पर नवीनीकृत करवाया जा सकता है। इस योजना में 18 से 70 वर्ष की आयु तक के व्यक्ति जिनका बैंक में खाता है, ऑटो डेबिट की सुविधा प्राप्त कर अपनी सहमति प्रदान करते हुए सम्मिलित हो सकते है। बैंक खाते में मुख्यतः केवाईसी हेतु आधार नम्बर आवश्यक है। इस योजना में रू. 2.00 लाख का नवीनीकरण सुविधा युक्त बीमा एक वर्ष हेतु 01 जून से 31 मई तक की समयावधि हेतु किया जाता है। दुर्घटना के कारण बीमित की मृत्यु अथवा 100 प्रतिशत विकलांगता पर रू. 2.00 लाख का बीमा कवर उपलब्ध है जबकि आंशिक विकलांगता पर रू. 1.00 लाख बीमा कवर देय है। इस योजना में बीमा प्रीमियम राशि रू. 12/– एक मुश्त ग्राहक के बचत खाते से ऑटो–डेबिट की जायेगी।

चालू वित्तीय वर्ष 2018–19 में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 23524 ग्राहकों का बीमा किया गया तथा वर्तमान में उक्त योजना के कुल 342184 खाते सक्रिय है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत दिनांक 31.03.2019 तक 221 दावों का निस्तारण रू. 4.41 करोड़ द्वारा किया जा चुका है।

(प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनान्तर्गत शाखा प्रबंधक, दत्तुर (आर.बी.ओ. बीकानेर)
ग्रामीणजनों की उपस्थिति में नामांकिती को दावा राशि प्रदान करते हुए)

अटल पेंशन योजना (एपीवाई)

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले और मजदूरों जैसे नौकर, वाहन चालक, माली आदि को जीवनभर की पेंशन प्रदान करने के लिए अटल पेंशन योजना वर्ष 2015 में शुरू की गई थी। अटल पेंशन योजना का मुख्य ध्येय रिटायर होने पर लोगों को गारन्टी के साथ पेंशन देना है जो इस योजना में भागीदार रहे हैं। अटल पेंशन योजना की रकम किए गए निवेश और उम्र पर निर्भर करती है। अटल पेंशन योजना के तहत कम से कम रू. 1000/– तथा अधिकतम रू. 5000/– मासिक पेंशन का प्रावधान है। बैंक खाते में मुख्यतः केवाईसी हेतु आधार नम्बर आवश्यक है तथा इस योजना में नामांकन हेतु खाता धारक की आयु सीमा 18–40 वर्ष निर्धारित है।

वर्ष 2017–18 में अटल पेंशन योजना के 11161 खाते नामांकित थे जबकि चालू वर्ष 2018–19 में उक्त योजना हेतु बैंक की 697 शाखाओं द्वारा 22459 खातों में नामांकन दर्ज किया गया। वर्ष 2017–18 में प्रति शाखा औसत 17.88 था यह वर्ष 2018–19 में प्रति शाखा औसत बढ़कर 32.22 तक पहुँच गया।

Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana(PMSBY)

PMSBY is an accident insurance scheme and offers a one-year accidental death and disability cover, which can be renewed annually. The Scheme is available to people in the age group 18 to 70 years with a bank account who give their consent to join / enable auto-debit on or before 31st May for the coverage period 1st June to 31st May on an annual renewal basis. Aaadhar would be the primary KYC for the bank account. The risk coverage under the scheme is Rs.2 lakh for accidental death and full disability and Rs. 1 lakh for partial disability. The premium of Rs. 12 per annum is to be deducted from the account holder's bank account through 'auto-debit' facility in one installment.

We have enrolled new 23524 customers under Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana during FY 2018-19, taking the total to 342184 accounts. Total 221 claims worth Rs 4.41 Cr amount was settled under PMSBY as on 31.03.2019.

PMSBY claim amount given to Nominee by
Branch Manager Dattaur (RBO Bikaner) in the presence of villagers.

Atal Pension Yojana (APY)

APY is a pension scheme for unorganized sector workers such as personal maids, drivers, gardeners etc., launched in June 2015 by the GoI. APY aims to help these workers save money for their old age while they are working and guarantees returns post retirement. Under the APY, there is guaranteed minimum monthly pension for the subscribers ranging between Rs. 1000 and Rs. 5000 per month, depending on the entry age and monthly contribution. All Bank Account holders aged between 18-40 years are eligible for enrolment.

Total of 22459 enrolments were mobilised under Atal Pension Yojana (APY) for FY 2018-19 as against 11161 mobilised in FY 2017-18, with the active participation of the 697 branches. Average number of enrolments per branch under APY scheme went up to 32.22 during FY 2018-19 whereas it was 17.88 in FY 2017-18.

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित विशेष एपीवाई अभियान

भारत में सभी वर्गों को पेंशन सुविधा युक्त समाज के दृष्टिकोण से पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकारण द्वारा अनेकों अभियान बैंकों के माध्यम से भी चलाये गये ताकि पेंशनभोगी तबके को स्थापित किया जा सके। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकारण द्वारा इस हेतु बैंक की शाखाओं को न्यूनतम लक्ष्य भी आबंटित किये गये तथा लक्ष्यार्जन वाली शाखाओं को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया, जिसमें बैंक की सभी शाखाओं ने भागीदारी निभाते हुए कार्य किया। इसका विवरण निम्नानुसार है :–

वित्तीय वर्ष 2018–19 में अभियान – उपलब्धियां

1.) ट्रेंडसेटर 2018–19 शाखाओं के लिए अभियान (11 अप्रैल, 2018 से 25 अप्रैल, 2018)

हमारे चार शाखा प्रबंधकों ने लक्ष्य हासिल किया और उन्हें ग्रामीण, अर्ध शहरी, शहरी और मेट्रो श्रेणी के तहत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। श्री झूमर लाल डाबी (जडन शाखा, क्षे.व्य.का. पाली द्वितीय), श्री मूलचंद कुमावत (टीडी शाखा, क्षे.व्य.का. उदयपुर), श्री प्रदीप चौधरी (रानावास शाखा, क्षे.व्य.का. पाली द्वितीय), श्री अमित कुमार (बम्बोरा, पाली द्वितीय उदयपुर)

2.) विनिंग वेडनसडे – (23 मई, 2018 से 25 जून, 2018 तक)

हमारे बैंक के एक क्षेत्रीय प्रबंधक, चार शाखा प्रबंधक और एक महिला कर्मचारी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए चुना गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रकाश चंद सेठी (क्षे.व्य.का. पाली द्वितीय)

सर्वश्रेष्ठ शाखा प्रबंधक : श्री महेंद्र कुमार मीणा (बर शाखा, क्षे.व्य.का. पाली प्रथम), श्री जबर पुरी गोस्वामी (बीजापुर शाखा, क्षे. व्य.का. पाली द्वितीय), श्री नरेंद्र कुमार खत्री (बाड़मेर शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर), श्री रामजी लाल मीणा (रामगढ़ पचवाड़ा शाखा, क्षे.व्य.का. जयपुर प्रथम)

सर्वश्रेष्ठ महिला कर्मचारी मिस नेहा पालीवाल (चौपासनी हाउसिंग बोर्ड शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

APY Special Campaigns conducted by PFRDA

With a view to make India a pensioned society, PFRDA organized several campaigns to motivate Banks to contribute to the Government of India's endeavor to make move our Society from Pension less to Pensioned. PFRDA also prescribed enrolling minimum number of accounts per branch to qualifying for consideration and announcing award for the top performer. We have actively participated in all the Campaigns, the details of which are as under:

Campaigns in FY 2018-19 V/S Achievements

1.) Trendsetters 2018-19 campaign for Branches (11th April - 25th April 2018)

Our Four Branch Managers qualified & felicitated by awards under Rural, Semi Urban, Urban & Metro Category. Sh. Jhumer Lal Dabi (Jadan Br, RBO Pali-2), Sh. Mulchand Kumawat (Tidi Br, RBO Udaipur), Sh. Pradeep Choudhary (Ranawas, RBO Pali-2), Sh. Amit Kumar (Bambora, RBO Udaipur)

2.) Winning Wednesday (WW) -for period (23rd May 2018 to 25th June 2018)

Our Bank One Regional Manager, Four Branch Managers & One Woman Employee shortlisted for Best Performance and were felicitated.

Best Regional Head: Sh. Prakash Chand Sethi (Region – Pali-2)

Best Branch Managers: Sh. Mahendra Kumar Meena (Bar Br.), Sh. Jabar Puri Goswami (Bijapur Br.), Sh. Narendra Kumar Khatri (Barmer Br.), Sh. Ramji Lal Meena (Ramgarh Pachawada)

Best Woman Employee: Miss Neha Paliwal (Choupasani Housing Board, RBO Jodhpur)

श्री प्रकाश चन्द सेठी, क्षेत्रीय प्रबन्धक पाली द्वितीय सम्मान प्राप्त करते हुए

3.) विनिंग वेडनसडे – (जुलाई 2018 से अगस्त 2018 तक)

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख श्री राम प्रकाश अत्रे (क्षे.व्य.का. जोधपुर)

सर्वश्रेष्ठ शाखा प्रबंधक :

श्री राजेश कुमार मीणा (साल्वा खुर्द शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

श्री प्रवीण चारण (सांगरिया शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

श्री घेवर राम (होडू शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

श्री शिव रतन माली (सेखासर शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

सर्वश्रेष्ठ महिला शाखा प्रबंधक : मिस मोनिका चौहान (साल्वा खुर्द शाखा, क्षे.व्य.का. जोधपुर)

Regional Manager, RBO Pali-2, Sh. Prakash Chand Sethi getting felicitated.

3.) Winning Wednesday (WW) -for period (July '18 to 2nd August'18)

Best Regional Head : Sh. Ram Prakash Atrey (RBO Jodhpur)

Best Branch Managers: -

Sh. Rajesh Kumar Meena (Salwa Khurd, RBO Jodhpur)

Sh. Praveen Charan (Sangariya Br, RBO Jodhpur)

Sh. Ghewar Ram (Hadoo Br., RBO Jodhpur)

Sh. Shiv Ratan Mali (Sekhasar Br., RBO Jodhpur)

Best Woman Branch Manager: Monika Chouhan, (Salwa Br., RBO Jodhpur)

4.) राइज अबाव रेस्ट (5 अक्तूबर से 17 अक्तूबर, 2018)

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय प्रबंधक : – हमारे बैंक के दो क्षेत्रीय प्रबंधकों को शीर्ष प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कारों से सम्मानित किया गया

श्री कमल सक्सेना (क्षे.व्य.का. उदयपुर)

राम प्रकाश अत्रे (क्षे.व्य.का. जोधपुर)

5.) परफॉर्म फॉर प्राइड (राज्य अभियान) शीर्ष प्रदर्शन करने वाली शाखाएँ (12–26 दिसम्बर, 2018)

हमारे बैंक की दो शाखा प्रबंधक पुरस्कार के लिए योग्य हैं
और छह शाखा प्रबंधक प्रशंसा के प्रमाण पत्र के लिए योग्य हैं।

4.) RISE ABOVE REST (5th October – 17th October 2018) Top Performing Regional Manager

Our Bank's Two Regional Managers shortlisted & Felicitated by Awards for Top Performing Regional Manager.

a.) Sh. Kamal Saxena (RBO Udaipur)

b.) Sh. Ram Prakash Atrey (RBO Jodhpur)

5.) Perform for pride (PFP) A State Campaign (12-26 Dec, 2018) Top Performing Branches:

Our Bank's Two Branch Managers qualified for Awards & Six Branch Managers qualified for Certificate of Appreciation.

6.) बड़ा विश्वास अभियान (11–26 फरवरी, 2018) शीर्ष प्रदर्शन आरआरबी के लिए एक अभियान

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना में बैंक द्वारा सक्रिय भागीदारी निभाई गई। बैंक में कार्यरत वित्तीय साक्षरता समन्वयकों तथा लिंक शाखाओं द्वारा भी वित्तीय समावेशन हेतु कार्य निष्पादित किया गया। वित्तीय साक्षरता अभियान के अन्तर्गत जहाँ बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध नहीं थी, वित्तीय साक्षरता समन्वयकों द्वारा दूरस्थ ग्रामों में भी प्रोजेक्टर तथा तकनीकी उपकरणों के माध्यम से उक्त कार्य सफलतापूर्वक किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध करवाई गई मुद्रित सामग्री के माध्यम से भी उक्त संबंध में जागरूकता का प्रचार प्रसार किया गया। बैंक की शाखाओं द्वारा भी ग्राहकों से अधिकाधिक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना लेने हेतु गंभीरता से कार्य किया गया। दिनांक 01.06.2018 से 15.08.2018 तथा 14.04.2018 से 05.05.2018 तक ग्राम स्वराज अभियान के अन्तर्गत आयोजित विशेष जागरूकता अभियानों में उक्त योजनाओं में नामांकन तथा वित्तीय समावेशन के उद्देश्यों को अधिकाधिक लोगों के मध्य रखा गया।

डिजिटल वित्तीय साक्षरता जागरूकता कैम्प

आरबीआई द्वारा निर्धारित नीतियों तथा लिये गये निर्णयानुसार वित्तीय साक्षरता कैम्प आज के समय की माँग है। हमारे बैंक द्वारा भी उक्त डिजिटल वित्तीय साक्षरता जागरूकता कैम्प ग्रामीण जनों में अपेक्षित जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किये गये। साथ ही ग्रामीण जनों को इन कैम्पों के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया ताकि ग्रामीणजन बैंकों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली नई तकनीकों यथा एटीएम कार्ड प्रयोग, माईक्रो एटीएम, पीओएस संव्यवहार, मोबाइल बैंकिंग, मोबाइल बटुआ का अधिक प्रयोग करे। इस हेतु बैंकों को भी प्रोत्साहित किया गया कि वह इस दिशा में अपनी महत्ती भूमिका अदा करे। इस प्रयोजनार्थ ग्रामों के मुख्य आम रास्तों पर सभाए आयोजित करवाई गई ताकि ग्रामीणजन उन्नत वित्तीय तथा तकनीकी कौशल से रूबरू हो सके। ग्रामीणजनों के मध्य वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित कैम्पों में व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु पुस्तिका, ब्रोशर तथा बैनर आदि का भी प्रदर्शन व वितरण किया गया। इस हेतु नाबार्ड के वित्तीय समावेशन कोष से 52 कैम्पों को आयोजित करने में सहयोग प्राप्त हुआ।

वित्तीय साक्षरता केन्द्र

वित्तीय साक्षरता का मुख्य उद्देश्य सरल शब्दों में यह बताना है कि बैंक में बचत क्यो ?, बैंक से उधार क्यों ?, तथा ऋण पुनर्भुगतान समय से क्यों ? किया जावे, इस हेतु भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंको को सलाह दी है कि प्रत्येक जिले में वित्तीय समावेशन केन्द्र स्थापित किया जावे। जिस पर बैंक ने अपने 14 जिलों में 14 वित्तीय साक्षरता केन्द्र यथा बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, दौसा, जयपुर, जालोर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, पाली, सिरोही, राजसमन्द, श्रीगंगानगर तथा उदयपुर में नाबार्ड के दिशा निर्देशन में स्थापित किये। बैंक द्वारा सेवा निवृत्त बैंक अधिकारी तथा एमबीए या एमएसडब्ल्यू डिग्रीधारकों, जिन्हें किसी भी वित्तीय संस्थान में 3 वर्ष कार्य का अनुभव हो, वित्तीय साक्षरता समन्वयक के पद पर कार्य हेतु नियुक्त किया गया। यह वित्तीय साक्षरता केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालयों के अधीन जिला मुख्यालयों पर कार्यरत है। वित्तीय साक्षरता समन्वयकों ने 1984 वित्तीय साक्षरता कैम्पों का आयोजन भी किया।

बैंक की ग्रामीण शाखाओं ने भी 8356 कैम्पों का अयोजन इस चालू वित्तीय वर्ष में किया है।

आधार नामांकन तथा अद्यतनीकरण केन्द्र

भारत सरकार के आदेशों की अनुपालना में सभी बैंकों को अपने नेटवर्क के 10 प्रतिशत भाग में आधार नामांकन तथा अद्यतनीकरण केन्द्रों की स्थापना अनिवार्य रूप से करनी थी। आमजन तथा बैंक के ग्राहकों को आधार नामांकन तथा अद्यतनीकरण सुविधा प्रदत्त करवाने के प्रयोजनार्थ हमारी बैंक द्वारा भी 68 केन्द्रों पर इसकी स्थापना की गई। बैंक कार्मिक भी इस कार्य में सहयोग प्रदान कर रहे है। इन केन्द्रों के पर्यवेक्षण हेतु बैंक के 77 अधिकारियों का चयन किया गया है।

6.) "Big Believer Campaign (11th Feb 2019 to 28th Feb 2019)"A Campaign for top performing RRBs.

Our Bank has been actively participating in Social Security Schemes viz., PMJJBY, PMSBY and APY. Bank has on boarded retired bankers as FLC Coordinators who are handling FI activities of the FLCs & other link branches. They are spreading financial literacy in remote village where banking outlets are not available through projectors & other technical gadgets. They are also providing counseling through other printed FI material provided by Reserve Bank of India. Bank sensitized & mobilized awareness customers for enrolments under the two social security schemes i.e. PMJJBY and PMSBY.Make plan for organizing Special camps for maximum awareness and enrolment during the financial inclusion drive Gram Swaraj Abhiyan 01.06.2018 to 15.8.2018 (GSA I) & Gram Swaraj Abhiyan 14.4.2018 to 5.5.2018 (GSA II).

Digital Financial Literacy Awareness Camps (DFLAPS)

Following the need of the hour and taking cues from RBI's policies and initiatives, our Bank launched Digital Financial Literacy Awareness Camps to create awareness among rural people and encourage them to use Card technology, ATMs, micro ATMs, PoS transactions, use Mobile Banking, Mobile Wallets and to highlight the role of Bank Mitras engaged by the Bank. Street shows have been deployed in the villages with the above contents so as to attract the rural customers to upgrade their financial and technical skills. The publicity material in the form of pamphlets, brochures and banners were distributed during the camps to spread the message of financial awareness among the rural people. While we have conducted these programmes in 52 villages, NABARD sanctioned a grant assistance for these programmes.

Financial Literacy Centres (FLCs):

With a prime objective to impart financial literacy in the form of simple messages like 'why save with Banks, why borrow from Banks, why repay the loans in time' the Reserve Bank of India has advised all the Banks to set up one Financial Literacy Centre (FLC) each in the operating districts of the Bank. The Bank has opened 14 such Financial Literacy Centres in 14 districts viz., Bikaner, Jaisalmer, hanumangarh, Dausa, Jaipur, Jalore, Barmer, Jodhpur, Nagaur, Pali, Sirohi, Rajsamand, Sriganganagar and Udaipur in tune with the guidelines issued by the NABARD. The Bank has posted retired Bank staff and MBA or MSW degree holders who have 3 years working experience in any Financial Institution to look after the affairs of FLCs as counsellors. These FLCs are located at the district centres and housed in the Regional Offices. The Financial Literacy Counsellors have conducted 1894 Financial Literacy Awareness Camps during the year.

Our Rural Branches have conducted a total of 8356 Financial Literacy camps during the year.

Aadhar Enrolment and Updation Centres

Following the mandate from Government of India for all the Banks to open Aadhar Enrolment and Updation Centres in at least 10% of their Branch network, our Bank has initiated the task of opening Aadhar Enrolment Centers at 68 locations to extend the services of aadhar enrolment and updation to the public including our customers. Bank officials will assist in enrolment process.77 officials have been identified to supervise these Aadhar Enrolment Centres.

बैंक के ग्राहक इन केन्द्रों पर नामांकन के साथ अपने आधार में आवश्यक संशोधन करवा सकते है। नये नामांकन निशुल्क है जबकि जनसांख्यिकीय परिवर्तन यथा पता, नाम, लिंग, जन्म तिथि आदि हेतु रू. 59/– (जीएसटी सहित) की राशि प्रभारित की जाती है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशानुसार बैंक द्वारा दिनांक 31.03.2019 तक 68 आधार नामांकन तथा अद्यतनीकरण केन्द्र खोले गये हैं।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के अनुसार ग्राहकों के केवाईसी के प्रमाणीकरण हेतु प्रयुक्त सभी बॉयोमेट्रिक उपकरण भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा पंजीकृत होने चाहिए हमारे बैंक के सभी उपकरण पंजीकृत है।

परस्पर विपणन

एसबीआई जीवन बीमा

बैंक अपने ग्राहकों की जीवन बीमा पॉलिसी जैसी आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु एसबीआई लाईफ इन्शोरेन्स कम्पनी लिमिटेड के निगमित अभिकर्ता के रूप में कार्य कर रहा है। इस प्रकार यह कार्य वित्तीय समावेशन के उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ–साथ गैर ब्याज आय का भी एक साधन है। वित्तीय वर्ष 2018–19 में बैंक ने नवीन बीमा व्यवसाय के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य रू 25.86 करोड़ के विरूद्ध रू 24.62 करोड़ का लक्ष्यार्जन किया है, जिससे बैंक को रू 4.27 करोड़ का कमीशन प्राप्त हुआ जबकि यह नवीन बीमा व्यवसाय विगत वित्तीय वर्ष 2017–18 में रू 19.02 करोड़ था तथा इस पर रू 3.38 करोड़ का कमीशन अर्जित किया गया था।

एसबीआई जनरल बीमा

हमारे द्वारा निगमित अभिकर्ता के रूप में एसबीआई जनरल बीमा का कार्य वर्ष 2014–15 में आरम्भ किया गया। इसमें दो प्रकार के उत्पाद यथा समूह स्वास्थ्य बीमा योजना तथा समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना को बैंक के ऐसे ग्राहकों के लिए लागू किया गया जो इस हेतु पात्र व इच्छुक थे। बैंक के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2018–19 में निर्धारित किये गये लक्ष्य रू. 9.42 करोड़ के विरूद्ध रू 9.42 करोड़ का व्यवसाय किया गया। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में रू. 1.42 करोड़ का कमीशन अर्जित किया गया जबकि यह कमीशन वर्ष 2017–18 में रू. 35.72 लाख तथा व्यवसाय रू. 4.98 करोड़ रहा।

सूचना प्रौद्योगिकी

निरक्षर और ग्रामीण आबादी को एक प्रौद्योगिकी संचालित बैंकिंग से जोड़ना हमारे बैंक द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों में से एक है। वर्ष के दौरान शुरू की गई आईटी पहल ग्राहकों के लिए लाभप्रद है। हमने ग्रामीण लोगों को आईटी शिक्षित और संवेदनशील बनाकर, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के प्रवेश को गति दी है। हमने ग्रामीण ग्राहकों के लिए आईटी उत्पाद और सेवाओं का उपयोग करने के लिए, शाखाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के बीच जागरूकता अभियान एवं संस्थागत प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

बैंक की समस्त 701 शाखाएँ सीबीएस (कोर बैंकिंग सॉल्यूशन) प्लेटफार्म पर कार्यरत है। बैंक द्वारा एनपीसीआई के साथ एईपीएस, डीबीटीएल के माध्यम से अनुदान राशि ग्राहकों के खातों में हस्तानांतरण करने की सुविधा प्रारम्भ की गई है। बैंक ने सेवा शाखा जयपुर में सीटीएस प्रोसेस प्रारम्भ कर अगले कार्यदिवस को खाते में जमा करने की अग्रिम सुविधा प्रदान की है। बैंक ने स्त्रोत पर कर कटौती तथा वेतन भुगतान की केन्द्रीयकृत प्रणाली के लिए एचआरएमएस एप्लीकेशन को क्रियान्वित किया है। बैंक ने अन्य व्यावसायिक बैंकों के समरूप मोबाइल बैंकिंग एवं नेट बैंकिंग सुविधा को प्रारम्भ किया है। बैंक में त्वरित भुगतान तथा संग्रहण के लिए इलेक्ट्रोनिक समाशोधन व्यवस्था उपलब्ध है।

Customers can now do enrolments at these centers in addition to getting modifications to the existing cards. For new enrolment, the Bank does not charge any amount, while for demographic modifications such as address, name, gender, date of birth etc., they need to pay Rs.59/- (incl GST) in the Branch.

Our Bank has opened all 68 Aadhar enrolment and updation centers as on 31.03.2019 as per UIDAI guidelines.

UIDAI-Migration to Registered Device Services: All biometric devices used for authentication of customer KYC, using Aadhaar number have been migrated to Registered device services. The biometric devices both at branches and Bank Mithra's have been migrated to RD services.

Cross Selling

SBI Life Insurance

The Bank is a corporate agent of SBI Life Insurance Company Limited, to meet the life insurance needs of the Bank's customers, as part of Financial Inclusion apart from earning non-interest income. The Bank mobilized a New Business Premium (NBP) of Rs. 24.62 Crore against the target of Rs. 25.86 Crore and earned a commission of Rs. 4.27 Crore during the FY 2018-19 vis-à-vis the NBP of Rs.19.02 crores and commission of Rs.3.38 Crore during the year previous FY 2017-18 .

SBI General Insurance

We have commenced SBI General Insurance Business during the year 2014-15 as a Corporate Agent to market two Insurance products viz., Group Health Insurance Scheme and Group Personal Accidental Insurance Scheme apart from insurance to the Assets financed by the Bank to the eligible and willing customers. The Bank mobilized a business premium of Rs 9.42 Crore during the year 2018-19 against the target of Rs.9.42 Crore vis-à-vis Rs.4.98 Crore business premium during the previous FY 2017-18. The Bank earned a commission of Rs. 1.42 Crore for the year 2018-19. vis-a-vis the commission of Rs. 35.72 Lakhs for the year 2016-17.

Information Technology

Linking illiterate and rural population to the technology driven banking has been one of the hallmark achieved by our bank during the year. IT initiatives during the year are beneficial for the customers. Although the IT has been engulfing all sectors in urban areas, it is slower in rural areas - particularly banking space. We have speeded up the entry of technology in rural areas by making rural people educated and sensitive. We have organized awareness campaigns and institutional competition among the employees working in the branches and rural areas, to use IT products and services for rural customers.

All the 701 branches of the bank are working on CBS (Core Banking Solution) platform. Bank has started AEPS, DBTL with NPCI to provide facility of direct transfer of subsidy amount to the customer account. The Bank has provided advance facility of deposit to the next working day by CTS process in the service branch Jaipur. The Bank has implemented HRMS application to centralize the salary process. The bank has introduced mobile banking in line with other commercial banks. Bank offers the Electronic Clearing system for faster payments and collections.

सूचना प्रोधौगिकी क्षेत्र में बैंक ने अग्रांकित सेवाएँ प्रारम्भ की है

आईएमपीएस

आईएमपीएस सुविधा लाभार्थी बैंक के रूप में दिसंबर 2015 में प्रायोजक बैंक के उप सदस्य के रूप में शुरू की गई थी। हमारे बैंक में जनवरी 2017 में Remitter सुविधा युक्त आईएमपीएस लॉन्च किया गया था।

मोबाइल बैंकिंग

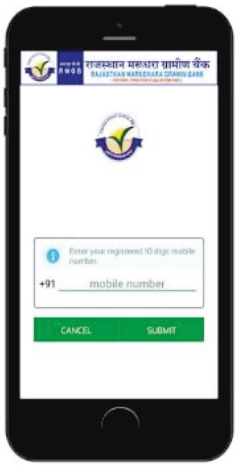

मोबाइल बैंकिंग ऐप हमारे ग्राहकों के लिए एक बहुत ही बेहतरीन ऐप है। यह ऐप एंड्रॉइड, आईओएस और विंडोज मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम पर उपलब्ध है। मोबाइल बैंकिंग में पंजीकरण के लिए पिन मेलर के स्थान पर "गो ग्रीन" पहल की गयी है। मोबाइल बैंकिंग ऐप के द्वारा एनईएफटी, आईएमपीएस के माध्यम से धन का प्रेषण और बैंक के भीतर लेनदेन हस्तांतरण, पंजीकृत ई–मेल आईडी पर बैलेंस पूछताछ और खाता विवरण प्राप्त किया जा सकता है। इसने बैंक को नए ग्राहकों को आकर्षित करने और मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से लेन–देन को तीन तरह से प्रमाणीकरण के साथ सुरक्षित किया जाता है, अर्थात वित्तीय लेनदेन करने के लिए सेवाओं और TPIN, MPIN व सुरक्षा का तीसरा कारक, ग्राहक के पंजीकृत मोबाइल पर भेजे गए OTP द्वारा वित्तीय लेनदेन का प्रमाणीकरण है।

अब तक हमारे लगभग 50000 ग्राहकों ने मोबाइल बैंकिंग सेवा को सक्रिय किया है और प्रत्येक ग्राहक ने वित्तीय वर्ष के दौरान औसतन चौबीस से अधिक लेनदेन किए हैं।

हमारे बैंक की मोबाइल बैंकिंग सेवाएं ग्राहकों द्वारा सरलता पूर्वक उपयोग की जा रही है और उनकी संतुष्टि को गूगल प्ले स्टोर के फीडबैक प्लेटफॉर्म पर उनके द्वारा मोबाइल बैंकिंग ऐप को दी गई रेटिंग से देखा जा सकता है। मोबाइल बैंकिंग ऐप को प्लेटफॉर्म पर 4.5 रेटिंग मिली है और डाउनलोड 1,00,000 + तक पहुंच गया है।

हमारे बैंक में मोबाइल बैंकिंग सेवाओं की विपुल संभावनाएं है। 45.32 लाख बचत खातों में से, 57 प्रतिशत से अधिक खातों में मोबाइल नंबर दर्ज हैं। इसी तरह 22.58 लाख पी.एम.जे.डी.वाई. खातों में 40 प्रतिशत खातों में मोबाइल नंबर दर्ज हैं।

यूपीआई सेवा

UPI, IMPS पर आधारित सेवा है जिसे हमारे बैंक ने जनवरी 2018 में हमारे ग्राहकों के लिए प्रारंभ की। UPI ऑनलाइन भुगतान करने की सरल प्रणाली है।

The Bank has introduced the following new IT initiatives:

Immediate Payment System (IMPS) Remitter

IMPS facility as beneficiary bank was launched in December 2015 as sub member of Sponsor Bank. After IMPS accounting procedure was put in place by SBI for RRBs, IMPS with remitter facility was launched in Jan 2017 in our Bank.

MOBILE BANKING:

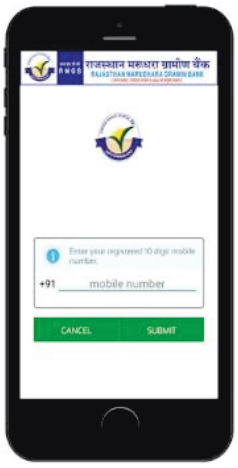

It is a new experience for a farmer to do banking while in farm. Mobile banking app is a very user friendly app for our customers. The app is compatible with, Android, iOS and Windows mobile operating systems. The requirement of a PIN mailer for registration/activation has been done away with as a Go Green initiative. Mobile Banking app offers remittance of funds through NEFT, IMPS, and transfer transactions within the bank, balance enquiry & account statement on registered E-mail ID. This has enabled the bank to attract new customers and retain the existing customers.

The transactions through Mobile Banking are secured with a three-way authentication i.e. MPIN to access the services and TPIN to perform financial transactions, the third factor of security, is authentication of a financial transactions by the OTP sent to the registered mobile of the customer.

More than a 50,000 customers have activated Mobile Banking service and each customer has carried out on an average a little over twenty four transactions during the Financial Year.

Our Bank's mobile banking service has been well received by the customers and their satisfaction can be gauged from the rating awarded by customers to the mobile banking app on the Google play store feedback platform. The mobile banking app has been receiving a consistent rating of 4.5 on the platform and the downloads have reached 1,00,000 +

There is a huge potential for the Mobile Banking Services in our Bank. Out of 45.32 Lakh SB Accounts, over 57% accounts have been seeded with Mobile Numbers. Similarly, out of 22.58 Lakh PMJDY Accounts, 40% accounts have been seeded with Mobile numbers.

Unified Payment Interface (UPI) Services

UPI is the most sophisticated public payments infrastructure which our Bank has extended to our customers in January 2018. UPI simplifies online payments and it is way ahead of NEFT / IMPS / digital wallet such as Paytm with regard to convenience. UPI is a layer over existing IMPS facility.

UPI सेवाओं द्वारा निम्नलिखित लाभ ग्राहक को प्राप्त होते हैं।

1. UPI सुविधा से हमारे ग्राहकों द्वारा धन हस्तांतरण में क्रांतिकारी बदलाव आया है और इसे संदेश भेजने के समान सरल बना दिया है।
2. तत्काल धनराशि मोबाइल के माध्यम से 24x7x365 स्थानांतरित की जा सकती है।
3. यूपीआई प्लेटफॉर्म हमारे ग्राहक को एनपीसीआई, भारत इंटरफेस फॉर मनी (BHIM) द्वारा उपलब्ध कराए गए एकल मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करने में सक्षम बनाता है, जो विभिन्न बैंक खाते तक पहुंच बनाने और उनके लेनदेन को अंजाम देता है।
4. UPI बैंकिंग लेनदेन करने के लिए Virtual address के उपयोग की सुविधा प्रदान करता है।
5. यूपीआई सुविधा का उपयोग करने वाला ग्राहक QR कोड को स्कैन करके व्यापारी प्रतिष्ठानों में की गई खरीदारी के लिए भुगतान कर सकता है।
6. ग्राहक BHIM ऐप से किये लेनदेन से सम्बंधित शिकायत सीधे BHIM एप द्वारा कर सकते हैं।

हमारे बैंक में UPI के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8760 लेनदेन किये जा रहे है ।

इंटरनेट बैंकिंग – केवल देखें

हम अपने ग्राहकों को View only अधिकार के साथ इंटरनेट बैंकिंग सुविधा प्रदान कर रहे हैं। अब हम लेन–देन के अधिकार के साथ पूर्ण इंटरनेट बैंकिंग सुविधा को लागू करने हेतु प्रक्रियाधीन हैं।

AEPS-आधार पे

हमारे ग्राहकों को हमारे बैंक के आधार लिंक्ड खाते का उपयोग करके व्यापारी प्रतिष्ठानों में नकद रहित लेनदेन करने में सक्षम बनाने के लिए, हमारे बैंक में आधार पे (issuer facility) सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा का उपयोग करके हमारा ग्राहक अन्य बैंक आधार भुगतान एप्लिकेशन का उपयोग करके आउटलेट्स पर नकद रहित लेनदेन करने में सक्षम होगा।

मिस्ड कॉल अलर्ट सुविधा

हमने 23.01.2019 को मिस्ड कॉल अलर्ट सुविधा शुरू की है। हमारे ग्रामीण ग्राहकों, विशेष रूप से डीबीटी और सरकार प्रायोजित योजनाओं के लाभार्थी, अपने खाते के शेष राशि को जानने के लिए शाखा में आते हैं, जिससे उनके समय, ऊर्जा व धन की क्षति होती है। ग्राहकों की कठिनाई को कम करने के लिए, बैंक ने उनके खाते की शेष राशि जानने के लिए मिस्ड कॉल बैंकिंग की शुरुआत की। खाते के साथ पंजीकृत मोबाइल के माध्यम से ग्राहक को खाता शेष दिखाते हुए एसएमएस प्राप्त करने के लिए पूर्वनिर्धारित नंबर पर एक मिस्ड कॉल देना होगा। यह सुविधा 24x7 उपलब्ध है।

The following benefits accrue to the customer who uses the UPI services of the bank.

1. The enabling of the UPI facility has revolutionized funds transfer by our customers and made it as simple as sending a message.
2. Immediate funds transfer through mobile devices round the clock 24 x 7, 365 days of the year.
3. Our on boarding the UPI platform enables our customer to use a single mobile application made available by NPCI, Bharat Interface for Money (BHIM) for accessing different bank account and carrying out their transactions.
4. UPI facilitates the use of virtual address for performing banking transactions.
5. The customer using UPI facility can make payments for purchases made at merchant establishments by scanning the Quick Response (QR) code.
6. Customer can raise complaints regarding transaction status directly from the BHIM app.

Within a short span average 8760 transaction per day has been carried out involving Rs. 1.13 Crore. through UPI.

Internet Banking – View Only Facility

We are providing Internet banking facility with view rights only to our customers. Now we are in process to implement Full-fledged Internet banking facility with transaction rights also.

AEPS - Aadhaar Pay:

To enable our customers to perform cash less transactions at merchant establishments using their Aadhaar linked account of our bank, Aadhaar Pay (Issuer) facility has been launched in our bank. Using this facility our bank customer would be able to perform cash less transactions at outlets using other bank Aadhaar pay apps.

Missed Call Alert Facility:

We have launched Missed call alert facility on 23.01.2019. Many of our rural customers, particularly the beneficiaries of DBT and Government Sponsored Schemes, come to branch to know their account balance, thereby losing their daily wage and incurring travel expenditure. To mitigate the hardship of hand-to-mouth customers, the Bank introduced Missed Call Banking to know their account balance. The customer through the mobile registered with the account has to give a missed call to a predefined number to get an SMS showing the account balance. This facility is available 24 x 7 and has considerably reduced footfalls at the branch counters and enhanced the customer service at the counters by cutting down the waiting time.

वैकल्पिक वितरण माध्यम

वैकल्पिक वितरण चैनलों के माध्यम से शाखाओं में ग्राहकों का आवागमन काफी कम हुआ है, जिससे विपणन और व्यवसाय विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित हुआ है। बैंक द्वारा पेश किए गए विभिन्न वैकल्पिक वितरण चैनलों ने ग्राहकों को अपनी सुविधानुसार बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाया है। निम्न तालिका शाखाओं और ADCs के माध्यम से लेनदेन पर वॉल्यूम और लागत लाभ विश्लेषण दिखाती है।

वैकल्पिक वितरण माध्यम का उपयोग करके धन और बैंकिंग लेनदेन के प्रेषण की बढ़ती प्रवृत्ति को निम्न तालिका में दिखाया गया है।

भुगतान का प्रकार	2017-18		2018-19	
	प्रति दिन लेनदेन की संख्या	मात्रा प्रति दिन (राशि करोड़ों में)	प्रति दिन लेनदेन की संख्या	मात्रा प्रति दिन (राशि करोड़ों में)
CTS	1200	5.00	2200	8.00
RTGS	120	9.00	150	10.00
NEFT	12000	19.73	8000	27.20
ECS	140	0.93	40	0.32
IMPS	1035	0.83	3142	2.07
POS	3000	0.26	5500	0.40
ATM	12000	1.80	15000	2.25
AEPS	12000	4.00	16000	4.75
NACH (APBS & ACH)	21476	2.21	50764	4.36

कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए अभियान

रूपे बिगबाजार अभियानः एनपीसीआई द्वारा शुरू किए गए इस अभियान में हमारे बैंक ने भी भाग लिया, जिसमें भारत के एक प्रतिष्ठित मल्टी चेन रिटेलर बिग बाजार के साथ कॉर्पोरेट समझौता किया गया। इस समझौते में रूपे डेबिट कार्ड का उपयोग करके की गई खरीद पर 10% की छूट प्रदान की गई है। अधिकतम छूट 100 रुपये प्रति ग्राहक / कार्ड की गई है। अभियान 20.02.2019 से 20.03.2019 तक 29 दिनों की अवधि के लिए चलाया गया था। यह अभियान हमारे ग्राहकों के बीच कैशलेस लेनदेन मोड के उपयोग को बढ़ावा देने, एटीएम डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ाने और हमारे ग्राहक को कॉर्पोरेट द्वारा दी जाने वाली छूट से लाभान्वित करने के लिए आयोजित किया गया था।

मिनी एटीएम (डेस्कटॉप एटीएम)

ग्राहकों को रकम निकालने की सुविधा देने के लिए बैंक ने पायलट आधार पर 3 मोबाइल वैन सहित 5 मिनी एटीएम स्थापित किए हैं। डिजिटलकरण को बढ़ावा देने के लिए हमने अपने बैंक में कुल 35 एटीएम स्थापित किए हैं।

यह प्रथम बार है, जब हमारा बैंक शाखाओं में मिनी एटीएम स्थापित करने की योजना लेकर आया है और यह एक अनूठा मॉडल है जहाँ यह किसी भी अन्य एटीएम की तरह काम करता है और अन्य बैंक के ग्राहक भी अपना पैसा इस एटीएम से निकाल सकते हैं। मिनी एटीएम के साथ, अलग एटीएम रूम की कोई आवश्यकता नहीं है और कोई सुरक्षा समस्या नहीं है।

Alternate Deliver Channels (ADCs):

Banking transactions through Alternate Delivery Channels have been on the rise vis-à-vis transactions through brick and mortar branches, reducing the footfalls considerably in the Branches, thereby resulting in more focus on marketing and business development. Various alternative delivery channels introduced by the Bank has enabled the customers to avail banking services 24 x7 at their convenience. The following table shows the volumes and cost benefit analysis on transactions through branches and ADCs.

Rising trend of remittance of funds and banking transactions using ADCs is shown in the following table.

Payment Mode	2017 -18		2018 -19	
	No. of transactions per day	Volume per day (Rs. Cr)	No. of transactions per day	Volume per day (Rs. Cr)
CTS	1200	5.00	2200	8.00
RTGS	120	9.00	150	10.00
NEFT	12000	19.73	8000	27.20
ECS	140	0.93	40	0.32
IMPS	1035	0.83	3142	2.07
POS	3000	0.26	5500	0.40
ATM	12000	1.80	15000	2.25
AEPS	12000	4.00	16000	4.75
NACH (APBS & ACH)	21476	2.21	50764	4.36

Campaigns to promote Cashless Transactions

Rupay Big Bazar Campaign: Our Bank also participated in this campaign launched by NPCI who entered into a corporate agreement with Big Bazar a reputed multi chain retailer in India. The agreement envisages to provide a discount of 10% on the purchases made using Rupay Debit cards. The maximum discount has been pegged at Rs 100 per customer/card. The campaign was conducted for a period of 29 days from 20.02.2019 to 20.03.2019. This was to promote the usage of cashless transactions mode amongst our customers, increase ATM Debit card transactions and our customer would be benefited with the discount offered by the corporate.

Mini ATMs (Desktop ATMs)

In a move to facilitate customers wanting to withdraw small amounts, the Bank has installed 5 Mini ATMs in Branches including 3 in Mobile Van on a pilot basis. To promote digitalization, we have deployed total 35 ATMs in our Bank.

This is the first time, our Bank has come up with a plan to set up Mini ATM in our Branches and this is a unique model where it works like any other ATM and other Bank customers can also withdraw their money. With desktop ATMs, there is no need for separate ATM room and there is no security problem.

पी.ओ.एस. मशीन

वर्ष के दौरान, हमारे बैंक ने हमारे ग्राहक व्यापारी प्रतिष्ठानों पर PoS मशीन (एसबीआई की ओर से) स्थापित करने की पहल की है। इस सम्बन्ध में एसबीआई के साथ आवश्यक समझौते किए गए हैं।

बायोमेट्रिक कार्यान्वयन

सीबीएस सिस्टम में अनाधिकृत लॉगइन/ वाउचर सत्यापन पर रोक लगाने तथा सुरक्षित कार्यप्रणाली के दृष्टिगत हमारे द्वारा शाखाओं में बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया की प्रक्रिया शुरू की गयी है। जिसके तहत बैंक के सभी शाखाओं में समस्त स्टाफ को सीबीएस लॉगिन एवं ओवरराइड केवल बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना अनिवार्य है।

ऑनलाइन वाउचर सत्यापन प्रणाली

पहले, प्रत्येक लेन–देन भौतिक रूप से उपलब्ध वाउचर की सीबीएस से उत्पन्न वाउचर सत्यापन रिपोर्ट के साथ मैन्युअल रूप से जांच की जाती थी। वर्ष के दौरान, बैंक ने ऑनलाइन वाउचर सत्यापन प्रणाली को प्रारम्भ कर प्रधान कार्यालय स्तर पर दैनिक आधार पर समीक्षा की। परिणामस्वरूप वर्ष के अंत में लंबित प्रविष्टियों की संख्या शून्य रही। वाउचर वेरिफिकेशन रिपोर्ट (वीवीआर) की समय पर जाँच एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है जो सीबीएस उपयोगकर्ता द्वारा किए गए लेन–देन की शुद्धता और सीबीएस में उपयोगकर्ता द्वारा किए गए किसी भी धोखाधड़ी/शरारतपूर्ण लेनदेन को भी सामने लाएगा।

सूचना सुरक्षा

बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा को बैंक अत्यधिक महत्व देता है। बैंक ने सूचना, सुरक्षा नीति, सूचना प्रौद्योगिकी नीति, सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षा नीति और इंटरनेट बैंकिंग नीति तैयार की है और बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद इसे लागू किया गया है। एक नीति के रूप में, हमारे एप्लिकेशन सेवा प्रदाता मेसर्स सी–एज टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी परिसंपत्तियाँ, बाहरी आईएस ऑडिट एजेंसी द्वारा वार्षिक आधार पर सूचना सुरक्षा समीक्षा के अधीन हैं।

शाखा कनेक्टिविटी उन्नयन

सीबीएस प्लेटफ़ॉर्म वाइड एरिया नेटवर्क पर कार्य करता है। जो विभिन्न वाहकों जैसे कि वीसैट, आरएफ और एमपीएलएस की लीज़ पर दी गई कनेक्टिविटी पर कार्य करता है। शाखाओं में कनेक्टिविटी की निरंतर उपलब्धता की निगरानी के लिए और बहाली के लिए शुरू किए गए आवश्यक कदमों का पता लगाने के लिए बैंक में एक उपकरण विकसित किया गया है। इसने हमारे बैंक को 99% पर कनेक्टिविटी अपटाइम बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

पिछले कुछ वर्षों में लेनदेन की मात्रा बढ़ी है, शाखाओं को 2 एमबीपीएस तक शाखा कनेक्टिविटी के तेज दर उन्नयन पर लेनदेन करने के लिए सक्षम किया गया है। 31.03.2019 को, 455 शाखाओं को 2 एमबीपीएस कनेक्टिविटी के लिए अपग्रेड किया गया, जिसे आगामी वित्तीय वर्ष में सम्पूर्ण शाखाओं में अपग्रेड किया जाना प्रस्तावित है।

कंप्यूटर सुरक्षा दिवस

हमारे सभी क्षेत्रीय कार्यालयों और शाखाओं में, हमारे प्रधान कार्यालय में 30.11.2018 को कंप्यूटर सुरक्षा दिवस मनाया गया। कम्प्यूटरीकृत वातावरण में कंप्यूटर सुरक्षा और सुरक्षित कार्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कर्मचारियों के बीच हैंडआउट और ब्रोशर वितरित किए गए।

POS Machine Installation

During the year, our Bank has also taken up the initiative of installing POS machines (as sub member of SBI) at merchant establishments, who are our Bank's customers. Necessary agreements have been entered into with the respective SBI and 167 applications have been sourced for installation.

Biometric Implementation:

In order to prevent unauthorized login / voucher verification in CBS system and safe working method, we have started the process of biometric authentication in branches. Under which all the staff in all branches of the bank must have CBS login and override only through the biometric authentication process.

Online Voucher Verification System:

Earlier, each transaction put through CBS, supported by a Voucher used to be checked manually with the Voucher Verification Reports generated from CBS tallying with the physical vouchers. During the year, the bank started the online voucher verification system and reviewed it at the head office level on a daily basis. As a result, the number of such pending admissions in the end of the year is zero. The timely checking of the Voucher Verification Report (VVR) is a very important function which would bring out the correctness of the transaction performed by the CBS user and also brings out any fraudulent/mischievous transaction that has been perpetuated by any fraudulent user of CBS.

Information Security:

The bank pays utmost importance towards safeguarding the information technology assets of the bank. The Bank has formulated, Information Security Policy, Information Technology Policy, Information Security Audit Policy & Internet Banking Policy and implemented after obtaining Board's approval. As a policy, the Information technology assets of the bank at our Application Service Provider M/s C-Edge Technologies Ltd, are subjected to information security review on yearly basis by an external IS audit agency.

Branch Connectivity Upgradation:

The CBS platform functions on Wide Area Network (WAN), which functions on connectivity provided on various carriers like VSAT, RF and MPLS leased lines. A tool is developed and deployed in the Bank to monitor the continuous availability of connectivity at branches and to ascertain the necessary steps initiated for restoration. This has enabled our bank to maintain connectivity uptime at 99%.

As the volume of transactions have increased over the years, to enable branches to perform transactions at a faster rate upgradation of the branch connectivity to 2 Mbps has been taken up. As on 31.03.2019, 455 branches have been upgraded to 2 Mbps connectivity. Upgradation of all branches is proposed in the upcoming financial year.

Computer Security Day:

Computer Security Day was observed on 30.11.2018 at our Head Office, at all our Regional Offices and Branches. Handouts and brochures were distributed among staff to create awareness on computer security and safe working in computerized environment.

'गो ग्रीन' योजना

अग्रिम वितीय वर्ष के लिए आईटी के क्षेत्र में 'गो ग्रीन' पहल प्रारम्भ किए जाने की योजना है। जिसके तहत सभी बैंक रिपोर्ट्स एवं स्टेटमेंट्स को पेपररहित कर ऑनलाइन किया जाना प्रस्तावित है। दैनिक आवश्यकता के लिए ऐसी ऑनलाइन प्रक्रिया विकसित किए जाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं जिससे प्रधान कार्यालय स्तर से ही सम्पूर्ण रिपोर्ट्स सिस्टम पर उपलब्ध रहे।

सुरक्षा उपाय – सीसीटीवी और बर्गलर अलार्म सिस्टम की स्थापना

भौतिक सुरक्षा प्रणालियां जो बैंक सम्पति, ग्राहक एवं कर्मचारी की प्रभावी रूप से सुरक्षा करती है, डकैती एवं दुराचार की बढ़ती घटनाओं की दृष्टि से सर्वोपरि है। बैंक द्वारा सभी शाखाओं में सीसीटीवी की स्थापना की गयी है एवं कुल 701 शाखाओं में से 542 शाखाओं में बर्गलर अलार्म भी लगाये गये हैं, शेष शाखाओं के लिये भी क्रय आदेश दिये गये है।

ग्राहक सेवा एवं शिकायतों का निपटान –

यद्यपि शिकायतों से बचा नहीं जा सकता है तथापि कुछ शिकायतें हमारे प्रदर्शन प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के लिये उपयोगी जानकारी प्रदान करती है। ग्राहक से प्राप्त वास्तिवक शिकायत बैंक के लिये अपनी दक्षता एवं कार्यकुशलता को प्रोन्नत करने का अवसर है। बैंक ने ग्राहकों की शिकायतों के निवारण एवं ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिये शिकायत हैंडलिंग नीति को लागू किया है। बैंक ने शिकायतों के समयबद्व निस्तारण एवं अनुसरण प्रणाली को सशक्त बनाने पर अत्यधिक जोर दिया है। सभी शाखाऐं प्रत्येक त्रैमास में ग्राहक संगोष्ठी कर रही है जिसमें महत्वपूर्ण ग्राहकों को आमंत्रित किया जाता है।

संबंधित महाप्रबंधक और क्षेत्रीय प्रबंधक जब भी संभव होता है ग्राहक बैठकों में भाग लेते है। निस्तारण के लिये शिकायतों की निगरानी और अनुपालना प्रस्तुत करने की निम्नलिखित प्रणाली प्रचलन में है :–

शिकायत की प्रकृति	शाखाओं/क्षेत्रीय कार्यालयों स्तर पर प्रभारी अधकारी	प्रधान कार्यालय स्तर पर
सामान्य शिकायतें (गैर सतर्कता प्रकृति)	• शाखा प्रबंधक (शाखा स्तर पर) • क्षेत्रीय प्रबंधक (क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर)	महाप्रबंधक
सामान्य शिकायतें (गैर सतर्कता प्रकृति)	क्षेत्रीय प्रबंधक (क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर)	मुख्य प्रबंधक (सतर्कता) महाप्रबंधक
बैकिंग लोकपाल से प्राप्त शिकायतें।	.....	महाप्रबंधक

प्राप्त और निपटान की गई शिकायतों की स्थिति, उनकी समीक्षा और सूचनार्थ तिमाही रूप से निदेशक मण्डल की बैठक में रखी जाती है।

'Go Green' plan:

The 'Go Green' initiative in the field of IT for the next year is planned. Under which all bank reports and statements are proposed to be made online without paperwork. such online process is being made to develop for daily necessity that entire reports from the head office level are available on the system.

Security Measures – Installation of CCTVs and Burglar Alarm Systems

Physical security systems that effectively protect the Bank assets, customers and employees assume paramount importance in view of increasing incidence of robberies, mischief. The Bank has provided CC Cameras to all 701 branches & Burglar Alarms to 542 out of 701 branches of the Bank. Order has been placed for remaining branches also.

Customer Service & Complaints handling

While complaints cannot be avoided, some of the complaints provide useful feedback to review our performance and systems and procedures. A genuine complaint from a customer means an opportunity to the Bank to upgrade our skills and efficiency. The Bank has put in place complaint-handling-policy to redress the grievances of the customers and improve the quality of customer service. The Bank has placed enormous emphasis on timely disposal of complains and follow up system has been strengthened to dispose off the complaints within timelines set. All Branches are conducting customer meets every quarter and important customers are invited.

General Managers and Regional Managers concerned are attending the customer meetings whenever feasible. The following system of monitoring of complaints for their Redressal and submission of compliance is in vogue:

Nature of complaint	Officer in charge at Regional Office/ Branch level	At Head Office level
General Complaints (Other than vigilance nature)	Branch Manager (At Br level) Regional Manager (at RO level)	General Manager
General Complaints (Vigilance nature)	Regional Manager (at RO level)	Chief Manager (Vig&DP) General Manager
Complaints from Banking Ombudsman	----	General Manager

The status of complaints received and disposed, is being put up quarterly to the Board of Directors meeting for their review and information.

ग्राहकों से प्राप्त शिकायतें : 31.03.2019 की स्थिति

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	वर्ष के प्रारम्भ में लम्बित शिकायतें।	11
2	वर्ष 2018 – 19 में प्राप्त शिकायतें	445
3	कुल शिकायतें	456
4	वर्ष के दौरान शिकायतों का समाधान/निपटान	427
5	वर्ष के अन्त में लम्बित शिकायतें।	29

बैंकिंग लोकपाल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के लिये मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रधान कार्यालय में हमारे बैंक के प्रधान नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। वर्श के दौरान बैंकिंग लोकपाल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की स्थिति :–

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	वर्ष के प्रारम्भ में लम्बित शिकायतें।	निल
2	वर्ष 2018 – 19 में प्राप्त शिकायतें	34
3	कुल शिकायतें	34
4	वर्ष के दौरान शिकायतों का समाधान/निपटान	34
5	वर्ष के अन्त में लम्बित शिकायतें।	निल

धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार या किसी अन्य कदाचार से संबंधित घटनाओं के लिये समाधान उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बैंक में व्हिसल ब्लोइंग नीति भी है।

ई–शिकायत प्रबंधन

ग्राहकों के लिये बैंक की पोर्टल/वेबसाईट पर ई–शिकायत की सुविधा प्रदान की गयी है, जिसकी दैनिक निगरानी की जाती है जिससे ग्राहकों की शिकायतों का निवारण किया जा सके। यह प्रणाली हमारी वेबसाईट के शिकायत बाक्स, ईमेल के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों को केन्द्रीकृत करती है। ई–शिकायत प्रणाली तक पहुंच क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रधान कार्यालय में चिन्हित अधिकारियों को दी गयी है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी स्तरों पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को सिस्टम में ले लिया जाये और समय पर निपटान के लिये शिकायतों की निगरानी की जा सके।

Customer Complaints: Status as on 31.03.2019

SNo	Particulars	No.
1	No. of Complaints pending at the Beginning of the year	11
2	No. of Complaints received during the year 2018-19	445
3	Total Complaints	456
4	No. of Complaints Redressed / Disposed-off during the year	427
5	No. of Complaints pending at the end of the year	29

For complaints received through Banking Ombudsman, Chief Vigilance Officer (CVO) is designated as "Principal Nodal Officer" of our Bank at Head Office. The position of complaints received through / from Banking Ombudsman during the year:

SNo	Particulars	No.
1	No. of Complaints pending at the Beginning of the year	NIL
2	No. of Complaints received during the year 2018-19.	34
3	Total Complaints	34
4	No. of Complaints Redressed / Disposed-off during the year	34
5	No. of Complaints pending at the end of the year	NIL

Whistle Blowing Policy with an objective of providing an avenue for raising concerns related to frauds, corruption or any other misconduct is also in place.

e-Complaints Management

e-Complaint facility is provided to the customers on Bank`s Portal / website which is monitored daily, to redress the grievances / complaints from customers on the quickest possible time. This system seeks to centralize all complaints, received through our Website's complaints box and email. Access to the e-complaints system is given to the identified Officials in Regional Business Offices and Head Office to ensure that each and every complaint received at all levels are captured in the System so as to monitor the complaints for timely disposal.

सूचना का अधिकार

प्रत्येक लोक प्राधिकारी के कार्यकरण में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के संवर्द्धन के लिये वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 प्रोद्भूत हुआ। लोक प्राधिकरण में लोकसूचना अधिकारी व प्रथम अपीलीय अधिकारी को अधिनियम के प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी होना ही अधिनियम की सफलता की कुंजी है।

हमारे बैंक में अधिनियम के क्रियान्वयन एवं आवेदनकर्त्ताओं को अधिनियम के तहत सूचना प्रदान करने की दृष्टि से, अधिनियम के अंतर्गत आवेदन प्राप्त करने हेतु शाखा प्रबन्धक को केन्द्रीय सहायक जनसूचना अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय के अधीन शाखाओं से सम्बन्धित सूचना प्रदान करने हेतु क्षेत्रीय प्रबन्धक व क्षेत्रीय कार्यालय व प्रधान कार्यालय से सम्बन्धित सूचना प्रदान करने हेतु मुख्य प्रबन्धक (निरीक्षण एवं अंकेक्षण), प्रधान कार्यालय को केन्द्रीय सूचना अधिकारी पदनामित किया गया है।

ऐसे मामलों में जहां आवेदक अधिनियम के अधीन अपने अपील करने के अधिकार का प्रयोग करता है तो महाप्रबन्धक अपीलीय अधिकारी (प्रथम अपीलीय अधिकारी) होंगे।

सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत सूचना हेतु प्राप्त आवेदन व अपीलें इस प्रकार हैं :–

प्राप्त आवेदन		निस्तारित	
		निर्धारित समयावधि के भीतर	विलम्बित
आरटीआई आवेदन	203	203	0
आरटीआई अपील	31	31	0

मानव संसाधन प्रबंधन

वित्त वर्ष 2018–19 के अंत तक, कर्मचारियों की संख्या (मार्च 2019 में सेवानिवृत्ति / त्याग–पत्र के आधार पर बैंक सेवा से पृथक होने वालों को छोड़कर) और इसकी संरचना इस प्रकार है:–

अधिकारी स्केल V	2
अधिकारी स्केल IV	29
अधिकारी स्केल III	150
अधिकारी स्केल II	438
अधिकारी स्केल I	918
	1025
कार्यालय परिचर	162
योग	**2728**

Right to Information Act

Right to Information Act, 2005 was promulgated in 2005 to promote transparency and accountability in the working of every public authority. A clear knowledge of the provisions of the Act to the Public Information Officers/First Appellate Authorities of the public authorities is key to the successful implementation of the Act.

With a view to implement the Act and provide information to the applicants under the Act, in our Bank, the Branch Managers are designated as Central Assistant Public Information Officer (CAPIO) to receive Application under Right to Information Act 2005; the Regional Managers are designated as the "Central Public Information Officer" (CPIO) by the Bank to provide information related to the branches under their control and for information related to Regional Offices and Head Office, the designated "Central Public Information Officer" (CPIO) is Chief Manager (Audit & Inspection), Head Office.

In such cases the applicant may like to exercise his right to appeal under this Act, the designated "Appellate Authority" (FAA) is the General Manager.

The details of the RTI Application and Appeals are as under: -

Received		Disposed Off	
		Within stipulated time frame	Delayed
RTI Applications	203	203	0
RTI Appeals	31	31	0

Human Resource Management

As at the end of FY 2018-19, the staff strength (excluding those who exited the Bank service in the month of March 2019 on account of retirements / resignations) and its composition is as under:

Officers S-V	2
Officers S-IV	29
Officers S-III	150
Officers S-II	438
Officers S-I	918
Office Assistants	1025
Office Attendants	162
Total	**2728**

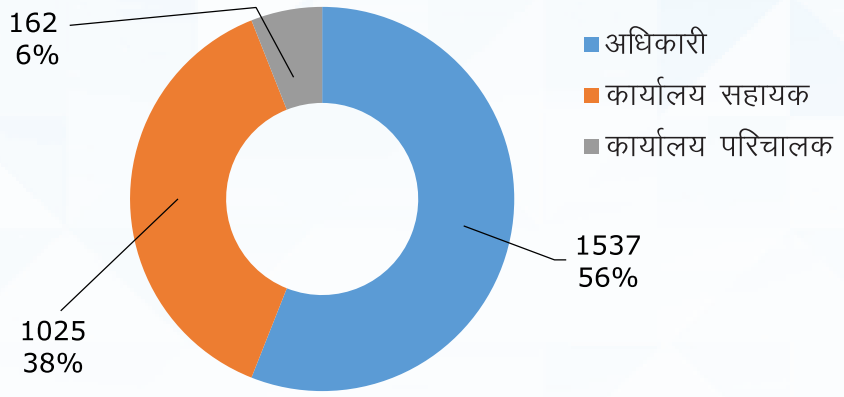

वर्ष के दौरान, 155 कर्मचारी सदस्य बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं। 61 स्टाफ सदस्यों ने त्याग पत्र दे दिया है, 3 स्टाफ सदस्यों को सेवा से हटा दिया गया है। वर्ष के दौरान 13 स्टाफ सदस्यों का निधन हो गया है।

भर्ती प्रकिया

बैंक प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को मानव एवं संसाधन मूल्यांकन एवं आवश्यकता अनुसार थौरेट समिति एवं वर्तमान समय में GOI द्वारा अनुमोदित मित्रा समिति की सिफारिशो के अनुसार 2009–10 से IBPS के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती कर रहा है। पिछले 7 वर्षो में 1970 एवं 1980 के दशकों में बैंक में नियुक्त स्टॉफ की भारी संख्या में सेवा निवृति हुई है

तदनुसार, 31.03.2018 को बैंक के व्यवसाय के आधार पर, बैंक ने विभिन्न ग्रेडों में कर्मचारियों की भर्ती की, जिसमें सामान्य बैंकिंग व कानून, आईटी, आदि में विशेषज्ञ स्केल–II और स्केल – III अधिकारियों की भर्ती शामिल है।

नए भर्ती हुए कर्मचारियों का विवरण, जो वित्त वर्ष 2018–19 में बैंक में शामिल हुए हैं :–

क्र. सं.	ग्रेड	वर्ष के दरान भर्ती किए गए उम्मीदवारों की संख्या
1	कार्यालय सहायक	116
2	अधिकारी स्केल I	65
3	अधिकारी स्केल II	50
4	अधिकारी स्केल III	5

बैंक का इन हाउस लर्निंग सेंटर नए कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने, पुनः प्रशिक्षित करने और सभी क्षेत्रों में इनपुट की आपूर्ति करने के लिए लगातार काम कर रहा है ताकि उन्हें रोजाना के कार्यों को अच्छी तरह से संभालने के लिए सुसज्जित किया जा सके। सभी भर्तियां आम लिखित परीक्षा के माध्यम से पूरी की गई हैं, जिसमें आईबीपीएस द्वारा आयोजित साक्षात्कार शामिल हैं।

पदोन्नति

कर्मचारियों को शीघ्र पदोन्नति देने की बैंक की नीति को ध्यान में रखते हुए, हमने 31.03.2018 को जनशक्ति आकलन के संदर्भ में पदोन्नति प्रक्रिया सम्पन्न की है और विभिन्न संवर्गों में 148 से अधिक लोगों को अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किया है। पदोन्नति के लिए लिखित परीक्षा की व्यवस्था इस वित्तीय वर्ष से आईबीपीएस के माध्यम से ऑनलाइन की गई थी।

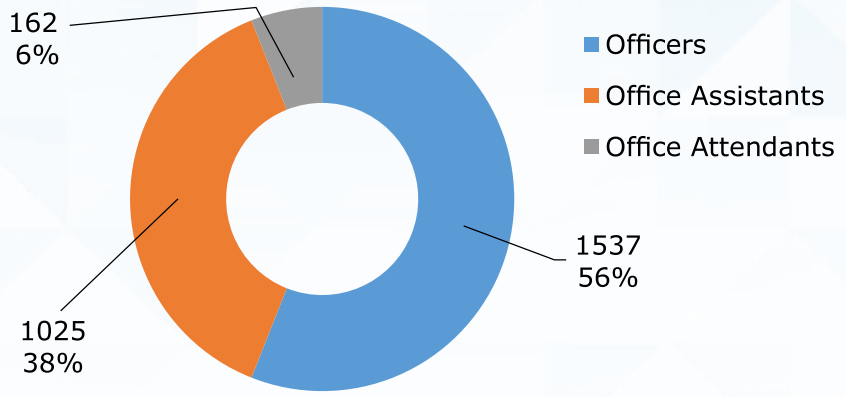

During the year, 155 staff members have retired from the Bank's Service. 61 staff members have resigned; 3 staff members were removed from service. 13 Staff members expired during the year.

Recruitments

Since 2009-10, the Bank has been recruiting staff through IBPS, as per manpower assessment and requirement undertaken as on 31st March of every year in terms of Thorat Committee recommendations, presently as per Mitra committee recommendations approved by GOI. Last seven years have witnessed mass retirements of those staff members who had joined erstwhile RRBs in late 1970s and in 1980s.

Accordingly, based on the business volumes as on 31.03.2018, the Bank has taken up recruitment exercise for augmentation of staff in various grades, including lateral recruitment of Scale-II and Scale-III Officers in General Banking and with specialization in Law, IT etc.

The details of newly recruited staff, who has joined the bank in the F.Y. 2018-19 :-

S.No.	Grade	No. of Candidates recruited during the year
1	Office Assistants	116
2	Officers Scale-I	65
3	Officers Scale-II	50
4	Officers Scale-III	5

The Bank's in house Learning Centre has been working continuously to train and re-train the new recruits imparting skills and supply inputs in all areas to equip them to handle the day to day functions well. All the recruitments have been completed through the Common Written Test including interviews conducted by IBPS.

Promotions

Keeping in view the Bank's policy of giving promotions promptly to staff, we have taken up promotion exercise in terms of manpower assessment as on 31.03.2018 and promoted as many as 148 people in various cadres to next higher grade as under. Written Test for promotion was arranged through IBPS online from this FY onwards.

क्र.सं.	पदोन्नति	पदों की संख्या
1	अधिकारी स्केल I	35
2	अधिकारी स्केल II	55
3	अधिकारी स्केल III	38
4	अधिकारी स्केल IV	19
5	अधिकारी स्केल V	1
6	कार्यालय सहायक	0
	कुल	**148**

बैंक ने सभी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों जो लिखित परीक्षा से पहले पदोन्नति के योग्य हैं को पूर्व–पदोन्नति प्रशिक्षण देने की वैधानिक आवश्यकता को पूरा किया है। इस प्रशिक्षण ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा देने के लिए खुद को बेहतर तैयार करने में सक्षम बनाया है।

प्रशिक्षण – महेंद्र कौशल प्रशिक्षण और विकास प्रा. लिमिटेड

बैंक ने एक प्रशिक्षण नीति रखी थी जिसमें तीन साल में कम से कम एक बार सभी स्टॉफ सदस्यों को प्रशिक्षण देने की परिकल्पना की गई थी। वर्ष के दौरान, एसटीसी उदयपुर ने 37 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और 906 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रतिभागियों में कर्मचारियों के सभी संवर्ग शामिल हैं (अधिकारी– 559 और कार्यालय सहायक 347) लेखा परीक्षा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम/छोटे और मध्यम उद्यम, गैर निष्पादित परिसंपत्तियाँ प्रबंधन, वैकल्पिक वितरण माध्यम, साइबर अपराध और धोखाधड़ी, कानूनी पहलु, कृषि ऋण प्रबंधन, निवारक सतर्कता और अनुशासनात्मक कार्यवाही, ट्रेजरी मैनेजमेंट आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान (लखनऊ), भारतीय रिज़र्व बैंक (कृषि बैंकिंग महाविध्यालय, पुणे), बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान (मैंगलुरु), स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद, स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट, जयपुर जैसे बाहरी प्रशिक्षण संस्थानों में बैंक ने 50 अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु नामित किया।

हमारा बैंक महिला कर्मचारियों की ओर लगातार ध्यान दे रहा है। महिला कर्मचारी कुल कर्मचारियों की संख्या का लगभग 12% हैं। बैंक ने संगठन के भीतर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। वे प्रतिभाशाली और अत्यधिक उद्यमी हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि ज्यादातर महिला अधिकारियों ने स्वेच्छा से शाखा प्रमुख और अधिकारी के पद लिए है, जहाँ दबाव की स्थिति में काम करने की आवश्यकता होती है। बैंक की विकास गाथा में महिला स्टाफ सदस्यों का योगदान महत्वपूर्ण है।

आंतरिक शिकायत समिति – हमने बैंक में महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के यौन उत्पीड़न के प्रावधानों को लागू करके एक सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार किया है।

हमने यौन उत्पीड़न की शिकायतों को संभालने के लिए प्रधान कार्यालय में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया है। पुरूष एवं महिला के कर्मचारियों को एक स्वस्थ और अनुकूल काम के माहौल को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाता है।

S.No.	Promoted to	No. of Posts
1	Officers Scale-I	35
2	Officers Scale-II	55
3	Officers Scale-III	38
4	Officers Scale-IV	19
5	Officer Scale-V	1
6	Office Asst.	0
	Total	**148**

The Bank has fulfilled the statutory requirement of giving pre-promotion training to all SC/ST candidates, eligible for promotion, prior to written test. This has enabled the SC/ST candidates to prepare themselves better, to take on the written test.

Training – Mahendra Skills Training and Development Pvt. Ltd.

The Bank had laid down a Training Policy which envisages training to all staff members, at least once in three years. During the year, STC Udaipur has conducted 37 training programmes and provided training to 906 staff members. The participants include all cadres of staff (Officers- 559 and Off. Assts. 347).

The Bank has also deputed 50 Officers, essentially in the higher cadres, to external training institutions like BIRD (Lucknow), RBI (CAB, Pune), BIRD (Mangalore), SBIRD Hyderabad, State Bank Learning Centres on important subjects like Audit, MSME/SME, NPA management, ADC, Cybercrime & frauds, legal Aspects, Agriculture credit management, Preventive Vigilance & Disciplinary Proceeding, Treasury Management etc.

Our Bank has been paying consistent attention towards women employees. They constitute roughly 12 % of total workforce. Bank has taken a number of steps to boost women empowerment within the Organization. They are talented and highly enterprising. It is very gratifying that most of the women officers volunteered to be the Branch Heads and Officers which call for working in pressure situations. Contribution of women staff members in the growth story of the bank is significant.

Internal Complaints Committee – We have also put in place a safe working environment for women employees in the Bank by implementing the provisions of The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition &Redressal) Act, 2013.

We have constituted Internal Complaints Committee at Head Office to handle the complaints of sexual harassment. We have been sensitizing the employees of both the genders to be fostering a healthy and conducive work environment.

कर्मचारी कल्याण के उपाय

मेडिक्लेम पॉलिसी

भारत सरकार के पत्र संख्या रू F-8/1/2015-RRB दिनांक 20.10.2016 के संदर्भ में, हमारे बैंक ने अनुसूची IV में विस्तृत रूप से बैंक के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को दसवें Xth Bipartite Settlement के अनुसार चिकित्सा बीमा योजना लागू की है। योजना में कर्मचारी, पति–पत्नी, आश्रित बच्चे, 2 आश्रित माता–पिता / सास ससुर के साथ क्रमशः अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए रु. 4,00,000 और रु. 3,00,000 की बीमित राशि शामिल है। यदि अस्पताल का खर्च बीमित राशि से अधिक है, तो हमने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त व्यय को कवर करने के लिए क्रमशः रु. 4.00 लाख और रु. 3.00 लाख तक कारपोरेट बफर लिया है। यह योजना प्रशासनिक समय की बचत करते हुए अस्पताल में भर्ती की सुविधा और नकद भुगतान के साथ–साथ, अस्पताल में होने वाले खर्चों की प्रतिपूर्ति को बहुत आसान बना देती है। इस योजना में 10% बीमा राशि पर अधिवास उपचार के खर्च शामिल हैं।

स्टाफ के परिवार के सदस्यों सहित लगभग 10000 सदस्यों को इस योजना के तहत कवर किया गया है।

आरपीएल – आरएमजीबी प्रीमियर लीग

बैंक ने पहली बार आरपीएल–आरएमजीबी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया । आयोजन में कुल 25 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। हमारे अध्यक्ष श्री ज्ञानेंद्र कुमार जैन एवं सभी महाप्रबंधकों ने कार्यक्रम में भाग लिया और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट फंड

बैंक ने ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट फंड के संबंध में प्रावधान सम्बन्धी आवश्यकताओं का ध्यान रखा है। 31.3.2019 को कुल कोष रु. 214,42,52,888.22 (दो सौ चौदह करोड़ बयालीस लाख बावन हजार आठ सौ अट्ठासी रुपये व बाईस पैसे) ग्रेच्युटी हेतु और रु. 87,12,48,278.83 (सत्यासी करोड़ बारह लाख अड़तालीस हजार दो सौ अठत्तर रुपये व तिरासी पैसे) अवकाश नगदीकरण हेतु था।

औद्योगिक संबंध

प्रबंधन और अधिकारी संघ और कर्मचारी संघ ने स्टाफ सदस्यों और व्यापार विकास के कल्याण के लिए मिलकर काम किया है, जो नियमित मुद्दों के लिए सौहार्दपूर्ण समाधान निकाल रहा है। वर्ष के दौरान सौहार्दपूर्ण और मिलनसार काम करने का माहौल बना रहा। बैंक ने सभी एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी शिकायतों के निवारण के लिए नियमित बैठकें की हैं।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों का कल्याण

बैंक ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वेलफेयर एसोसिएशन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा है और भर्तियों, पदोन्नति आदि के सभी पहलुओं में वैधानिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। बैंक ने अपनी शिकायतों के निवारण के लिए कल्याण संघों और संपर्क अधिकारी के प्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठकें की हैं। बैंक ने कर्मचारियों के मनोबल और प्रेरणा को बनाए रखने के लिए सभी कदम उठाए हैं।

Staff welfare Measures

Mediclaim policy

In terms of Government of India letter No: F.8/1/2015-R RB dated 20.10.2016, our Bank has implemented Medical Insurance Scheme as per Xth Bipartite Settlement to employees and officers along with their dependent family members as detailed in Schedule IV. The Scheme Covers Employee + Spouse + Dependent Children + 2 dependent Parents / parents-in-law with a Sum Insured of Rs.4,00,000 and Rs.3,00,000 for Officers and employees respectively. We have also taken a Corporate Buffer to cover additional expenditure up to Rs.4.00 Lakhs and Rs.3.00 Lakhs for officers and employees respectively, if the hospitalization expenditure exceeds the sum insured. The Scheme, apart from facilitating hassle free admission into the hospital immediately and payment of cash, makes the settlement of hospitalization expenses become much easier, saving administrative time considerably. The scheme also covers domiciliary treatment expenses up to 10% sum insured.

Around 10000 members including family members of Staff have been covered under the Scheme

RPL - RMGB Premier League

Bank has conducted first ever RPL-RMGB Premier League Cricket tournament. Total 25 Staff members participated in the event. Our Chairman Shri Gyanendra Kumar Jain, all General Managers have participated in the program and encouraged the players.

Gratuity and Leave Encashment Fund

The Bank has taken care of provisional requirements in respect of Gratuity and Leave Encashment Fund. The total corpus as on 31.03.2019 is to the tune of Rs Rs. 214,42,52,888.22- (Rupees Two Hundred Fourteen Crore Forty Two Lakhs Fifty Two thousand Eight hundred Eighty Eight and paise Twenty Two only) towards Gratuity and Rs. 87,12,48,278.83/- (Rupees Eighty Seven Crore Twelve Lakhs Forty Eight Thousand two hundred Seventy Eight and paise Eighty Three only) towards Leave Encashment.

Industrial Relations

The Management and Officers Association and Employees Union have worked in tandem for the welfare of the staff members and business development, sorting out amicable solutions for routine issues that cropped up during the year. Cordial and amiable working atmosphere has prevailed during the year. The Bank has held regular meetings with the representatives of all Associations to redress their grievances.

Welfare of SC/ST Employees

The Bank has maintained cordial relations with the SC/ST Welfare Association and complied with statutory requirements in all aspects of recruitments, promotions etc. The Bank has held regular meetings with the representatives of Welfare Associations and Liaison Officer to redress their grievances.

The Bank has taken all steps to keep up the morale and motivation of the employees.

टर्मिनल लाभ का निपटान

बैंक ने एक नीति बनाई है कि सभी टर्मिनल लाभ कर्मचारी सदस्यों की सेवानिवृत्ति की तिथि पर तय किए जाते हैं। सेवानिवृत्ति की तारीख को भुगतान करने के लिए आवश्यक सभी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले प्रक्रिया आरम्भ की जाती है।

अनुग्रह राशि (Ex-gratia)

बैंक ने भारत सरकार अधिसूचना संख्याः F.-2003/5/20RRB दिनांक 09.06.2006 के निर्देशों को लागू किया है जिसके तहत् शोक संतप्त कर्मचारियों के कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के एवज में अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाता है।

सतर्कता प्रशासन –

युवा और अनुभवहीन कार्यबल जो कि कुल स्टाफ सदस्यों का 70 प्रतिशत से अधिक है, के आने और बैंक आकार में वृद्धि के फलस्वरूप संवेदीकरण के साथ सतर्कता हेतु बैंक को अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

सतर्कता प्रशासन का एक नया गठन प्रारम्भ किया गया है और मुख्य सतर्कता अधिकारी, हमारे बैंक के सतर्कता प्रशासन की देखरेख कर रहे है।

मुख्य सतर्कता अधिकारी (सतर्कता) द्वारा मासिक आधार पर सतर्कता के लम्बित मामलों, शिकायतों के निपटान की नीति लम्बित शिकायतों एवं व्हिसल बलोअर नीति के कार्यन्वन की समीक्षा की जाती है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

बैंक के प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालयों एवं सभी शाखाओं में 29 अक्तूबर 2018 से 03 नवम्बर 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया।

मंडल

बैंक के बोर्ड में निम्नलिखित सदस्य हैः –

1. बैंक के अध्यक्ष (बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में)
2. भारत सरकार द्वारा नियुक्त दो गैर–आधिकारिक निदेशक
3. भारतीय रिज़र्व बैंक और नाबार्ड के प्रत्येक एक नामांकित निदेशक
4. प्रायोजक बैंक के दो नामित निदेशक
5. राजस्थान राज्य सरकार के दो नामित निदेशक

बोर्ड की बैठक के नियमों के तहत् बोर्ड की वर्ष में न्यूनतम छह बैठकें होती है। लेन–देन व्यवसाय के लिए बोर्ड की बैठक के लिए न्यूनतम कोरम चार निदेशक हैं और कोरम के अभाव में कोई भी बैठक स्थगित नहीं की गई थी।

Settlement of Terminal Benefits

The Bank has made a policy that all terminal benefits are settled on the date of retirement of staff members. The process begins three months in advance of retirement to ensure that all formalities are completed to make payment on the date of retirement.

Payment of Ex-gratia

The Bank has implemented the GOI instructions, contained in their notification No: F.20/5/2003-RRB dated 09.06.2006, on payment of ex-gratia in lieu of appointment on compassionate grounds for the legal heirs of the bereaved staff members.

Vigilance Administration

As the Bank is growing in size and with the infusion of young and inexperienced workforce, who now constitute over 70% of total staff members, vigilance together with sensitization to be vigilant has been thrust area for the Bank.

A new set up of Vigilance administration has been introduced and Chief Vigilance Officer of Rajasthan Marudhara Gramin Bank is overseeing the Vigilance Administration of our Bank.

Chief Vigilance Officer (Vigilance), on a monthly periodicity, reviews Pendency of vigilance cases, implementation of Complaint handling policy and whistle blower policy, pending complaints.

Vigilance Awareness week:

The Bank has organized Vigilance Awareness week from 29th October 2018 to 3rd November 2018 in Head Office, Regional Offices and all Branches.

Board

The Board of the Bank is constituted by

i.) The Chairman of the Bank.

ii.) Two non-official directors appointed by Government of India

iii.) One Nominee director each from Reserve Bank of India and NABARD

iv.) Two Nominee directors from Sponsor Bank

v.) Two Nominee directors from State Government of Rajasthan.

With Chairman of the Bank as Chairman of the Board.

Board Meeting rules stipulates that the Board meets minimum six times a year, at least once in a quarter. Minimum quorum for the Board Meeting to transact business is four directors and no meeting was adjourned for want of quorum.

कैलेंडर वर्ष 2018 के दौरान बोर्ड की बैठक में निदेशकों की उपस्थिति

क्र. सं.	निदेशक का नाम	पद	निदेशक तिथि से	आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों की संख्या में भाग लिया
1	श्री शिव प्रकाश श्रीमाली	बैंक के अध्यक्ष	01-01-2014	7	7
2	गैर अधिकारिक निदेशक	रिक्त	-	-	-
3	गैर अधिकारिक निदेशक	रिक्त	-	-	-
4	श्री वीरेन मोहन श्री उमेश शर्मा	RBI के नामित निदेशक	25-09-2018 13-07-2017	7	6
5	श्री सी.एस. नंद श्री सुनील कुमार	नाबार्ड के नामित निदेशक	12-06-2018 11-05-2017	7	4
6	श्री विनित कुमार श्री रवीन्द्र शर्मा	SBI के नामित निदेशक	25-09-2018 10-05-2017	7	6
7	श्री एस गणेशन	SBI के नामित निदेशक	03-11-2017	7	5
8	श्री बी एस जाट	राज्य सरकार के नामित निदेशक	29-04-2015	7	5
9	श्री मंजीत चरण	राज्य सरकार के नामित निदेशक	08-07-2016	7	1

बोर्ड में वर्ष के दौरान अधिकारियों के स्थानांतरण के कारण निम्नलिखित बदलाव हुए हैं :–

- आरबीआई नामित निदेशक श्री उमेश शर्मा, श्री वीरेन मोहन द्वारा प्रतिस्थापित किये गए ।
- नाबार्ड के नामित निदेशक श्री सुनील कुमार, श्री सी एस नंद द्वारा प्रतिस्थापित किये गए।
- SBI नामांकित निदेशक श्री रवीन्द्र शर्मा, श्री विनित कुमार द्वारा प्रतिस्थापित किये गए ।

बैंक ने निदेशकों श्री उमेश शर्मा, आरबीआई नामित निदेशक, श्री सुनील कुमार, नाबार्ड नामित निदेशक, श्री रवीन्द्र शर्मा, एसबीआई नामांकित निदेशक द्वारा प्रदान की गई अमूल्य सेवाओं को रिकॉर्ड में रखा।

अभिस्वीकृतियां

निदेशक मण्डल भारत सरकार, राजस्थान सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक प्रायोजक बैंक भारतीय स्टेट बैंक, जिला प्रशासन, पाली, जालोर, सिरोही, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, जोधपुर, बाड़मेर, नागौर, जयपुर, दौसा, प्रतापगढ़, राजसमन्द एवं उदयपुर जिलों द्वारा बैंक को प्रभावी तरीके से अपने कार्य निष्पादन हेतु समय समय पर दिये गये बहुमूल्य मार्गदर्शन, लगातार सहयोग और समर्थन हेतु हार्दिक कृतज्ञता व आभार व्यक्त करता है।

निदेशक मण्डल बैंक के सभी ग्राहकों तथा शुभचिन्तकों द्वारा लगातार व्यक्त किये गये विश्वास, संरक्षण व बहुमूल्य सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है।

निदेशक मण्डल बैंक के सभी संवर्ग के स्टॉफ सदस्यों के निष्ठा, समर्पण, सहयोग तथा बैंक व्यवसाय के विकास व बैंकिंग क्षेत्र में बैंक छवि को उच्च बनाने हेतु किये गये समर्पित प्रयासों की प्रशंसा करता है।

निदेशक मण्डल वैधानिक अंकेक्षकों द्वारा बैंक का निर्धारित समयावधि में वैधानिक अंकेक्षण करने व सभी आवश्यक बैंक लेखों को शीघ्र अन्तिम रूप देने हेतु दिये गये सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद देता है।

जोधपुर

दिनांक – 08.05.2019

निदेशक मण्डल के लिए एवं उनकी ओर से

(ज्ञानेन्द्र कुमार जैन)

अध्यक्ष

Attendance of Directors at Board Meeting during the calendar year 2018

S. No.	Name of the Director	Designation	Directors w.e.f	No. of Meetings held	No. of Meetings attended
1	Shri. Shiv Prakash Shrimali	Chairman of the Bank	01.01.2014	7	7
2	Non Official Director - Vacant	-	-	-	-
3	Non Official Director - Vacant	-	-	-	-
4	Shri Viren Mohun Shri Umesh Sharma	RBI Nominee Director	25.09.2018 13.07.2017	7	6
5	Shri. C S Nanda Shri Sunil Kumar	NABARD Nominee Director	12.06.2018 11.05.2017	7	4
6	Shri Vinit Kumar Shri. Rabindra Sharma	SBI Nominee Director	25.09.2018 10.05.2017	7	6
7	Shri S. Ganesan	SBI Nominee Director	03.11.2017	7	5
8	Shri B S Jat	State Government Nominee Director	29.04.2015	7	5
9	Shri Manjeet Charan	State Government Nominee Director	08.07.2016	7	1

The board has undergone the following changes in the composition on account of transfer of officials during the year.

- Shri Umesh Sharma, RBI Nominee Director on Bank's Board has been replaced by Shri Viren Mohun.
- Shri Sunil Kumar, NABARD Nominee Director on Bank's Board has been replaced by Shri C S Nanda.
- Shri Rabindra Sharma, SBI Nominee Director on Bank's Board has been replaced by Shri Vinit Kumar.

The Bank placed on record the invaluable services rendered by the Directors Shri Umesh Sharma, RBI Nominee Director, Shri Sunil Kumar, NABARD Nominee Director, Shri Rabindra Sharma, SBI Nominee Director.

Acknowledgments

The Board of Directors place on records its deep gratitude & sincere thanks to the Govt. of India, Govt. of Rajasthan, reserve Bank of India, National Bank for Agriculture and Rural Development, Sponsor Bank i.e. State Bank of India, District Authorities of Pali, Jalore, Sirohi, Bikaner, Sriganganagar, Hanumangarh, Jodhpur, Barmer, Jaisalmer, Nagaur, Jaipur, Dausa, Pratapgarh, Rajasmand and Udaipur districts for their valuable guidance, directions constant co-operation & support extended to the Bank in performing its functions in an effective manner.

The Board also convey its sincere thanks to its customers and well wishers for their constant patronage, valuable support & co-operation.

The Board further expresses its appreciation to all category of staff for their devotions, dedication, co-operation and whole hearted efforts made in promoting Bank's business and projecting Bank's image high in Banking area.

The Board also expresses thanks to the Statutory Auditors for conducting statutory audit, providing all necessary help & co-operation in speedy and timely finalization of the accounts.

Jodhpur
Date : 08.05.2019

For and on behalf of the Board of Directors
(Gyanendra Kumar Jain)
Chairman

FLC Campaign

Awards & Recognition

Strategic Meet

Pension Scheme
a milestone

Walking Ahead

INAUGURATIONS

Sports Activities

Face of New Innovative RMGB...

Independent Auditor's Report

Parakh & Co.
Chartered Accountants

To
The Shareholders
Rajasthan Marudhara Gramin Bank

Report on Financial Statements

Opinion

1. We have audited the accompanying financial statements of Rajasthan Marudhara Gramin Bank, Jodhpur (RAJ.) as on 31st March 2019, which comprise the Balance Sheet as on March 31, 2019 and Profit and Loss Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. Incorporated in these financial statements are the returns of 20 (Twenty) branches audited by us and 374 (Three Hundred and Seventy Four) Branches audited by Branch Auditors. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected as per the guidelines issued by Reserve Bank of India, Ministry of Finance, Government of India and NABARD, also incorporated in the Balance Sheet and the Statement of Profit and Loss are the returns of 307 (Three Hundred and Seven) branches which have not been subjected to audit. These unaudited Branches account for 24.83 per cent of advances, 50.21 per cent of deposits.

2. In our opinion, and to the best of our information and according to the explanation given to us, except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion section of our report the aforesaid financial statement, give the information as required by Banking Regulation Act, 1949 and NABARD guidelines in the manner so required for bank and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(a) The Balance Sheet, read with the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars, is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of state of affairs of the bank as on 31.03.2019 in conformity with accounting principles generally accepted in India; and

(b) The Profit and Loss Account, read with the notes thereon shows true balance of profit, in conformity with accounting principles generally accepted in India for the year ended on 31.03.2019 ;

Basis for Qualified Opinion:

3. The bank has not made the full provision for pension liability of RRB employees amounting to Rs. 917.48 crores in line with the notification issued by the Government of India on 21st December 2018 and as per actuarial valuation and has provided for Rs. 122.50 crores only. This has resulted in overstatement of profit by Rs. 794.98 crores and understatement of liabilities by Rs. 794.98 crores and consequent impact of same amount on the reserve and surplus of the bank. Had the same provision been made the profit of Rs 97.64 crore (before tax) as reported by the bank would have converted in loss of Rs. 697.34 crores.

4. We conducted our audit in accordance with the standards on Auditing (SAs) as issued by ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the auditor's responsibility for the audit of

financial statement section of our report. We are independent of the bank in accordance with the code of ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with ethical requirements that are relevant to our audit of financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and code of ethics. We believe that the audit evidence which we have obtained, is sufficient and appropriate to provide the basis for our opinion.

Emphasis of Matter

5. Note 2 (iii) of Schedule 18 regarding renewal/enhancement of KCC accounts being done invariably on the same day on which the farmer repays the amount, the genuineness of such credit transactions are not verifiable particularly in cases where the farmer deposits the amount in cash and enhanced limit is also disbursed in cash within a time span of few minutes on the same day, the impact of which is not ascertainable.

6. Note 6 of schedule 18 regarding Data for computing maturity pattern for "Asset Liability Management" and Note no 1 of Schedule 18 for computing "Capital Adequacy Ratio" are partly system generated which are processed further with manual intervention and any change therein because of possible system/manual error not ascertainable.

7. Note no 8.5.1 in Schedule 18 regarding non-exclusion of values of gross block and accumulated deprecation of obsolete items from fixed assets which have already been sold out or written off.

8. Note no.14.1, 14.2 and 14.3 in Schedule no. 18 regarding reconciliation of balances of certain outstanding items in respect of various accounts of assets and liabilities, impact thereof remained unquantified.

Our opinion is not qualified in respect of the above points.

Management's Responsibility for the Financial Statements:

9. Management of the Bank is responsible for the preparation of these Financial Statements that give true and fair view of the financial position and financial performance of the Branch in accordance with the accounting principles generally accepted in India including the Accounting standards issued by ICAI and provisions of section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and circulars and guidelines issued by Reserve Bank of India and NABARD Guidelines from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design implementation and maintenance of adequate internal financial control that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of accounting records, relevant to the preparation and fair presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters relating to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the bank or cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditors' Responsibility:

10. Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material mis-statement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material mis-statement when it exists. Mis-statements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material mis-statement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material mis-statement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, mis-representations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the standalone financial statements or if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of mis-statements in the standalone financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the

financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified mis-statements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Other Matters

11. We did not audit the financial statements/ information of 374 branches included in the standalone financial statements of the bank whose financial statements/financial information reflect total advances of Rs. 4786.41 crores as at 31st March 2019, as considered in the standalone financial statements/information of these branches have been audited by the branch auditors whose reports have been furnished to us, and our opinion in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of branches, is based solely on the report of such branch auditors.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements.

12. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949;

13. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraph 3 to 4 above and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that:

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory.

(b) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.

(c) The returns received from the branch of the Bank have been found adequate for the purpose of our audit.

For Parakh & Company
Chartered Accountants
FRN No. 001475C
Nikita Maheshwari
Partner
M.No. 441184

Place : Jaipur
Date : 08.05.2019

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars		अनुसूची Schedule	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
पूँजी और दायित्व	CAPITAL AND LIABILITIES			
पूँजी	CAPITAL	1	1,81,93,17	1,81,93,17
आरक्षितियां और अधिशेष	RESERVES AND SURPLUS	2	5,42,55,59	4,79,94,77
निक्षेप	DEPOSITS	3	1,11,89,30,24	98,75,05,68
उधार	BORROWINGS	4	6,95,21,30	6,97,16,85
अन्य दायित्व	OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS	5	3,19,21,14	1,68,67,52
		योग/ TOTAL:	1,29,28,21,44	1,14,02,77,99
आस्तियां	ASSETS			
नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशेष	CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA	6	4,76,37,56	4,19,61,76
बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धन	BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE	7	13,72,28,49	7,62,15,72
विनिधान	INVESTMENTS	8	2,87,98,086	28,66,96,86
अग्रिम	ADVANCES	9	74,78,90,66	67,05,32,58
स्थिर आस्तियां	FIXED ASSTES	10	42,26,95	36,99,96
अन्य आस्तियां	OTHER ASSETS	11	6,78,56,92	6,11,71,11
		योग/ TOTAL:	1,29,28,21,44	1,14,02,77,99
समाश्रित दायित्व	CONTINGENT LIABILITIES	12	31,36,12	30,36,76
प्रमुख लेखा नीतियाँ	PRINCIPAL ACCOUNTING POLICIES	17		
लेखा पर टिप्पणियाँ	NOTES ON ACCOUNTS	18		

ASHUTOSH KUMAR
CHIEF MANAGER
ACCOUNTS & COMPLIANCE

ANIL SOGANI
GENERAL MANAGER

GYANENDRA KUMAR JAIN
CHAIRMAN

S GANESAN
DIRECTOR

VINIT KUMAR
DIRECTOR

C S NANDA
DIRECTOR

BABLISH JOSHI
DIRECTOR

S C GUPTA
DIRECTOR

SANDEEP SANDOO
DIRECTOR

Place : Jodhpur
Date : 08.05.2019

As per our separate report of even date
For Parakh & Company Chartered Accountants
FRN.001475C

CA NIKITA MAHESHWARI
PARTNER
M.NO.441184

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars		अनुसूची Schedule	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. आय	I. INCOME			
अर्जित ब्याज	INTEREST EARNED	13	10,41,48,17	9,72,97,76
अन्य आय	OTHER INCOME	14	1,66,86,67	93,64,35
		योग/ TOTAL:	**12,08,34,84**	**10,66,62,11**
II. व्यय	II.EXPENDITURE			
व्यय किया गया ब्याज	INTEREST EXPENDED	15	5,86,83,34	5,22,23,58
परिचालन व्यय	OPERATING EXPENSES	16	4,81,37,27	3,25,55,70
प्रावधान और आकस्मिक व्यय	PROVISIONS & CONTINGENCIES		77,53,41	1,57,77,31
		योग/ TOTAL:	**11,45,74,02**	**10,05,56,59**
III. लाभ	III. Profit			
वर्ष का शुद्ध लाभ	NET PROFIT FOR THE YEAR		62,60,82	61,05,52
अग्रनित लाभ/हानि	PROFIT/LOSS BROUGHT FORWARD		-	-
		योग/ TOTAL:	**62,60,82**	**61,05,52**
IV. विनियोजन	IV. APPROPRIATIONS			
विनियोजन हेतु उपलब्ध	AVAILABLE FOR APPROPRIATION		62,60,82	61,05,52
वैधानिक आरक्षितियों को अन्तरण	TRANSFER TO STATUTORY RESERVES		15,65,21	15,26,38
राजस्व आरक्षितियों को अन्तरण	TRANSFER TO REVENUE RESERVES		46,95,61	45,79,14
अतिशेष जो आगे तुलन पत्र में ले जाया गया है	BALANCE CARRIED OVER TO BALANCE SHEET			

ASHUTOSH KUMAR
CHIEF MANAGER
ACCOUNTS & COMPLIANCE

ANIL SOGANI
GENERAL MANAGER

GYANENDRA KUMAR JAIN
CHAIRMAN

S GANESAN
DIRECTOR

VINIT KUMAR
DIRECTOR

C S NANDA
DIRECTOR

BABLISH JOSHI
DIRECTOR

S C GUPTA
DIRECTOR

SANDEEP SANDOO
DIRECTOR

Place : Jodhpur
Date : 08.05.2019

As per our separate report of even date
For Parakh & Company Chartered Accountants
FRN.001475C

CA NIKITA MAHESHWARI
PARTNER
M.NO.441184

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 1
Schedule 1

पूंजी
CAPITAL

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
प्राधिकृत पूँजी (रू.10/– प्रति शेयर वाले 200,00,00,000 इक्विटी शेयर) Authorized Capital (200,00,00,000 Shares of Rs.10.00 each)	20,00,00,00	20,00,00,00
पुरोधृत, प्रतिश्रुति तथा प्रदत्त पूँजी (रू.10/– प्रति शेयर वाले 18,19,31,749 इक्विटी शेयर) Issued, Subscribed and Paid-up Capital (18,19,31,749 Equity Shares of Amount in Rs.10.00 each)	1,81,93,17	1,81,93,17
अंश पूँजी निक्षेप **Share Capital Deposit**	0.00	0.00
भारत सरकार का शेयर Share of Govt. of India 50%		
प्रायोजक बैंक का शेयर Share of Sponsor Bank 35%		
राजस्थान सरकार का शेयर Share of Govt. of Rajasthan 15%		
योग/ TOTAL:	1,81,93,17	1,81,93,17

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 2
Schedule 2

आरक्षितियां और अधिशेष
RESERVES & SURPLUS

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars		31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. वैधानिक आरक्षितियां / Statutory Reserves			
अथशेष	Opening Balance	1,19,98,88	1,04,72,50
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	15,65,21	15,26,38
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	0	0
	योग/ TOTAL:	**1,35,64,09**	**1,19,98,88**
II. पूँजी आरक्षितियां / Capital Reserves			
अथशेष	Opening Balance	0	0
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	0	0
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	0	0
	योग/ TOTAL:	**0**	**0**
III. शेयर प्रीमियम / Share Premium			
अथशेष	Opening Balance	0	0
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	0	0
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	0	0
	योग/ TOTAL:	**0**	**0**
IV. राजस्व और अन्य आरक्षितियां / Revenue and Other Reserves			
(अ) राजस्व आरक्षितियां / Revenue Reserves			
अथशेष	Opening Balance	3,59,95,89	3,14,16,75
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	46,95,61	45,79,14
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	0	0
	उप–योग/ SUB TOTAL:	**4,06,91,50**	**3,59,95,89**
(ब) विनिवेश आरक्षितियां / Investment Fluctuation Reserves			
अथशेष	Opening Balance	0	6,04,81
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	0	0
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	0	6,04,81
	उप–योग/ SUB TOTAL:	**0**	**0**
	योग (अ)+(ब)/ TOTAL:	**4,06,91,50**	**3,59,95,89**
v. लाभ–हानि खाते का अतिशेष Balance in Profit & Loss Account		0	0
	योग/ TOTAL: (I,II,III,IV, and V)	**5,42,55,59**	**4,79,94,77**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 3
Schedule 3

जमाएं
DEPOSITS

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars			31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
(अ) A.	I	मांग निक्षेप Demand deposits		
		(i) बैंकों से / From Banks	0	0
		(ii) अन्य से / From Others	1,62,88,06	1,83,13,75
	II.	बचत बैंक निक्षेप Saving Bank Deposits	56,02,99,72	52,19,28,76
	III.	सावधि निक्षेप Term Deposits		
		(i) बैंकों से / From Banks	0	0
		(ii) अन्य से / From Others	54,23,42,46	44,72,63,17
		योग/ TOTAL: (I,II, and III)	**1,11,89,30,24**	**98,75,05,68**
(ब) B.		(i) भारत मे शाखाओं के निक्षेप Deposits of branches in India	1,11,89,30,24	98,75,05,68
		(ii) भारत के बाहर शाखाओं के निक्षेप Deposits of branches outside India	0	0
		योग/ TOTAL:	**1,11,89,30,24**	**9,875,05,68**

अनुसूची 4
Schedule 4

उधार
BORROWINGS

	I	भारत मे उधार Borrowings in India		
		(i) भारतीय रिजर्व बैंक Reserve Bank of India	0	0
		(ii) अन्य बैंक (प्रायोजक बैंक) Other Banks (SBI)	0	0
		(iii) अन्य संस्था और अभिकरण (नाबार्ड) Other Institutions & Agencies (NABARD)	69,52,130	6,97,16,85
	II.	भारत के बाहर से उधार Borrowings outside India	0	0
		योग / TOTAL : (I and II)	**69,52,130**	**6,97,16,85**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 5
Schedule 5

अन्य दायित्व और प्रावधान
OTHER LIABILITIES & PROVISIONS

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. संदेय बिल Bills Payable	0	0
II. अन्तर–कार्यालय समायोजन (निवल) Inter office adjustments (Net)	0	0
III. प्रोद्भूत ब्याज Interest accrued	15,33,29	18,29,75
IV. अन्य (इसमें प्रावधान शामिल है) Other (including provisions)	3,03,87,85	1,50,37,77
योग/ TOTAL:	**3,19,21,14**	**1,68,67,52**

अनुसूची 6
Schedule 6

नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक में
CASH & BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

I. हाथ नगदी Cash in hand (इसमें विदेशी मुद्रा नोट सम्मिलित हैं) (including foreign currency notes)	33,66,62	32,23,99
II. भारतीय रिजर्व बैंक में अतिशेष Balance with Reserve Bank of India		
(i) चालू खातों में In Current Accounts	4,42,70,94	3,87,37,77
(ii) अन्य खातो में In Other Accounts	0	0
योग/TOTAL: (I and II)	**4,76,37,56**	**4,19,61,76**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 7
Schedule 7

बैंकों में अतिशेष और मांग पर तथा अल्प सूचना पर
BALANCE WITH BANK AND MONEY AT CALLS & SHORT NOTICE

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I.भारत में / In India		
(i) अतिशेष बैंकों में Balance with Banks		
(a) चालू खातों में In Current Accounts	68,61,54	54,65,32
(b) अन्य जमा खातों में In Other Deposit Accounts	13,03,66,95	7,07,50,40
(ii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन Money at call & short notice		
(a) बैंकों के पास With banks	0	0
(b) अन्य संस्थाओं के पास With other institutions	0	0
योग/ TOTAL: (i) and (ii)	**13,72,28,49**	**7,62,15,72**
II. भारत के बाहर / Outside India		
(i) चालू खातों में In Current Accounts	0	0
(ii) अन्य जमा खातों में In Other Deposit Accounts	0	0
(iii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन Money at call & short notice	0	0
योग/ TOTAL: (i), (ii) and (iii)	**0**	**0**
GRAND TOTAL : (I and II)	**13,72,28,49**	**7,62,15,72**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 8 | विनिधान | (राशि हजारों में)
Schedule 8 | INVESTMENTS | (Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. भारत में विनिधान Investments in India in		
(i) सरकारी प्रतिभूतियों में Government securities	26,29,38,82	26,03,50,16
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ Other approved securities	0	0
(iii) शेयर Shares	1,67	1,67
(iv) ऋण पत्र और बन्ध पत्र Debentures and Bonds	2,34,03,97	2,47,08,63
(v) समानुशंगी और/अथवा सह उद्यम Subsidiaries and/or joint ventures	0	0
(vi) अन्य Others	16,36,40	16,36,40
यूनिट ट्रस्ट /म्यूचुअल फंड UTI & Mutual Funds		
योग/ TOTAL:	**28,79,80,86**	**28,66,96,86**
II. भारत के बाहर विनिधान Investment outside India in		
(i) सरकारी प्रतिभूतियों में (इसमें स्थानीय प्राधिकरण सम्मिलित है) Government securities (including local authorities)	0	0
(ii) विदेशों में समानुशंगी और/अथवा सहउद्यम Subsidiaries and/or joint ventures abroad	0	0
(iii) अन्य (शेयर, डिबेंचर आदि) Other Investments (Shares, Debentures etc.)	0	0
योग/ TOTAL:	**0**	**0**
GRAND TOTAL: (I and II)	**28,79,80,86**	**28,66,96,86**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 9
Schedule 9

अग्रिम
ADVANCES

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
(क) A.(i) क्रय किये गये और मिती काटे पर भुगतान किये गये विनिमय पत्र Bills purchased and discounted	49,08	1,00,63
(ii) नकद शाख, ओवर ड्राफ्ट और मांग पर प्रति संदेय उधार Cash credits, overdrafts and loans repayable on demand	64,77,96,61	57,36,81,13
(iii) सावधि उधार / Term loans	10,00,44,97	9,67,50,82
योग/ TOTAL:	**74,78,90,66**	**67,05,32,58**
(ख) B.(i) मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत Secured by tangible assets	68,14,44,27	61,74,30,99
(ii) बैंक/सरकारी प्रत्याभूतियों द्वारा संरक्षित Covered by Bank /Govt. Guarantees	0	0
(iii) अप्रतिभूत Unsecured	6,64,46,39	5,31,01,59
योग/ TOTAL:	**74,78,90,66**	**67,05,32,58**
(ग) C I. भारत में अग्रिम Advances in India		
(i) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र/Priority Sector	70,26,46,48	63,47,97,41
(ii) सार्वजनिक क्षेत्र/Public Sector	0	0
(iii) बैंक/Banks	0	0
(iv) अन्य/Others	4,52,44,18	3,57,35,17
योग/ TOTAL:	**74,78,90,66**	**67,05,32,58**
II. भारत के बाहर अग्रिम Advances Outside India		
(i) बैंकों से प्राप्य/Due from Banks	0	0
(ii) अन्य से प्राप्य/Due from others	0	0
(a) क्रय किये गये और मिती काटे पर भुगतान किये गये विनिमय पत्र Bills purchased and discounted		
(b) अभिशद् उधार/Syndicated loans	0	0
(c) अन्य/Others	0	0
योग/ TOTAL:	**0**	**0**
Grand Total : (CI and CII)	**74,78,90,66**	**67,05,32,58**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 10
Schedule 10

स्थिर आस्तियाँ
FIXED ASSETS

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. परिसर PREMISES		
(i) पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत पर At Cost as at 31st March of the preceding year	4,83,27	4,83,27
(ii) वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	3,91,20	0
(iii) वर्ष के दौरान कटौतियॉं Deductions during the year	0	0
(iv) अद्यतन अवक्षयण Depreciation to date	0	0
II . पूँजीगत कार्य प्रगति पर Construction Work in Progress	0	0
III. अन्य स्थिर आस्तियां (फर्नीचर और फिक्सचर सहित है) OTHER FIXED ASSETS (Including furniture & fixtures)		
(i) पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार लागत पर At Cost as at 31st March of the preceding year	86,49,73	76,35,32
(ii) वर्ष के दौरान परिवर्धन Additions during the year	7,72,56	10,25,47
(iii) अद्यतन अवक्षयण Deductions during the year	45	11,06
योग/ TOTAL (I+II+III) :	**1,02,96,31**	**91,33,00**
घटाएं/Less		
(i) पिछले वर्ष तक का अवक्षयण Depreciation up to previous year	54,33,05	47,81,20
(ii) चालू वर्ष के लिये अवक्षयण Depreciation for the year	6,36,31	6,51,84
(iii) घटायें : अवक्षयण बेची गई आस्तियों पर Less : Depreciation over the assets sold	0	0
कुल अवक्षयण/Total Depreciation	**60,69,36**	**54,33,04**
शुद्ध आस्तियां/NET ASSETS	**42,26,95**	**36,99,96**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 11
Schedule 11

अन्य आस्तियाँ
OTTHER ASSETS

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. अन्तर–कार्यालय समायोजन (निवल) Inter-Office Adjustments (Net)	2,33,62	31,83,20
II. प्रोदभूत ब्याज Interest Accrued	3,15,40,24	2,71,48,56
III. अग्रिम रूप से संदत्त/स्त्रोत पर काटा गया कर Tax paid in advance/tax deducted at source	41,94,07	12,31,09
IV. आस्थगित कर आस्ति (निवल) Deferred Tax Assets	0	0
V. लेखन–सामग्री और स्टाम्प Stationery and Stamps	2,10,27	1,88,94
VI. उचंति खाता Suspense A/c	2,24,97	1,29,21
VII. लाभ–हानि खाते का शेष Balance in P&L A/c	0	0
VIII. अन्य Others	3,14,53,75	2,92,90,11
योग/ TOTAL:	**6,78,56,92**	**6,11,71,11**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 12
Schedule 12

समाश्रित दायित्व
CONTINGENT LIABILITIES

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. बैंक के विरूद्ध दावे जिन्हे ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है। Claims against the Bank not acknowledged as debts		
(a) Staff Matter Laibility	6,71,87	6,35,25
(b) TDS Interest & Late Fees	23,63	50,00
(c) Lease disputed demand	0	1,29,16
(d) Consumer Court Case	6,85	35,00
II. अंशतः संदत्त विनिधानों के लिये दायित्व Liabilities for partly paid investments	0	0
III. विद्यमान वायदा विनिमय संविदाओं के बाबत् दायित्व Liabilities on account of outstanding forward exchange contract	0	0
IV. संघटकों की ओर से दी गयी प्रतिभूतियाँ Guarantee given on behalf of Constituents		
(i) भारत में / In India	12,83,46	12,48,46
(ii) भारत के बाहर / Outside India	0	0
V. प्रतिग्रहण, पृष्ठांकन और अन्य बाध्यताएँ Acceptances, endorsements and other obligation	0	0
VI. रिजर्व बैंक में अदावित जमाएँ Unclaimed Deposit with RBI	11,50,31	9,38,89
VII. अन्य मदें जिनके लिये बैंक समाश्रित रूप से उत्तरदायी है Other items for which the Bank is contingently liable	0.00	0.00
योग/ TOTAL:	**31,36,12**	**30,36,76**

अनुसूची 13
Schedule 13

अर्जित ब्याज
INTEREST EARNED

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

I. अग्रिमों / विनिमय पत्रों पर ब्याज / मिती काटा Interest/Discount on advances/bills	7,35,24,27	7,22,89,08
II. विनिधानों पर आय Income on Investments	2,34,97,59	2,30,92,68
III. भारतीय रिजर्व बैंक के अतिशेषों और अन्य अंतर–बैंक निधियों पर ब्याज Interest on Balances with Reserve Bank of India and other inter Banks funds	71,26,32	19,16,00
IV. अन्य / Other	0	0
योग/ TOTAL:	**10,41,48,18**	**9,72,97,76**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 14
Schedule 14

अन्य आय
OTHER INCOME

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars		31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I.	कमीशन, विनिमय और दलाली Commission ,Exchange and Brokerage	89,54,43	78,58,57
II.	विनिधानों के विक्रय पर लाभ (निवल) Profit on sale of investments (Net)	0	15,05,78
III.	विनिधानों के पुर्नमूल्यांकन पर लाभ Profit on revaluation of investment	0	0
IV.	भूमि, भवनों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर लाभ Profit/ Loss on sale of land building & other assets	0	0
V.	विनिमय संव्यवहारों पर लाभ (निवल) Profit on exchange transactions (Net)	0	0
VI.	विदेश/भारत में स्थापित समानुशंगी/सह–उद्यम से लाभांशों आदि के रूप में अर्जित आय Income earned by way of dividends etc. from subsidiaries and/ or joint ventures abroad/in India	0	0
VII.	पट्टा किराया/ Lease Rental		
	पट्टा समानीकरण/Lease Equalization	0	0
VIII.	प्रकीर्ण आय/Miscellaneous Income	77,32,25	0
	योग/ TOTAL:	**1,66,86,68**	**93,64,35**

अनुसूची 15
Schedule 15

व्यय किया गया ब्याज
INTEREST EXPENDED

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

I.	निक्षेपों पर ब्याज/ Interest on deposits	5,44,62,13	4,82,38,48
II.	भारतीय रिजर्व बैंक/अंतर–बैंक उधारों पर ब्याज Interest on Reserve Bank of India / Inter-bank borrowings	42,21,21	39,85,10
III.	अन्य/Other	0	0
	योग/ TOTAL:	**5,86,83,34**	**5,22,23,58**

31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2019

अनुसूची 16
Schedule 16

परिचालन व्यय
OPERATING EXPENSES

(राशि हजारों में)
(Amount in Thousands)

विवरण Particulars	31-03-2019 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2019	31-03-2018 की स्थिति के अनुसार As on 31-03-2018
I. कर्मचारियों को भुगतान और उनके लिये प्रावधान Payments to and provisions for employees		
(अ) प्रायोजक बैंक के अधिकारियों को वेतन व भत्ते (A) Salary & Allowances to sponsor bank staff	1,00,78	86,02
(ब) i. बैंक के स्टाफ को वेतन व भत्ते (B) i. Salary & Allowances to Bank staff	3,18,65,24	1,96,64,78
ii. उपदान एवं अवकाश नगदीकरण / Gratuity & Leave Encasement	49,00,00	49,49,94
II. किराया, कर और रोशनी Rent, taxes and lighting	17,44,78	14,52,35
III. मुद्रण और लेखन सामग्री Printing and Stationery	2,71,91	2,54,11
IV. विज्ञापन और प्रचार Advertisement and Publicity	44,57	21,58
V. बैंक की संपत्ति पर अवक्षयण Depreciation on Bank's property	6,36,32	6,51,85
VI. निदेशकों की फीस, भत्ते और व्यय Director's fees, allowances and expenses	0	0
VII. लेखा परीक्षकों की फीस और व्यय (शाखा लेखा परीक्षकों सहित) Auditor's fees and expenses (including branch auditors)	3,42,99	1,63,23
VIII. विधि प्रभार / Law charges	31,78	27,07
IX. डाक, तार और टेलीफोन आदि Postage, Telegram and Telephones	1,39,78	1,72,37
X. मरम्मत और अनुरक्षण Repairs and maintenance (Including AMC)	17,34,32	13,93,00
XI. बीमा / Insurance	15,40,80	14,67,13
XII. अन्य व्यय / Other Expenditure	47,84,01	22,52,27
योग/ TOTAL:	**4,81,37,28**	**3,25,55,70**

Schedule - 17 SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

A. Basis of Preparation:

The Bank's financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting ongoing concern basis, unless otherwise stated and conform in all material aspects to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, which comprise applicable statutory provisions, regulatory norms/guidelines prescribed by the Reserve Bank of India (RBI), Banking Regulation Act 1949, Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and the practices prevalent in the banking industry in India.

B. Use of Estimates:

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as on the date of the financial statements and the reported income and expenses during the reporting period. Management believes that the estimates used in preparation of the financial statements are prudent and reasonable. Future results could differ from these estimates.

C. Significant Accounting Policies:

1. Revenue recognition:

1.1 Income and expenditure are accounted on accrual basis, except otherwise stated

1.2 Interest income is recognised in the Profit and Loss Account as it accrues except: (i) income from Non-Performing Assets (NPAs), comprising of advances, leases and investments, which is recognised upon realisation, as per the prudential norms prescribed by the RBI/ respective country regulators in the case of foreign offices(hereafter collectively referred to as Regulatory Authorities), (ii) overdue interest on investments and bills discounted,

1.3 Profit or Loss on sale of investments is recognised in the Profit and Loss Account. However, the profit on sale of investments in the 'Held to Maturity' category is appropriated (net of applicable taxes and amount required to be transferred to statutory reserve), to 'Capital Reserve Account'

1.4 Income (other than interest) on investments in 'Held to Maturity' (HTM) category acquired at a discount to the face value, is recognised as follows :

a. On Interest bearing securities, it is recognised only at the time of sale/ redemption.

b. On zero-coupon securities, it is accounted for over the balance tenor of the security on a constant yield basis.

1.5 Dividend is accounted on an accrual basis where the right to receive the dividend is established.

1.6 All other commission and fee incomes are recognised on their realisation except for: (i) Guarantee commission on deferred payment guarantees, which is spread over the period of the guarantee; (ii) Commission on Government Business and ATM interchange fees, which are recognised as they accrue; and (iii) Upfront fees on restructured accounts, which is apportioned over the restructured period.

1.7 Brokerage, Commission etc. paid/ incurred in connection with issue of Bonds / Deposits are amortized over the tenure of the related Bonds /Deposits and the expenses incurred in connection with the issue are charged upfront.

2. Investments:

The transactions in all securities are recorded on "Settlement Date".

2.1 Classification

Investments are classified into three categories, viz. Held to Maturity (HTM), Available for Sale (AFS) and Held for Trading (HFT) as per RBI Guidelines

2.2 Basis of classification:

i. Investments that the Bank intends to hold till maturity are classified as "Held to Maturity (HTM)".

ii. Investments that are held principally for resale within 90 days from the date of purchase are classified as "Held for Trading (HFT)".

iii. Investments, which are not classified in the above two categories, are classified as "Available for Sale (AFS)".

iv. An investment is classified as HTM, HFT or AFS at the time of its purchase and subsequent shifting amongst categories is done in conformity with regulatory guidelines.

v. Investments in subsidiaries, joint ventures and associates are classified as HTM.

2.3 Valuation:

i. In determining the acquisition cost of an investment:

(a) Brokerage/commission received on subscriptions is reduced from the cost.

(b) Brokerage, Commission, Securities Transaction Tax (STT) etc., paid in connection with acquisition of investments are expensed upfront and excluded from cost.

(c) Broken period interest paid / received on debt instruments is treated as interest expense/income and is excluded from cost/sale consideration.

(d) Cost is determined on the weighted average cost method for investments under AFS and HFT category and on FIFO basis (first in first out) for investments under HTM category.

ii. Transfer of securities from HFT/AFS category to HTM category is carried out at the lower of acquisition cost/book value/market value on the date of transfer. The depreciation, if any, on such transfer is fully provided for. However, transfer of securities from HTM category to AFS category is carried out on acquisition price/book value. After transfer, these securities are immediately revalued and resultant depreciation, if any, is provided.

iii. Treasury Bills and Commercial Papers are valued at carrying cost.

iv. Held to Maturity category: a) Investments under Held to Maturity category are carried at acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortised over the period of remaining maturity on constant yield basis. Such amortisation of premium is adjusted against income under the head "interest on investments". b) Investments in subsidiaries, joint ventures and associates (both in India and abroad) are valued at historical cost. A provision is made for diminution, other than temporary, for each investment individually. c) Investments in Regional Rural Banks are valued at carrying cost (i.e. book value).

v. **Available for Sale and Held for Trading categories:** Investments held under AFS and HFT categories are individually revalued at the market price or fair value determined as per Regulatory guidelines, and only the net depreciation of each group for each category (viz., (i) Government securities (ii) Other Approved Securities (iii) Shares (iv) Bonds and Debentures (v) Subsidiaries and Joint Ventures; and (vi) others is provided for and net appreciation, is ignored. On provision for depreciation, the book value of the individual security remains unchanged after marking to market.

vi. In case of sale of NPA (financial asset) to Securitisation Company (SC)/ Asset Reconstruction Company (ARC) against issue of Security Receipts (SR), investment in SR is recognised at lower of: (i) Net Book Value (NBV) (i.e., book value less provisions held) of the financial asset; and (ii) Redemption value of SR. SRs issued by an SC/ ARC are valued in accordance with the guidelines applicable to non-SLR instruments. Accordingly, in cases where the SRS issued by the SC/ ARC are limited to the actual realisation of the financial assets assigned to the instruments in the concerned scheme, the Net Asset Value, obtained from the SC/ ARC, is reckoned for valuation of such investments.

vii. Investments are classified as performing and non-performing, based on the guidelines issued by the RBI in the case of domestic offices and respective regulators in the case of foreign offices. Investments of domestic offices become non-performing where:

(a) Interest/Instalment (including maturity proceeds) is due and remains unpaid for more than 90 days.

(b) In the case of equity shares, in the event the investment in the shares of any company is valued at '1 per company on account of the non-availability of the latest balance sheet, those equity shares would be reckoned as NPI.

(c) if any credit facility availed by an entity is NPA in the books of the Bank, investment in any of the securities issued by the same entity would also be treated as NPI and vice versa.

(d) The above would apply mutatis-mutandis to Preference Shares where the fixed dividend is not paid.

(e) The investments in debentures/bonds, which are deemed to be in the nature of advance, are also subjected to NPI norms as applicable to investments.

(f) In respect of foreign offices, provisions for NPIs are made as per the local regulations or as per the norms of RBI, whichever is more stringent.

3. Loans /Advances and Provisions thereon:

3.1 Loans and Advances are classified as performing and non-performing, based on the guidelines/directives issued by the RBI. Loan Assets become Non-Performing Assets (NPAs) where:

i. In respect of term loans, interest and/or instalment of principal remains overdue for a period of more than 90 days;

ii. In respect of Overdraft or Cash Credit advances, the account remains "out of order", i.e. if the outstanding balance exceeds the sanctioned limit/drawing power continuously for a period of 90 days, or if there are no credits continuously for 90 days as on the date of balance-sheet, or if the credits are not adequate to cover the interest debited during the same period;

iii In respect of bills purchased/discounted, the bill remains overdue for a period of more than 90 days;

iv. In respect of agricultural advances: (a) for short duration crops, where the instalment of principal or interest remains overdue for two crop seasons; and (b) for long duration crops, where the principal or interest remains overdue for one crop season.

3.2 NPAs are classified into Sub-Standard, Doubtful and Loss Assets, based on the following criteria stipulated by RBI:

i. Sub-standard: A loan asset that has remained non-performing for a period less than or equal to 12 months.

ii. Doubtful: A loan asset that has remained in the sub-standard category for a period of 12 months.

iii. Loss: A loan asset where loss has been identified but the amount has not been fully written off.

3.3 Provisions are made for NPAs as per the extent guidelines issued by RBI time to time in respect of RRBs, subject to minimum provisions as prescribed below:

S.N.	Classification	Rate of Provision
1.	Substandard Assets: i. A general provision of 10% on the total outstanding; ii. Additional provision of 10% for exposures which are unsecured ab-initio (i.e. where realisable value of security is not more than 10 percent ab-initio); Unsecured Exposure in respect of infrastructure advances where certain safeguards such as escrow accounts are available -20%.	
2.	Doubtful Assets 1) Secured portion • Up to one year • One to three years • More than three years	 20.00% 30.00% 100.00%
	2) Unsecured portion	100.00%
3.	Loss Assets	100.00%

3.4 Advances are net of specific loan loss provisions, unrealised interest, ECGC claims received and bills rediscounted.

3.5 For restructured/rescheduled assets, provisions are made in accordance with the guidelines issued by the RBI, which require that the difference between the fair value of the loans / advances before and after restructuring is provided for, in addition to provision for the respective loans/advances. The Provision for Diminution in Fair Value (DFV) and interest sacrifice, if any, arising out of the above, is reduced from advances.

3.6 In the case of loan accounts classified as NPAs, an account may be reclassified as a performing asset if it conforms to the guidelines prescribed by the regulators.

3.7 Amounts recovered against debts written off in earlier years are recognised as revenue in the year of recovery.

3.8 In addition to the specific provision on NPAs, general provisions are also made for standard assets as per extant RBI Guidelines. These provisions are reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet under the head "Other Liabilities & Provisions — Others" and are not considered for arriving at the Net NPAs.

3.9 Interests realized on NPAs are taken in to income account provided the credits in the accounts towards interest are not out of fresh/additional credit facilities sanctioned to the borrower concerned.

3.10 Appropriation of recoveries in NPAs i.e. towards principal or interest due as per the Bank's extant instructions is done in accordance with the following priority.

a. Charges

b. Unrealized Interest/Interest

c. Principal

4. Floating Provisions:

The Bank has a policy for creation and utilisation of floating provisions separately for advances, investments and general purposes. The quantum of floating provisions to be created is assessed at the end of the financial year. The floating provisions are utilised only for contingencies under extraordinary circumstances specified in the policy with prior permission of Reserve Bank of India,

5. Derivatives:

As per RBI/NABARD guidelines, Bank does not enter into any derivatives contract.

6. Fixed Assets Depreciation and Amortisation:

- Fixed Assets are carried at cost less accumulated depreciation/ amortisation.
- Cost includes cost of purchase and all expenditure such as site preparation, installation costs and professional fees incurred on the assets before it is put to use. Subsequent expenditure/s incurred on the assets put to use are capitalised only when it increases the future benefits from such assets or their functioning capability.
- The rates of depreciation and method of charging depreciation in respect of domestic operations are as under:

S. No.	Description of Fixed Assets	Method of charging depreciation	Depreciation/ amortisation rate
1	Computers	Straight Line Method	33.33% every year
2	Computer Software forming an integral part of the Computer hardware	Straight Line Method	33.33% every year
3	Computer Software which does not form an integral part of Computer hardware and cost of Software Development	Straight Line Method	33.33% every year
4	Automated Teller Machine/Cash Deposit Machine/ Coin Dispenser/Coin Vending Machine	Straight Line Method	20.00% every year
5	Servers	Straight Line Method	25.00% every year
6	Network Equipment	Straight Line Method	20.00% every year
7	Other fixed assets	Straight Line Method	On the basis of estimated useful life of the assets Estimated useful life of major group of Fixed Assets are as under: Premises 60 Years Vehicles 5 Years Safe Deposit 20 Years Lockers Furniture & Fixtures 10 Years

- In respect of assets acquired during the year (for domestic operations), depreciation is charged on proportionate basis for the number of days the assets have been put to use during the year.
- Assets costing less than 1,000 each is charged off in the year of purchase.
- In respect of leasehold premises, the lease premium, if any, is amortised over the period of lease and the lease rent is charged in the respective year(s).
- In respect of assets given on lease by the Bank on or before 31st March 2001, the value of the assets given on lease is disclosed as Leased Assets under Fixed Assets, and the difference between the annual lease charge (capital recovery) and the depreciation is taken to Lease Equalisation Account.
- In respect of fixed assets held at foreign offices, depreciation is provided as per the regulations /norms of the respective countries.
- The Bank considers only immovable assets for revaluation. Properties acquired during the last three years are not revalued. Valuation of the revalued assets is done at every three years thereafter.
- The increase in Net Book Value of the assets due to revaluation is credited to the Revaluation Reserve Account without routing through the profit and loss statement. The depreciation provided on the increase in the Net Book Value is recouped from Revaluation Reserve.
- The Revalued Assets is depreciated over the balance useful life of the assets as assessed at the time of revaluation.

7. Impairment of Assets:

Fixed Assets are reviewed for impairment whenever events or changes in circumstances warrant that the carrying amount of an asset may not be recoverable. Recoverability of assets to be held and used is measured by a comparison of the carrying amount of an asset to future Net Discounted Cash Flows expected to be generated by the asset. If such assets are considered to be impaired, the impairment to be recognised is measured by the amount by which the carrying amount of the asset exceeds the fair value of the asset.

8. Effect of changes in the foreign exchange rate: The Bank does not enter in foreign exchange market.

9. Employee Benefits:

- **Short Term Employee Benefits:**

The undiscounted amounts of short-term employee benefits, such as medical benefits which are expected to be paid in exchange for the services rendered by employees, are recognised during the period when the employee renders the service.

- **Long Term Employee Benefits:**

i. Defined Benefit Plan

a. The Bank operates a Provident Fund scheme. All eligible employees are entitled to receive benefits under the Bank's Provident Fund scheme. The Bank contributes monthly at a determined rate

(currently 10% of employee's basic pay plus eligible allowance). These contributions are remitted to a Trust established for this purpose and are charged to Profit and Loss Account. The Bank recognizes such annual contributions as an expense in the year to which it relates. Shortfall, if any, is provided for on the basis of actuarial valuation.

b. The Bank operates Gratuity and Pension schemes which are defined benefit plans.

i) The Bank provides for gratuity to all eligible employees. The benefit is in the form of lump sum payments to vested employees on retirement, or on death while in employment, or on termination of employment, for an amount equivalent to 15 days basic salary payable for each completed year of service, subject to a maximum amount of 10 lacs. Vesting occurs upon completion of five years of service. The Bank makes periodic contributions to a fund administered by Trustees based on an independent external actuarial valuation carried out annually.

c. The cost of providing defined benefits is determined using the projected unit credit method, with actuarial valuations being carried out at each balance sheet date. Actuarial gains/losses are immediately recognised in the Profit and Loss Account and are not deferred.

10. Taxes on income:

income tax expense is the aggregate amount of current tax and deferred tax expense incurred by the Bank. The current tax expense and deferred tax expense are determined in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961 and as per Accounting Standard 22 - Accounting for Taxes on Income respectively after taking into account taxes paid at the foreign offices, which are based on the tax laws of respective jurisdictions. Deferred Tax adjustments comprises of changes in the deferred tax assets or liabilities during the year. Deferred tax assets and liabilities are recognised by considering the impact of timing differences between taxable income and accounting income for the current year, and carry forward losses. Deferred tax assets and liabilities are measured using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted at the balance sheet date. The impact of changes in deferred tax assets and liabilities is recognised in the profit and loss account. Deferred tax assets are recognised and re-assessed at each reporting date, based upon management's judgment as to whether their realisation is considered as reasonably/virtually certain.

11. Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets:

- In conformity with AS 29, "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets", issued by the Institute of Chartered Accountants of India, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, and would result in a probable outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation, and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

- **No provision is recognised for:**

  i. Any possible obligation that arises from past events and the existence of which will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of one or more uncertain future events not wholly within the control of the Bank; or

  ii. Any present obligation that arises from past events but is not recognised because;

a. It is not probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation; or

b. A reliable estimate of the amount of, obligation cannot be made, Such obligations are recorded as Contingent Liabilities. These are assessed at regular intervals and only that part of the obligation for which an outflow of resources embodying economic benefits is probable, is provided for, except in the extremely rare circumstances where no reliable estimate can be made

- Contingent Assets are not recognised in the financial statements.

ASHUTOSH KUMAR CHIEF MANAGER ACCOUNTS & COMPLIANCE	**ANIL SOGANI** GENERAL MANAGER	**GYANENDRA KUMAR JAIN** CHAIRMAN
S GANESAN DIRECTOR	**VINIT KUMAR** DIRECTOR	**C S NANDA** DIRECTOR
BABLISH JOSHI DIRECTOR	**S C GUPTA** DIRECTOR	**SANDEEP SANDOO** DIRECTOR
Place : Jodhpur Date : 08.05.2019	As per our separate report of even date For Parakh & Company Chartered Accountants FRN.001475C	**CA NIKITA MAHESHWARI** PARTNER M.NO.441184

Schedule-18 NOTES ON ACCOUNTS

1. Capital

S.N.	Particulars	Current Year	Previous Year
I	CRAR (%)	10.05%	10.21%
II	CRAR — Tier I Capital (%)	8.80%	8.97%
III	CRAR — Tier II Capital (%)	1.25%	1.24%
IV	Percentage of the Shareholding of the:		
a	Government of India	50.00%	50.00%
b	State Government	15.00%	15.00%
c	Sponsor Bank (SBI)	35.00%	35.00%

2. Advances

The Bank's Total Advances are Rs. 7747.74 Crore (Previous Year Rs. 6937.84 crore) out of which Rs. 7292.00 Crore. (Previous Year 6347.97 crore) pertains to Priority Sector which Constitute 94.12% (Previous Year 91.50%) of the total advances

As per RBI guidelines "Priority Sector Advances" should constitute 75% of outstanding of total Advances, to be computed based on the total outstanding as on the corresponding date of the preceding previous year, the bank is allowed to sell its priority sector advance by way of issuance of PSLC/IBPC in excess of the said limit keeping the said guidelines, that has been complied with by the Bank.

The bank used to sale priority sector advances by issuing IBPC/PSLC against excess priority sector advances as per RBI guidelines, during the year the bank has sold PSLC of Rs.2450 crores (Previous year Rs.1900 Crores) on e-kuber portal of RBI and booked a premium of Rs.39.78 Crore, having no impact on the Risk Weighted Assets, however during the previous year the bank had sold its priority sector advances through PSLC of Rs.1900 crores and booked a premium 15.46 crores.

In Schedule 9 of Balance Sheet, Advances are shown net of provisions (except for Standard Assets) and also net of INC. Sector wise classification of advances is done by the bank based on data feeded in CBS, reprocessed with manual intervention and is not fully system based.

(i) Verification of existence and valuation of securities against the loans and advances made to borrowers has been done by the Management.

(ii) The bank has followed prudential norms formulated by Reserve bank of India applicable for RRB's for classifying the advances into standard, substandard, doubtful and loss assets, however the provision is made higher than the norms prescribed by RBI for RRBs, to achieve better Provision Coverage Ratio.

(iii) The account under 5 years KCC scheme are renewed/enhanced invariably on the same day on which the farmer repays the amount and the DP is also increased on the same day, in compliance to the guidelines issued by SBBJ (Now SBI) vide circular No. AGR-31/14/15 dated 16/12/2014 which is in line with RBI guidelines, and are considered genuine and are done in the ordinary course of the banking.

(iv) In Balance Sheet (Schedule-9) advances are shown net of provisions of sub-standard, Doubtful and Loss assets.

The position of assets classification and provisions made there against is as under (In Thousands)

Particulars	Standard Assets	Sub Std (SS1)	Sub Std (SS2)	Doubtful (D1)	Doubtful (D2)	Doubtful (D3)	Loss Assets	Total
Gross Advances	72319599	2112472	147906	787087	1003206	1094302	12869	77477441
Provisions Made	201500	210981	29273	353378	999533	1082341	12869	2688375
Advances shown in BS	72319599	1901491	118633	433709	3673	11961	0	74789066

3 Investments

3.1 Value of Investments

(In Lakhs)

S.N.	Particulars	Current Year	Previous Year
1.	Value of Investments:		
i	Gross value of Investments	287980.86	286696.86
ii	Provision for Depreciation (Non-Performing Non SLR)	25.00	25.00
iii	Net Value of Investments (before Mark to Market Provision made in case of investment under AFS category)	287955.86	286671.86
2.	Movement of provisions held towards depreciation on investments(Non Performing Non SLR):		
i	Opening Balance	25.00	25.00
ii	Add : Provisions made during the year	00.00	00.00
iii	Less: Write off of excess provisions during the year	00.00	00.00
iv	Closing Balance	25.00	25.00

3.2 Repo transactions

(in Lakh)

Paticulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	As on 31.03.2019
Securities Sold under Repo	--Nil--	--Nil--	--Nil--	--Nil--
Securities Purchased under Repo	--Nil--	--Nil--	--Nil--	--Nil--

3.3 Non-SLR investment portfolio: Issuer composition of Non SLR Investments

(in Lakh)

S.No.	Issuer	Amount	Extent of Private Placement	Extent of Below Investment Grade Secuities	Extent of Unrated Securities	Extent of Unlistted Securities
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
i)	PSUs	6056.56	6056.56	---	---	---
ii)	Financial Institutions	7598.85	7598.85	---	---	---
iii)	Banks	7697.79	7697.79	---	---	---
iv)	Private Corporate	2050.78	2050.78	---	---	---
v)	Others (Mutual Fund)	1636.39	1636.39	---	---	---
vi)	Shares	1.67	1.67	---	---	---
vii)	Provision Held Towards depreciation	(25.00)	(25.00)	---	---	---
	Total	25017.04	25017.04	---	---	---

The bank has followed the Policy of Amortizing the Premium on 'HTM' category through "Provision for Amortization on Investment". In View of the RBI directives, the amortized amount for the year has been adjusted in "Schedule 13". The book value of the securities has been reduced to that extent and further reduced by accumulated amortization amount. The Bank has amortized Rs.419.66 Lakhs during the year (Previous Year Rs. 432.02 lakhs).

4 Asset Quality

4.1 Non-Performing Assets

(in Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
1	**Net NPAs to Net advances (%)**	3.28%	2.10%
2	**Movement of NPAs (Gross)**		
a	Opening Balance	37539.02	47835.87
b	Additions during the year	38916.73	43981.22
c	Reductions during the year	24877.33	54278.07
d	**Closing Balance**	**51578.42**	**37539.02**
3	**Movement of Net NPAs**		
a	Opening Balance	14058.21	21567.96
b	Additions during the year	34458.76	34827.54
c	Reductions during the year	24035.84	42337.29
d	**Closing Balance**	**24481.13**	**14058.21**
4	**Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets) including floating provision**		
a	Opening Balance	23251.72	16019.33
b	Provisions Made during the year	4000.00	8300.00
c	write-off/write back of excess provision	367.97	1067.61
d	**Closing Balance**	**26883.75**	**23251.72**

4.2 Details of Loan Assets subject to Restructuring

(In Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
I)	Total amount of loan assets subject to restructuring, rescheduling, renegotiation	--Nil--	--Nil--
ii)	Total amount of Standard assets subject to restructuring, rescheduling, renegotiation	--Nil--	--Nil--
iii)	Total amount of Sub-Standard assets subject to restructuring, rescheduling, renegotiation	--Nil--	--Nil--
iv)	Total amount of Doubtful assets subject to restructuring, rescheduling, renegotiation	--Nil--	--Nil--
	Note [(i)=(ii)+(iii)+(iv)]	--Nil--	--Nil--

4.3 Details of financial assets sold to Securitization (SC) / Reconstruction Company (RC) for Assets Reconstruction

(In Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
i)	No. of accounts	--Nil--	--Nil--
ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts transferred in earlier years	--Nil--	--Nil--
iii)	Aggregate consideration	--Nil--	--Nil--
iv)	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	--Nil--	--Nil--
v)	Aggregate gain/loss over net book value	--Nil--	--Nil--

4.4 Details of Non-Performing Financial Assets Purchased/Sold

A Details of non-performing financial assets purchased:

(In Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
1(a)	No. of accounts purchased during the year	--Nil--	--Nil--
(b)	Aggregate outstanding	--Nil--	--Nil--
2(a)	Of these number of accounts restructured during the year	--Nil--	--Nil--
(b)	Aggregate outstanding	--Nil--	--Nil--

B. Details of non-performing financial assets sold:

(In Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
1.	No. of accounts sold	--Nil--	--Nil--
2.	Aggregate outstanding	--Nil--	--Nil--
3.	Aggregate consideration received	--Nil--	--Nil--

4.5 Provisions on Standard Assets

(In Lakh)

Items	Current Year	Previous Year
Provision towards Standard Assets made during the year	250	265
Cumulative Provision held as on 31.03.2019 for Standard Assets	2015	1765

5. Business Ratios

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
i.	Interest income as a percentage to Working Funds	8.54%	9.23%
ii.	Non-Interest income as a percentage to Working Funds	1.37%	0.89%
iii.	Operating profit/PBT as a percentage to Working Funds	0.80%	0.91%
iv.	Return on Assets (%)	0.51%	0.58%
v.	Business (Deposits plus Advances) per employee (Rs. in Lakh)	693.92	616.99
vi.	Profit per employee (Rs. In Lakh)	2.29	2.24

6. Asset Liability Management - Maturity pattern of certain terms of Assets and Liabilities

(In Lakh)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 Months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 year	Over 3 year & up to 5 year	Over 5 year	Total
Deposits	73911.37	15830.88	90471.49	115188.83	204984.48	600071.88	11949.52	6521.78	1118930.23
Advances	10526.38	15813.78	158377.49	113378.37	184829.16	28411.03	9734.87	202428.86	723499.94
Investments	46019.17	14412.72	3137.80	17742.57	23891.27	49256.73	123117.06	10403.53	287980.85
Borrowings	0.00	0.00	0.00	46240.01	7237.39	12573.89	3470.02	0.00	69521.31
Balance with Other Banks	42416.45	0.00	212.18	94236.76	393.01	0.00	0.00	25.00	137283.40

ALM is prepared by system with manual intervention. Bank is classifying data on certain assumptions as per RBI/NABARD Guidelines & on the basis of estimates made by the management. The bank has adopted "policy" in terms of RBI guideline for "Asset-Liability management", the system related improvement is required thereto to remove manual intervention

7. Exposures:

7.1 Exposures to Real Estate Sector : (In Lakh)

S.No.	Category	Current Year	Previous Year
(a)	**Direct Exposure**		
(i)	Residential Mortgages Lending fully secured by mortagages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented	57950.12	41395
(ii)	Commercial Real Estate Lending secured by mortgages on commercial real estate (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, multi-family residential building multi-tenanted commercial premises, industrial or warehouse space, hotels, land acquisition, development and construction etc.) exposure wold also include non-fund based (NFB) limits:	863.65	--Nil--
(iii)	Investments in Mortgage Backed Securities (MBS) other securitized exposures	--Nil–	--Nil--
	a. Residential	--Nil–	--Nil--
	b. Commercial Real Estate	--Nil–	--Nil--
(b)	Indirect Exposure		
	Fund-based and non-fund based exposures on National Housing Bank (NHB) and Housing Finance Companies (HFCs)	--Nil–	--Nil--

7.2 Exposures to Capital Market

(In Lakh)

S.No.	Items	Current Year	Previous Year
1	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity-oriented mutual funds the corpus of which is exclusively invested in corporate debt	1.67	1.67
2	Advances against shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	--Nil--	--Nil--
3	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security	--Nil--	--Nil--
4	Advance for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e., where the primary security other than shares/convertible bonds/convertible debentures/ units of equity oriented ,mutual funds does not fully cover the advances.	--Nil--	--Nil--
5	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market shares	--Nil--	--Nil--
6	Loans sanctioned to corporate against the security of shares/ bonds/ debentures or others securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	--Nil--	--Nil--
7	Bridge loans to companies against expected equity flows/ issues;	--Nil--	--Nil--
8	Underwriting commitments taken up by the banks in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	--Nil--	--Nil--
9	Financing to stockbrokers for margin trading;	--Nil--	--Nil--
10	All exposures to venture Capital Funds (both registered and unregistered)	--Nil--	--Nil--
Total Exposure to Capital Market		1.67	1.67

7.3 Details of Single Borrower (SGL), Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the bank:

During the year 2017-2018, the Bank has not exceeded the prudential exposure limits set by RBI to single Borrower/ Group Borrower, except in the following case, which has been approved by the Board:

S.No.	Name of the Borrower	Maximum Limit during the year	Exposure (%) as on	Limit/Liability as on 31.03.18	Exposure (%)
	Nil				

8. Disclosure as per Accounting Standard (AS)

8.1 Accounting Standard-3: Cash Flow Statement

This Accounting Standard 3 for Cash Flow Statements is not mandatory for Small and Medium Sized Companies and RRBs. Such enterprises are however encouraged to comply with the Standard, though the Bank is not in practice to prepare Cash Flow Statement or implementing AS-3.

8.2 Accounting Standard-5: Net Profit or Loss for the period, prior period items and changes in accounting policies

8.2 There are no material prior period items included in Profit & Loss Account required to be disclosed as per AS-5 read with RBI guidelines except those disclosed elsewhere in the notes.

8.3 Accounting Standard-6: Depreciation Accounting

Break-up of total depreciation for each class of assets(In Lakh)

Class of Assets	2018-19	2017-18
Premises	--Nil--	--Nil--
Other Fixed Assets	636.32	651.84
Total	636.32	651.84

8.4 Accounting Standard-9: Revenue Recognition

8.4.1 Certain items of income are recognised on realisation basis as disclosed at point no. C (1) "Revenue Recognition" of Schedule 17-Significant Accounting Policies in compliance RBI guidelines.

8.5 AS-10 "Accounting for Fixed Assets"

8.5.1 Paragraph 24 of AS-10 "Accounting for Fixed Assets" states that "Material items retired from active use and held for disposal should be stated at the lower of their net book value and net realizable value and shown separately in the financial statements."

8.5.2 Premises includes land amounting Rs. 483.27 lacs allotted to the bank by JDA in 2013-14

8.6 Accounting Standard-15: "Employee Benefits"

Provisions for Gratuity, Leave Encashment and Other long term benefits have been made in accordance with the Revised Accounting Standard (AS-15) issued by the ICAI.

The accounting for Post-Employment Benefits is done as per the requirements of AS-15 according to which the Bank is paying fixed contribution into a separate entity (a fund), recognizes the contribution under *Defined Contribution Plans* as an expense. The Bank is having a Trust for Gratuity Fund and amount is lying invested in Group Gratuity Scheme. During the year an amount of Rs. 3675.00 lakh (Previous Year Rs.3000 Lacs) was contributed to this fund. The Bank is having "Leave Encashment Fund Management Scheme from SBI Life Insurance Company Limited and from LIC of India, and has contributed Rs.1225.00 lakh to this fund during the year (Previous year Rs. 1950.00 lakh). The liability of Gratuity & Leave Encashment has been valued by an approved actuary as on 31.03.2019. The Actuarial Liability Ascertained, Amount Paid and Debited to P&L in the books up to 31.03.2019 & Payment Deferred and Payable Afterwards as at 31.03.2019 is as under:-

(In Lakh)

Nature of Liability	Actuarial Liability Ascertained As at 31.03.2019	Amount debited to P&L and available with fund manager upto 31.03.2019	Amount Deferred as on 31.03.2019
Gratuity	21431.21	21442.53	0.00
Leave Encasement	8666.99	8712.48	0.00
Pension	91748.00	12250.54	79497.46
NPS	313.00	313.00	0.00
Total	**122159.20**	**42718.55**	**79497.46**

8.7 Accounting Standa rd-17: Segment Reporting

As per guidelines' from RBI the business segments in which the bank operates has been determined as Treasury operations and other Banking operations. Since the bank has no foreign branches, it is considered to operate only in the Domestic segment. No disclosure under geographic segment is therefore made. The position of business segments is summarised as below:

(In Lakh)

		2018-19			2017-18	
Particulars	Treasury operations	Other Banking operations	Total	Treasury operations	OtherBanking operations	Total
Revenue	30623.91	90210.94	120834.85	25008.68	81653.43	106662.11
Operating Profit/Loss before provisions	3551.71	10462.52	14014.23	5130.79	16752.04	21882.83
Provisions	0.00	4250.00	4250.00	2885.42	9420.89	12306.31
Operating Profit before tax (PBT)	3551.71	6212.52	9764.23	2245.37	7331.15	9576.52
Tax Provisions	1274.35	2229.06	3503.41	813.83	2657.17	3471.00
Net Profit/Loss after Tax (PAT)	2277.36	3983.46	6260.82	1431.54	4673.98	6105.52
Total Assets	327647.59	965173.85	1292821.44	267356.87	872921.12	1140277.99
Total Outside Liability	327647.59	965173.85	1292821.44	267356.87	872921.12	1140277.99

The costs not identifiable for each segment separately have been allocated proportionately to the respective segments.

8.8 Accounting Standard-18: related party disclosures

As per Para 9 of the Accounting Standard 18 issued by the ICAI on "Related party disclosures" the Bank, being a state-controlled enterprise is not required to make disclosures of related party relationships with other state-controlled enterprises and transactions with such enterprises. However, the Bank has considered the following as related parties for the purpose of disclosure under AS-18 issued by the ICAI:

Particulars of related party account transactions:

Name & Designation	Remuneration paid during the year, Rupees in thousands
Sh. S P Shrimali (Chairman)	Salary & Allowances : 2155.94
Sh. Gyanendra Kumar Jain (Chairman)	Salary & Allowances : 505.62

Directors of the Bank:-

S.No.	Name	Nominee
1	**Chairman — Sh.Gyanendra Kumar Jain**	**State Bank of India (Sponsor Bank)**
2	Sh. S Ganesan	State Bank of India (Sponsor Bank)
3	Sh. Vinit Kumar	State Bank of India (Sponsor Bank)
4	Sh. C S Nanda	NABARD
5	Sh. Bablish Joshi	Reserve Bank of India
6	Sh. S C Gupta	Government of Rajasthan
7	Sh. Sandeep Sandu	Government of Rajasthan
8	Vacant (Since inception)	Government of India
9	Vacant (Since inception)	Government of india

8.9 Accounting Standard-20: Earning Per Share

AS-20 is not applicable to the banks, as it does not mandate an enterprise, which has neither equity shares nor potential equity shares which are so listed, to calculate and disclose earning per share.

8.10 Accounting Standard-21: Consolidated Financial Statement

The Bank does not have any subsidiary and as such AS 21 is not applicable.

8.11 Accounting Standard-22: Accounting for Taxes on Income

8.11.1 The Bank recognizes the Deferred Tax Assets/Liabilities (DTA/DTL) of future tax consequences for temporary differences arising between the carrying value of assets and liabilities and their respective tax bases. DTA is recognized only when management is satisfied that there is virtual certainty that sufficient future taxable income will be available against which deferred tax assets can be realized. After giving due consideration to prudence, DTA/DTL is measured using the tax rates and the tax laws that have been enacted or substantively enacted by the Balance sheet date and as issued by the ICAI. The bank has not identified any significant DTL that needs to be provided during the year.

8.12 Accounting Standard-23: Accounting for Investments in Associates in consolidated Financial Statement

The Bank does not have any subsidiary and as such AS 23 is not applicable.

8.13 Accounting Standard-26: Intangible Assets

The present practice of depreciating software which forms integral part of hardware @33.33% (on SLM basis) and Depreciating Other Software @ 100 % is being followed by the Bank consistently' which is in line with the AS-26 issued by ICAI.

8.14 Accounting Standard-28: Impairment of Assets

In the opinion of Bank's Management, there is no impairment of the Assets during the year to which Accounting Standard 28- "Impairment of Assets" not applies.

8.15 Accounting Standard-29: Provisions, Contingent Liability and Contingent Assets

The bank recognizes Provisions, Contingent Liability and Contingent Assets in compliance to AS-29 issued by the ICAI, and in terms of the accounting policy adopted and disclosed by the bank. In reference to the Honorable Supreme Court decision on the Pension to RRB's employees and GoI notifications on Pension Regulations 2018,in compliance to mentioned decision, the pension liability for Bank has arisen in the CY itself to the retired employees on line of commercial banks. In order to avoid sudden and heavy financial burden, Bank provided/paid for Pension Liability of Rs.122.50 crore against the total liability of Rs. 917.48 Crore as per actuarial valuation on the line of RBI's guidelines of 5 year amortization issued for commercial bank.

8.15.1 Provisions & Contingencies of Profit & Loss Account made During the Year is as under:

(In Lakh)

S.No.	Particulars	Current Year	Previous Year
A	**Provisions & Contingencies**		
1.	Provision for Standard Assets	250.00	265.00
2.	Provision towards NPA	4000.00	8300.00
3.	Provision for Frauds	6.97	0.00
4.	Depreciation of Investment	0.00	3741.31
	Total of Provisions & Contingencies	**4256.97**	**12306.31**
B	**Tax provisions**		
1.	Provision for taxation	3503.41	3471.00
2.	Deferred Tax (Liability)	....	....
	Total Tax Provisions	**3503.41**	**3471.00**
	Total of A and B	**7760.38**	**15777.31**

8.15.2 Movement of other significant provisions has been disclosed at the appropriate places in the Notes forming part of the accounts.

8.16 AS-4 Contingencies and Events occurring after Balance Sheet: There are no events occurring after the Balance Sheet date which needs adjustment in the financial statement.

8.17 AS-2 on Valuation of Inventory, AS -7 on Construction Contract, AS-11 on The effects of Changes in Foreign Exchange Rates, AS-12 on Government Grants, AS- 14 on the accounting for the Amalgamation. AS-16 on the Borrowing Cost, AS-19 on Leases : The mentioned AS are not applicable to the Bank or there are no reportable transactions required to be reported in accordance with these Accounting Standards.

9. Additional disclosures

9.1 Floating Provisions

(In Lakh)

S. N.	Particulars	Current Year	Previous Year
(a)	Opening Balance in floating provision account	500	500
(b)	The Quantum of floating Provision made in the accounting year	00	00
(c)	Amount of draw down made during the accounting year	00	00
(d)	Closing balance in the floating provision account	500	500

9.2 Provision against Frauds

The detail of Fraud cases are as under:

(In Lakh)

Particulars	Current Year	Previous Year
Fraud amount of earlier years	198.09	150.68
Detected during the Year	59.64	94.04
Less: Recovered in FY	52.51	46.63
Closing Balance	205.22	198.09
Less: Provision Available for Fraud	198.25	198.25
Balance Provision Made During the Year	6.97	---

One new fraud case was reported during the year, involving total amount of Rs. 59.64 lakh, In total 24 fraud cases the amount involved is **Rs.20521648.90 against which a provision of Rs.20521648.90 is held by the bank,** ***as part of Continuous Practice the Bank Makes Provision at 100% for the amount involved in Frauds detected.***

10. Disclosure of complaints

10.1 Customer Complaints:

(In Lakh)

S.N.	Particulars	Number of Cases
(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	11
(b)	No. of complaints received during the year	445
(c)	No. of complaints redressed during the year	427
(d)	No. of complaints pending at the end of the year	29

10.2 Award passed by the Banking Ombudsman:

S.N.	Particulars	Details
(a)	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	--NIL-
(b)	No. of Awards passed by Banking Ombudsman during the year	--NIL--
(c)	No. of Awards implemented during the year	--NIL--
(d)	No. of unimplemented Awards at the end of the year	--NIL--

11. Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs

11.1 Concentration of Deosits:

(In Crores)

	Current Year	Previous Year
Total Deposits of twenty largest depositors	300.82	275.82
Percentage of Deposits of Twenty largest depositors to total deposits	2.69%	2.79%

11.2 Concentration of Advances:

(In Crores)

	Current Year	Previous Year
Total Advances to twenty largest borrowers	38.93	32.10
Percentage of Advances of Twenty largest depositors to total Advances	0.50%	0.46%

11.3 Concentration on NPAs:

(In Crores)

	Current Year	Previous Year
Total exposure to Top four NPA accounts	1.71	1.02
Percentage of NPA of top four NPA accounts to total NPA	0.33%	0.27%

11.4 Miscellaneous-Amount of provisions made for Income tax during the year

	Current Year	Previous Year
Provision for income Tax (Rs. In Thousand)	350341	347100

11.5 Sector-wise NPAs :

(In Crores)

S. No.	Sector	Current Year			Previous Year		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Perecentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Perecentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
A	**Priority Sector**						
1	Agriculture and allied activities	6584.02	473.31	7.19%	6051.91	336.74	5.56%
2	Advances to industries sector eligible as priority sector lending/others	707.98	36.39	5.14%	524.38	33.47	6.38%
	Services	0	0	0.00%	0	0	0.00%
3	Personal Loans	0	0	0.00%	0	0	0.00%
4	**Sub-Total (A)**	**7292.00**	**509.70**	**6.99%**	**6576.29**	**370.21**	**5.63%**
	Non-Priority Sector						
B 1	Agriculture and allied activities	0	0	0.00%	314.16	0	0.00%
	Industry/Others	413.57	3.32	0.80%	0	1.53	0.00%
2	Services	0	0	0.00%	47.39	0	0.00%
3	Personal Loans	42.17	2.76	6.54%	0	3.65	0.00%
4	**Sub-Total (B)**	**455.74**	**6.08**	**1.33%**	**361.55**	**5.18**	**1.43%**
	Total (A+B)	**7747.74**	**515.78**	**6.66%**	**6937.84**	**375.39**	**5.41%**

11.6 Transfers to Depositor Education and Awareness Fund (DEAF)

(Rs. In Crores)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening Balance of amounts transferred to DEAF	9.39	4.56
Add: Amounts transferred to DEAF during the year	2.20	4.94
Less: Amounts reimbursed by DEAF towards claims	0.09	0.11
Closing balance of amounts transferred to DEAF	11.50	9.39

12. Draw Down from Reserve

The Bank has not drawn down any amount from Statutory and General Reserve during the current financial year.

13. Disclosure of Penalties imposed by RBI

The Bank has maintained CRR and SLR as per RBI Act 1934 and Banking Regulation Act l949 and not defaulted during the financial year under report.

OTHERS

14. Balancing of Books and Reconciliation

14.1 In certain branches balancing/reconciliation of control accounts with subsidiary ledgers is in progress.

14.2 Inter Branch Account (IBR/DD) prior to amalgamation have been reconciled except few entries pertaining to Insurance Claims, which is in progress.

14.3 Reconciliation of Drafts payable, debit note receivable/payable, RTGS/NETT (Suspense etc) is in progress and provisions have been made there against have been made as per RBI norms.

15. GST Compliance.

The bank is complying with the GST requirement to the extent possible, payment of GST and filing of GST returns is being done on time. However, the software of the Bank is not updated to comply with GST requirements. Therefore, GST liability is assessed at HO level, based on compilation of information received from various branches and offices of the bank based on manual techniques and calculation.

It is ensured that the impact of above para 14.1 to 14.3 and 15 on the Profit and Loss account and Balance sheet of the Bank is not material.

16. The figures of the previous year have been re-grouped/re-arranged wherever necessary except where information was not available.

ASHUTOSH KUMAR CHIEF MANAGER ACCOUNTS & COMPLIANCE	**ANIL SOGANI** GENERAL MANAGER	**GYANENDRA KUMAR JAIN** CHAIRMAN
S GANESAN DIRECTOR	**VINIT KUMAR** DIRECTOR	**C S NANDA** DIRECTOR
BABLISH JOSHI DIRECTOR	**S C GUPTA** DIRECTOR	**SANDEEP SANDOO** DIRECTOR

Place : Jodhpur
Date : 08.05.2019

As per our separate report of even date
For Parakh & Company Chartered Accountants
FRN.001475C

CA NIKITA MAHESHWARI
PARTNER
M.NO.441184

आर एम जी बी
R M G B

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक

RAJASTHAN MARUDHARA GRAMIN BANK

(भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित Sponsored by State Bank of India)

प्रधान कार्यालय
तुलसी टॉवर, नवीं बी रोड़
सरदारपुरा, जोधपुर 342003
राजस्थान

Head Office
Tulsi Tower, 9th 'B' Road
Sardarpura, **Jodhpur** 342003
Rajasthan